आश्विन कृष्ण पक्ष 06, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

रांची का तापमान
कांके: अधिक. 30.7° न्यून. 22.3°
रांची: अधिक. 31.1° न्यून. 23.6°

रांची, शनिवार
13 सितंबर 2025
वर्ष-26, अंक- 222, पृष्ठ-12
मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

सुशीला कार्की ने ली नेपाल की अंतरिम पीएम के रूप में शपथ

काठमांडू। नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश 73 वर्षीया सुशीला कार्की ने शुक्रवार की देर शाम को देश की अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता शपथ ली। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले नेपाल की संसद को भंग कर दिया गया था। शपथग्रहण समारोह शीतल निवास में संपन्न हुआ। शपथ लेते ही सुशीला कार्की देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बन गईं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मुठभेड़, दो नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में मारे गए दो नक्सलियों के शव बरामद हो चुके हैं। जबकि, एक राइफल सहित अन्य हथियार और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई है। इसके अलावा, दैनिक उपयोग की वस्तुएं जैसे चावल, दवाइयां और प्रचार सामग्री भी बरामद हुई। सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी था। यह घटना बीजापुर के उन इलाकों में हुई, जहां माओवादी लंबे समय से सक्रिय हैं। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया, ऑपरेशन सफल रहा है। लेकिन, अभी खतरा बरकरार है, इसी कारण सर्च जारी रखी गई है।

अल्बानिया में दुनिया का पहला एआई-जेनरेटेड मंत्री नियुक्त

तिराने। अल्बानिया ने देश को 'भ्रष्टाचार मुक्त' बनाने के उद्देश्य से बड़ा प्रयोग किया है। देश ने दुनिया का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जेनरेटेड 'मंत्री' नियुक्त किया है। अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने अपने मंत्रिमंडल में डिजिटल मंत्री को शामिल किए जाने की घोषणा की। इस डिजिटल सहायक का नाम 'डिएला' है, जिसका अर्थ 'सूरज' होता है। यह जनवरी से ही लोगों से ऑनलाइन सरकारी सेवाओं का उपयोग करने का तरीका पूछ रहा है। यूरो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को एडी रामा ने कहा कि डिएला को सार्वजनिक निविदाओं से संबंधित सभी निर्णय लेने की जिम्मेदारी दी गई है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें
सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

जेसोवा के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात

मुख्यमंत्री दिवाली मेला में किए गए सपरिवार आमंत्रित

नवीन मेल डेस्क

मोरहाबादी मैदान में 9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक आयोजित होगा मेला

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री सोरेन को जेसोवा की ओर से रांची के मोरहाबादी मैदान में 9 अक्टूबर से 13 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होने वाले दिवाली मेला में सम्मिलित होने के लिए सपरिवार आमंत्रित किया।

जेसोवा के प्रतिनिधिमंडल ने पांच दिनों तक चलने वाले इस दिवाली मेले के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने जेसोवा द्वारा किए जा रहे सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यों कार्यक्रमों और गतिविधियों की भी जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करने वालों में जेसोवा की अध्यक्ष प्रीति कुमारी, सचिव मनु झा, कोषाध्यक्ष शिवानी सिंह, कार्यकारिणी समिति सदस्य रंजना कुमार एवं ज्योति मंजू शामिल थीं।

कोल माइंस से जुड़े मुद्दों पर हुई मुख्यमंत्री एवं कोयला मंत्री के बीच चर्चा

केंद्र-राज्य के सहयोग से ही होगा समस्याओं का समाधान : हेमंत

सीएम ने कहा, खनन क्षेत्र में प्रगति के लिए मिलकर करना होगा प्रयास

नवीन मेल डेस्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में औपचारिक मुलाकात की। इस मौके पर राज्य सरकार के अधिकारियों तथा कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया की अनुषंगी इकाइयों के अधिकारियों के बीच हुई बैठक में कोयला और खनन क्षेत्र की बेहतरी को लेकर चर्चा हुई। इस दौरान राज्य में कोल माइंस से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों एवं मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कोल माइंस के मुद्दे पर राज्य सरकार का पक्ष रखा। वहीं, केंद्रीय कोयला मंत्री ने कोयला खनन परियोजनाओं को लेकर आ रही समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के आपसी सहयोग से ही कोल माइंस से जुड़ी समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र को क्षेत्र को आगे ले जाने के लिए मिलकर प्रयास करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी की उपस्थिति में अधिकारियों के बीच हुई बैठक में खनिजों पर मिलने वाली रॉयल्टी, विस्थापितों का पुनर्वास, नौकरी और मुआवजा, खनन क्षेत्र और आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को रोजगार, खनन कार्य पूरा हो चुके जमीन की वापसी, खदानों में अवैध खनन की वजह से हो रहे हादसों पर नियंत्रण को लेकर सुरक्षा मानकों के पालन, कोयला परियोजनाओं के ऑपरेशनल करने में आ रही अड़चनों का समाधान तथा डीएमएफटी और सीएसआर फंड के इस्तेमाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, केंद्रीय खनन मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी संजय लोहिया, केंद्रीय कोयला मंत्रालय शेष पेज 11 पर

कोयला खदान कर्मियों का 1 करोड़ का अतिरिक्त बीमा : रेड्डी

संविदा कर्मियों को मिलेगा अतिरिक्त 40 लाख रुपए तक का बीमा लाभ

अब खदान हादसे में मिलेंगे 25 लाख 17 सितंबर से प्रभावी होगा निर्णय

रांची। कोयला उद्योग में काम करने वाले नियमित और कांट्रैक्ट कर्मियों के बीमा और कल्याण के लिए शुक्रवार को बड़ी घोषणाएं की गईं। केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रांची में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि कोल इंडिया की माइंस में कार्यरत सभी नियमित कर्मियों को एक करोड़ रुपए का अतिरिक्त बीमा लाभ मिलेगा। इसी तरह, संविदा कर्मियों को अतिरिक्त 40 लाख रुपए तक का बीमा लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नियमित कर्मचारियों को मिलने वाली एक्सग्रेशिया राशि 15 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दी गई है। रेड्डी ने कहा कि यह निर्णय आगामी 17 सितंबर से प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर विश्वकर्मा जयंती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है। इस दिन से देशभर की सभी कोयला खदानों में पहली बार यूनिफॉर्म ड्रेस कोड भी लागू किया जाएगा। कोल इंडिया के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए जल्द ही यूनिफॉर्म अनिवार्य होगा। कोयला एवं खनन मंत्री किशन रेड्डी ने कहा, आजादी के बाद पहली बार कोल माइंस में काम करने वाले कर्मचारियों को सम्मानजनक पहचान देने के लिए यूनिफॉर्म ड्रेस कोड लागू किया जा रहा है। सभी कर्मियों को कोल इंडिया की ओर से यूनिफॉर्म उपलब्ध कराए जाएंगे। भारत में माइनिंग सेक्टर की तरक्की और बेहतरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को ऐतिहासिक बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहली बार देश का कोयला उत्पादन एक बिलियन टन के पार पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में झारखंड का अहम योगदान है।

● कर्मचारियों को सम्मानजनक पहचान देने के लिए लागू होगा यूनिफॉर्म ड्रेस कोड

शेष पेज 11 पर

झरिया के लिए नया मास्टर प्लान

कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने धनबाद के झरिया के लिए नए मास्टर प्लान की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से 60 लोगों की टीम नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। इसमें से कोयला मंत्रालय ने 50 लोगों की नियुक्ति कर दी है। सीईओ की नियुक्ति राज्य सरकार को करनी है। पुनर्वासित लोगों के लिए मास्टर प्लान में रोजगार, आवास, अस्पताल और स्कूल जैसी सुविधाओं को ध्यान में रखा गया है। सीईओ की नियुक्ति के बाद मुख्यमंत्री के साथ बैठक कर इस योजना को गति दी जाएगी।

स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर

कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि कोयला मंत्रालय माइंस वाटर यूटिलाइजेशन पर काम कर रहा है। इस दिशा में ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और गोवा में प्रयास किए जा रहे हैं। देश में 143 ऐसे कोयला खदान हैं, जिनका क्लोजर अभी तक नहीं हुआ है। इन खदानों के पानी का उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए माइंस क्लोजर की प्रक्रिया शुरू की गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि माइंस क्लोजर के साथ-साथ खदान के पानी का उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और संबंधित प्रांत को लाभ होगा।

कोयला उत्पादन में झारखंड की स्थिति
1. ओडिशा 2. छत्तीसगढ़ 3. झारखंड

झारखंड के पूर्व राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन बने 15वें उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (आईएएनएस)

● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ
● औपचारिक रूप से राज्यसभा के सभापति का पदभार भी ग्रहण किया

सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीपी राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद रहे। बाद में सीपी राधाकृष्णन ने औपचारिक रूप से राज्यसभा के सभापति का भी पदभार ग्रहण किया। शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आदेश पर चुनाव आयोग से प्राप्त उपराष्ट्रपति के निर्वाचन का प्रमाण पढ़ा गया। फिर राष्ट्रपति ने सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन ने जगदीप धनखड़ की जगह ली है। धनखड़ ने 21 जुलाई 2025 को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक से उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उपराष्ट्रपति चुने जाने से पहले राधाकृष्णन महाराष्ट्र के राज्यपाल के पद पर कार्यरत थे। उससे पहले वे झारखंड के राज्यपाल थे। राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ 452 प्रथम वरीयता वोट हासिल किया था शेष पेज 11 पर

सिमडेगा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एक करोड़ से अधिक की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त, 1 गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

● कंटेनर से 1115 पेटी में 40,052 बोतल शराब की हुई बरामदगी
● बिहार चुनाव को प्रभावित करने के लिए भेजी जा रही थी पटना

सिमडेगा। सिमडेगा पुलिस को शुक्रवार को बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस ने पंजाब से पटना ले जाई जा रही भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब को जब्त किया है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है।सिमडेगा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एम अर्शी ने सदर थाना परिसर में प्रेस वार्ता में इसे पुलिस की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि पंजाब से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा होते हुए सिमडेगा के रास्ते बिहार चुनाव को प्रभावित करने के लिए यह अवैध शराब पटना भेजी जा रही थी। इसे सिमडेगा पुलिस ने पकड़कर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक एम अर्शी ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए और सख्त अभियान चलाए जाएंगे। सभी थानों की पुलिस को मालवाहक वाहनों के जरिए संदिग्ध माल के परिवहन की जांच करने का निर्देश दिया गया है। शेष पेज 11 पर

रांची के खेलगांव में स्कूल बस ने छात्रा को रौंदा, मौत

बाल-बाल बची छोटे भाई की जान

नवीन मेल डेस्क

● भाई के साथ मंदिर पूजा करने जा रही थी

रांची। राजधानी रांची के खेलगांव में शुक्रवार की सुबह करीब 06:45 बजे स्कूल बस ने एक स्कूटी में टक्कर मारी दी। इस हादसे में स्कूटी चला रही छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, स्कूटी पर बैठा उसका छोटा भाई सड़क पर दूसरी ओर गिर गया, जिससे उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार, स्कूल बस तेज रफ्तार में जा रही थी। बस ने खेलगांव के पास अचानक स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद छात्रा स्कूटी समेत सड़क पर गिर पड़ी और बस उसे कुचलते हुए निकल गई। छात्रा ने हेलमेट पहन रखा था।

शेष पेज 11 पर

इंडिया

दक्षिण का किला बचाने के लिए हिंदी और धर्म विद्वेष की राजनीति

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

भाषा, जाति, अल्पसंख्यक और क्षेत्रीयता की राजनीति भारत के लिए नई नहीं है पर तमिलनाडु के मंत्री रहे उदयनिधि स्टालिन ने सनातन को डेंगू मलेरिया की तरह घातक बताकर उन्मूलन करने के बयान का जवाब भाजपा ने दक्षिण में पकड़ मजबूत करने के अभियान से दिया । वैसे तमिलनाडु में सत्ता प्राप्त करने के लिए अल्पसंख्यक ब्राह्मणवाद और हिंदी का विरोध आरंभ से ही राजनीतिक मुद्दा रहा है। 50 वर्ष पहले द्रविड़ राजनीति की शुरुआत ईवी रामासामी नायकर पेरियार की अगुवाई में एक नारे के रूप में हुई थी "तमिलनाडु तमिल लोगों के लिए है" ये वही स्लोगन है जो पेरियार ईवी रामासामी नायकर ने 1938 में पूरे देश में हिंदी शिक्षा अनिवार्य करने के विरोध में दिया था। शुरुआत में ये नारा सिर्फ तमिलभाषी क्षेत्रों तक सीमित था, लेकिन बाद में ये विरोध बढ़कर आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, केरल और कर्नाटक में फैल गया। ये वो राज्य हैं जहां द्रविड़ भाषाओं तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ का प्रचलन है।17 सितंबर 1879 को मद्रास में जन्मे पेरियार ने साल 1919 में कांग्रेस पार्टी से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत करने वाले गांधीवादी विचारधारा से प्रभावित ने अपनी पत्नी नागमणि और बहन बालाम्बल को भी राजनीति में शामिल किया, जो उस समय ताड़ी की दुकानों में अपनी आवाज बुलंद करने वाली महिलाओं में सबसे आगे थीं। हालांकि ये सिलसिला ज्यादा नहीं चला और पेरियार ने 1925 में कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। उनका मानना था कि पार्टी ब्राह्मणों को ज्यादा सपोर्ट कर रही है और पार्टी का प्राइमरी एजेंडा भी ब्राह्मण ही हैं। पेरियार ने तमिल क्षेत्र में हिंदी को अनिवार्य करना 'उत्तर भारतीय साम्राज्यवाद' स्थापित करने की कोशिश भी बताया। वामपंथी इतिहासकार गुहा की किताब मेकर्स ऑफ इंडिया में पेरियार के कुछ भाषण हैं, "भारत में आने के कुछ ही समय बाद ईसाइयों ने हमारे लोगों को एकजुट किया, उन्हें शिक्षा दी और खुद को हमारा स्वामी बना लिया।दूसरी ओर हमारा धर्म, जिसे भगवान द्वारा बनाया गया और लाखों-करोड़ों साल पुराना कहा जाता है वो मानता है कि उसके अधिकांश लोगों को अपना धर्म ग्रंथ नहीं पढ़ना चाहिए। जबकि तमिलनाडु में ब्राह्मण बहुल क्षेत्र के विधायक एस वी शेखर ने 2016 में बयान दिया था कि "तमिलनाडु में ब्राह्मण के घर पैदा होना श्राप है क्योंकि केवल 4 फीसदी ब्राह्मण हैं जिसकी वजह से उन्हें नजरअंदाज किया जाता है।" पेरियार के हिंदी विरोधी रुख को तमिलनाडु की पार्टियों ने सबसे ज्यादा भुनाया है। हर साल तमिलनाडु भाषा शहीद दिवस मनाता है, जो राज्य में हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान अपनी जान देने वालों की याद में मनाया जाता है।स्वाधीनता संग्राम में सपना तो था राष्ट्रभाषा बनाने का, लेकिन संविधान सभा की बहसों तक पहुंचते-पहुंचते हिंदी राजभाषा तक ही सिमट गई।संविधान लागू होने से पंद्रह साल तक का अवधि विस्तार सुविधा की राजनीति के लिए बढ़ता गया। देश में बाजार की भाषा बन चुकी हिंदी को आधिकारिक स्थान दिलाने का विरोध सबसे अधिक तमिलनाडु से होता रहा है। 1965 में हिंदी को राजभाषा के तौर पर लागू करने की तैयारी हो या फिर 1967 का लोहिया का अंग्रेजी हटाओ आंदोलन, 1986 में आई नई शिक्षा नीति हो या 2020 की शिक्षा नीति, हर बार हिंदी के खिलाफ सबसे तीखी राजनीतिक आवाज तमिलनाडु से ही उठी है। राजभाषा समिति की रिपोर्ट के विरोध में वह चिदंबरम भी हैं, जिन्होंने गृहमंत्री रहते 2021 में राजभाषा हिंदी दिवस पर हिंदी को लोक की भाषा बताते हुए हिंदी में ही संवाद करने पर जोर दिया था। तब उन्होंने अपना पूरा भाषण हिंदी में दिया था।भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग जब लोकसभा में उठी थी, तब उसका जवाब देते वक्त चिदंबरम ने अपने वक्तव्य की शुरुआत में एक पंक्ति भोजपुरी में भी बोली थी।

एआई जेनरेटेड

बड़ी संख्या में होगी राजस्व कर्मचारी और अमीनों की नियुक्ति

झारखंड में राजस्व कर्मचारी व अमीनों की समस्या का जल्द होगा समाधान

● पलामू जिला को छोड़कर 23 जिलों की अधियाचना रिपोर्ट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भूमि संबंधी विभिन्न कार्यों में विलंब का बड़ा कारण भू राजस्व विभाग में पर्याप्त कर्मियों की कमी है। इसमें राजस्व कर्मचारी और अमीन के अनेक पद है जो वर्षों से रिक्त हैं। इस संबंध में विभाग ने झारखंड के सभी जिलों से राजस्व कर्मचारी और अमीन के रिक्त पदों की अधियाचना प्राप्त कर ली है और अब कार्मिक विभाग को भेजने की कारवाई प्रक्रियाधीन है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ी संख्या में राजस्व कर्मचारी और अमीनो की नियुक्ति होगी और झारखंड में भूमि संबंधी मामलों का निपटारा जल्द हो सकेगा।

आईए जानते हैं सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार झारखंड के विभिन्न जिलों में राजस्व कर्मचारी और अमीन के कितने पद स्वीकृत हैं कितने कार्यरत पद हैं और कुल रिक्तियां कितनी है।

झारखंड में अमीन के 255 स्वीकृत पद 81 कार्यरत पद कुल रिक्तियां 336 है

रांची जिले में अमीन के स्वीकृत पद 25 है जिसमें कार्यरत पद 11 और कुल रिक्तियां 36 है। खूंटी में स्वीकृत पद 7 कार्यरत पद 2 और कुल रिक्तियां 9 हैं। गुमला जिले में स्वीकृत पद 14 कार्यरत पद 5 और कुल रिक्तियां 19 है। रामगढ़ में स्वीकृत पद 7 कार्यरत पर 0 और कुल रिक्तियां 7 है। हजारीबाग में स्वीकृत पद 11 कार्यरत पद 9 और कल रिक्तियां 20 है। सिमडेगा में स्वीकृत पद 11 कार्यरत पद 2 और कुल रिक्तियां 13 है। गिरिडीह जिले में स्वीकृत पद 16 कार्यरत पद 5 और कुल रिक्तियां 21 है। धनबाद जिले में स्वीकृत पद 20 कार्यरत पद 8 कुल रिक्तियां 28 है। कोडरमा जिले में स्वीकृत पद 6 कार्यरत पर 4 और कुल रिक्तियां 10 है। लोहरदगा जिले में स्वीकृत पद 9 कार्यरत पद 1 और कुल रिक्तियां 10 है। देवघर जिले में स्वीकृत पद 11 कार्यरत पद 7 और कुल रिक्तियां 18 है। गोड्डा जिले में स्वीकृत पद 11 कार्यरत पद 3 कुल रिक्तियां 14 है।

चतरा जिले में स्वीकृत पद 13 कार्यरत पद 6 और कुल रिक्तियां 19 है। बोकारो जिले में स्वीकृत पद 6 कार्यरत पद 6 और कुल रिक्तियां 12 है। गढ़वा जिले में स्वीकृत पद 11 कार्यरत पद 3 कल रिक्तियां 14 हैं। दुमका जिले में स्वीकृत पद 13 कार्यरत पद 1 और कुल रिक्तियां 14 है। साहेबगंज जिले में स्वीकृत पद 9 कार्यरत पद 1 और कुल रिक्तियां 10 है। पाकुड़ जिले में स्वीकृत पद 7 कार्यरत पर 3 और कुल रिक्तियां 10 है। जामताड़ा जिले में स्वीकृत पद 7 कार्यरत पर 0 और कुल रिक्तियां 7 है। लातेहार जिले में स्वीकृत पद 10 कार्यरत पद 1 और कुल रिक्तियां 11 है। पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर जिले में स्वीकृत पद 9 कार्यरत पर 0 और कुल रिक्तियां 9 है। पश्चिम सिंहभूम चाईबासा जिले में स्वीकृत पद 12 कार्यरत पद 1 और कुल रिक्तियां 13 है। सरायकेला खरसावां जिले में स्वीकृत पद 10 कार्यरत पद 2 और कल रिक्तियां 12 है।

झारखंड में राजस्व कर्मचारी के स्वीकृत पद 1995 कार्यरत पद 1095 कुल रिक्तियां 3090 है

- रांची जिले में राजस्व कर्मचारी के स्वीकृत पद 157 है जिसमें कार्यरत पद 88 व कुल रिक्तियां 245 है।
- खूंटी में स्वीकृत पद 66 कार्यरत पद 38 और कुल रिक्तियां 104 हैं।
- गुमला जिले में स्वीकृत पद 108 कार्यरत पद 49 और कुल रिक्तियां 157 है।
- रामगढ़ में स्वीकृत पद 48 कार्यरत पद 17 और कुल रिक्तियां 65 है।
- हजारीबाग में स्वीकृत पद 131 कार्यरत पद 56 और कुल रिक्तियां 187 है।
- सिमडेगा में स्वीकृत पद 71 कार्यरत पद 34 और कुल रिक्तियां 105 है।
- गिरिडीह जिले में स्वीकृत पद 141 कार्यरत पद 82 कुल रिक्तियां 223 है।
- धनबाद जिले में स्वीकृत पद 92 कार्यरत पद 52 और कुल रिक्तियां 144 है।
- कोडरमा जिले में स्वीकृत पद 49 कार्यरत पद 31 और कुल रिक्तियां 80 है।
- लोहरदगा जिले में स्वीकृत पद 47 कार्यरत पद 25 और कुल रिक्तियां 72 है।
- देवघर जिले में स्वीकृत पद 76 कार्यरत पद 42 और कुल रिक्तियां 118 है।
- गोड्डा जिले में स्वीकृत पद 91 कार्यरत पद 47 कुल रिक्तियां 138 है।
- चतरा जिले में स्वीकृत पद 77 कार्यरत पद 49 और कुल रिक्तियां 126 है।
- बोकारो जिले में स्वीकृत पद 81 कार्यरत पद 36 और कुल रिक्तियां 117 है।
- गढ़वा जिले में स्वीकृत पद 103 कार्यरत पद 69 और कुल रिक्तियां 172 हैं।
- दुमका जिले में स्वीकृत पद 105 कार्यरत पद 58 और कुल रिक्तियां 163 है।
- साहेबगंज जिले में स्वीकृत पद 74 कार्यरत पद 38 और कल रिक्तियां 112 है।
- पाकुड़ जिले में स्वीकृत पद 64 कार्यरत पद 39 कुल रिक्तियां 103 है।
- जामताड़ा जिले में स्वीकृत पद 43 कार्यरत पद 15 और कुल रिक्तियां 58 है।
- लातेहार जिले में स्वीकृत पद 79 कार्यरत पद 40 और कुल रिक्तियां 119 है।
- पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर जिले में स्वीकृत पद 99 कार्यरत पद 59 और कुल रिक्तियां 158 है।
- पश्चिम सिंहभूम चाईबासा जिले में स्वीकृत पद 104 कार्यरत पद 70 और कुल रिक्तियां 174 है।
- सरायकेला खरसावां जिले में स्वीकृत पद 89 कार्यरत पद 61 और कुल रिक्तियां 150 है।

केंद्रीय कोयला व खान मंत्री ने सीसीएल के मगध संघमित्रा क्षेत्र का किया दौरा, कहा

कोयला मंत्रालय का उद्देश्य देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है

नवीन मेल संवाददाता

● मंत्री श्री रेड्डी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की हुई शिष्टाचार मुलाकात

रांची। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को खेलगांव स्थित जेएसएसपीएस का दौरा किया। अवसर विशेष पर श्री रेड्डी ने जेएसएसपीएस के बच्चों एवं उनके प्रशिक्षकों से संवाद किया और वहाँ उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियो को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। तत्पश्चात मंत्री ने हाल ही में स्थापित फिजियोथेरेपी सेंटर का अवलोकन कर वहां की सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने सितंबर माह में जन्मदिन मनाने वाले 16 बच्चों के साथ केक काटा, उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं और उपहार भेंट किए।

उन्होंने सभी बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे बेहतर से बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और राज्य का नाम रोशन करें। ज्ञात हो कि जेएसएसपीएस S में बच्चों को हॉकी, फुटबॉल, एथलेटिक्स, तैराकी, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और तीरंदाजी जैसे 11 खेलों की आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। जेएसएसपीएस, सीसीएल और झारखंड सरकार की संयुक्त पहल है। जेएसएसपीएस के खिलाड़ियों के नाम 15 अंतर्राष्ट्रीय पदक, 262 राष्ट्रीय पदक और 1352 राज्य पदक जीतने का एक प्रभावशाली रिकॉर्ड है।

इसके बाद मंत्री ने रांची में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। जहां उन्होंने सीसीएल के नवनिर्मित एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का उल्लेख करते हुए खदानों में अत्याधुनिक तकनीक और आधुनिक सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार और कोल इंडिया द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। वार्ता के दौरान ही मंत्री ने कहा कि कोयला मंत्रालय का उद्देश्य आर्थिक लाभ अर्जित करना नहीं है। मंत्रालय का उद्देश्य, देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना है। इसके बाद मंत्री श्री रेड्डी ने भारतीय खान ब्यूरो के नवनिर्मित क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके पश्चात माननीय मंत्री ने चतरा स्थित सीसीएल के मगध संघमित्रा क्षेत्र का दौरा किया।

इसके पश्चात मंत्री श्री रेड्डी की रांची में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अति महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। जिसमें कोयला, नए खदानों से जुड़े मुद्दे पर सार्थक बातचीत हुई। इसके अलावा श्रमिक उत्थान से जुड़े कई अन्य महत्पूर्ण मुद्दों पर भी सकारात्मक वार्ता हुई।

सीएम से चादरपोशी और कव्वाली मंच के उद्घाटन का किया आग्रह

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को हजरत रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमिटी, डोरंडा, के सदस्यों ने शिष्टाचार मुलाकात की। कमिटी ने 11 सितंबर से चल रहे रिसालदार शाह बाबा के पांच दिवसीय 218 वां सालाना उर्स मुबारक के तहत 14 सितंबर को चादरपोशी एवं कव्वाली मंच के उद्घाटन समारोह में मुख्य संरक्षक के तौर पर शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन के लिए विशेष शोक सभा का भी आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री से भेंट करने वालों में हजरत रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमिटी के सदर अयूब गद्दी, महासचिव मोहम्मद जावेद अनवर, रिज़वान हुसैन, जुल्फिकार अली भुट्टो, मोहम्मद सादिक, पप्पू गद्दी, शाहिद खान, समीर हेजाजी और मुश्ताक आलम शामिल थे।

सेल ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) स्थित इकाइयों ने राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (एनएसआईसी), एमएसएमई मंत्रालय और राष्ट्रीय एससी-एसटी हब कार्यालय (एनएसएसएचओ), के सहयोग से शुक्रवार को प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान, डोरंडा, रांची में एक विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम (एसवीडीपी) का आयोजन किया। यह कार्यक्रम केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 अभियान के तहत आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों सहित लगभग 45 विक्रेताओं ने भाग लिया, जिन्होंने सेल के साथ साझेदारी करने और सार्वजनिक खरीद पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान करने के अवसरों की खोज की। कार्यक्रम का समापन सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के उद्देश्यों के अनुरूप पारदर्शिता, समावेशिता और सतत विकास को बढ़ावा देने वाली साझेदारियों को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री पंजाब के दौरे पर

बाढ़ पीड़ितों का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत सरकार की ओर से केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय से दो दिवसीय दौरे पर पंजाब के अमृतसर में हैं। वे पंजाब के विभिन्न जिलों अमृतसर ,के भिंडीसायदा,जस्तेखाल, करेयाल , धदाल ,नेपाल ,मोटाल , क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ पीड़ितों की सहायता कर उनकी समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं। श्री सेठ ने बताया पंजाब में बाढ़ की स्थिति बहुत ही भयावह है पूरा क्षेत्र जल मग्न है पंजाब की पूरी खेती नष्ट हो गई है इस स्थिति को देखते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 1600 करोड रुपए का पैकेज दिया है। सेना के जवान राहत और बचाव कार्य में युद्ध स्तर पर जुटे हैं सेना के जवान 24 घंटे वहां के पीड़ित परिवारों को भोजन, पानी ,दवाई, सहित अन्य जरूरत के समान पहुंच रहे हैं। मुझे अपने सेना पर गर्व है हम अपनी सेना के ऐसे वीर जवानों को सैल्यूट करते हैं कि इस विपरीत परिस्थिति में भी अपनी जान को जोखिम में डालकर लोगों की सेवा में लगे हैं इस त्रासदी में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहली प्राथमिकता पंजाब को इस संकट से उभारना है। श्री सेठ ने कहा पंजाब के खेतों में फिर से फसल लहराए हम सब की प्रतिबद्धता है। पंजाब को फिर से सोना उगलने वाली धरती बनाना है यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हम सबों का संकल्प है।

चौकीदार के लिए चयनित 251 अभ्यर्थियों 16 को दिया जाएगा नियुक्ति पत्र

रांची। चौकीदार के पदों पर सीधी नियुक्ति के लिए चयनित अभ्यर्थियों की चिकित्सीय जांच संपन्न की गई। चिकित्सीय जांच के उपरांत अंतिम रूप से चयनित कुल 251 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। नियुक्ति पत्र वितरण 16 सितंबर को रांची समाहरणालय, ब्लॉक 'ए', कमरा संख्या-207 में पूर्वाह्न 10:45 बजे से प्रारंभ होगा। सभी चयनित अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे अपने प्रवेश पत्र और पहचान पत्र के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित रहें। सभी संबंधित अभ्यर्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे समय पर उपस्थित होकर अपने नियुक्ति पत्र प्राप्त करें और इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।

बालू घाटों का अधिकार ग्राम सभा को दे राज्य सरकार : बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा है। श्री मरांडी प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे।

श्री मरांडी ने राज्य के 500 से अधिक बालू घाटों की नीलामी के संबंध में राज्य सरकार द्वारा बनाए गए नियमावली पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार माफियाओं, बिचौलियों, दलालों के इशारे पर काम कर रही। ऐसा लगता है नियम माफिया, दलाल, बिचौलिए बना रहे और राज्य के मंत्री और वरीय पदाधिकारी उस पर आंख मूंद कर हस्ताक्षर कर रहे।

उन्होंने कहा कि इसीलिए सरकार को पहले ही पत्र लिखकर चेताया था लेकिन बात नहीं मानने का परिणाम है कि राज्य के एक वरीय आईएएस अधिकारी,सचिव जेल में हैं। और आगे भी अगर सरकार नहीं सुधरी तो फिर सचिव जेल जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान लागू नियम के आधार पर राज्य सरकार अवैध बालू उत्खनन को वैध बनाने की कोशिश कर रही। समूह के एक घाट को भी अगर पर्यावरण की अनुमति मिल जाती है तो पूरे समूह के घाटों से बालू को उठाने का उपाय किया गया है। पूरे बालू घाट को माफियाओं के हवाले करने की साजिश है।

उन्होंने सरकार से अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने की बात कही और मांग किया कि हेमंत सरकार ग्राम सभा को बालू घाट का अधिकार दे। प्रेसवार्ता में मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा उपस्थित रहे।

बालू घाट प्रबंधन में पारदर्शिता लाने को प्रतिबद्ध है सरकार : झामुमो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के आरोपों को नकारते हुए कहा है कि वे तथ्यों से परे और भ्रामक बयान देकर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने बालू घाटों के प्रबंधन और नीलामी के लिए जो नई नियमावली बनाई है, उसका मकसद पारदर्शिता और अवैध उत्खनन पर रोक लगाना है। भाजपा शासन में वर्षों तक बालू माफिया बेखौफ सक्रिय रहे, तब बाबूलाल मरांडी ने चुप्पी साधे रखी थी। अब जब सरकार ने व्यवस्थित व्यवस्था बनाई, तो उन्हें गरीब, आदिवासी और युवाओं की अचानक चिंता होने लगी।

पांडेय ने कहा कि पेसा कानून लागू करने और ग्राम सभा को अधिकार देने के प्रति हेमंत सरकार की प्रतिबद्धता अटूट है। लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के दोहन में पारदर्शिता और पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित करना भी समान रूप से जरूरी है। नई नीति में समूह आधारित नीलामी से भ्रष्टाचार और बंदरबांट की संभावना खत्म होगी और राजस्व बढ़ेगा, जिससे गांवों के विकास और युवाओं के लिए रोजगार सृजन पर खर्च हो सकेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी पिछली सरकारों के समय बालू घाटों से होने वाली अवैध कमाई ने ही दलालों और माफियाओं को पनपने दिया। हेमंत सरकार ने ऐसी प्रवृत्तियों पर लगाम कसने के लिए कड़े प्रावधान किए हैं। आईएएस अधिकारियों का नाम घसीटना मरांडी जी की हताशा को दिखाता है। झामुमो ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार हर वर्ग के हित में काम कर रही है और बालू घाटों के अधिकार ग्राम सभा के साथ-साथ राज्य के कानूनी ढांचे के तहत ही निर्धारित होंगे। बाबूलाल मरांडी निराधार आरोपों के बजाय राज्य के विकास में रचनात्मक सुझाव दें।

जागरूकता | नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक, बोले राजेश कुमार झा

राजभाषा हिंदी में कार्य करना कठिन नहीं

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्य आयकर आयुक्त राजेश कुमार झा की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक हुई। यह बैठक इस वर्ष की द्वितीय एवं नराकास की 29वीं बैठक थी। समिति के कुल 108 सदस्य कार्यालयों में से लगभग 120 सदस्य उपस्थित हुए, जिनमें लगभग 70 कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष भी शामिल हुए। बैठक का संचालन करते हुए समिति के सचिव डॉ. सूर्यकांत सामल ने अध्यक्ष के साथ-साथ बैठक में उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने नराकास बैठक के महत्व को रेखांकित करते हुए सदस्य कार्यालयों से प्राप्त तिमाही रिपोर्टों की भी समीक्षा की। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, कोलकाता से उपस्थित डॉ विचित्र सेन गुप्ता, उप निदेशक(कार्यान्वयन) ने नराकास के महत्व एवं उसकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। अपने अध्यक्षीय संबोधन में राजेश कुमार झा ने कहा कि आज ऐसी स्थिति नहीं रही जहां राजभाषा हिंदी में कार्य करना कठिन हो। केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में सरकारी कार्यों में हिंदी का अधिकतम उपयोग भारतीय संविधान के अनुरूप अनिवार्य है।

उन्होंने राजभाषा नीतियों, नियमों एवं आदेशों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से आग्रह किया। उन्होंने आगे यह भी कहा कि राजभाषा विभाग की बेवसाइट पर जाकर हिन्दी शब्द सिंधु, ई-पत्रिका पुस्तकालय एवं अन्य तकनीकी प्रणालियों के उपयोग से राजभाषा हिन्दी में आसानी से काम किया जा सकता है। इस बैठक के दौरान नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा प्रकाशित 'राजभाषा जोहार' पत्रिका के पंचम अंक का विमोचन भी किया गया। अंत में, कृषि प्रणाली के पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र की तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), श्रीमती अणिमा प्रभा ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिबंधित मांस लदे दो पिकअप वैन जब्त, चार तस्कर गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नामकुम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार व खरसीदाग ओपी प्रभारी भवेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने शुक्रवार को प्रतिबंधित मांस लदे दो पिकअप वैन सहित चार तस्कर गिरफ्तार किए। चारों तस्कर पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के निवासी हैं। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद शमशेर आलम गाजी पिता स्वर्गीय मो गफुर गाजी, मोहम्मद एनामुल हक पिता मो अबुल बसर, संटू विश्वास पिता रेफिकुल विश्वास और राजू गाजी पिता मोजिवर गाजी शामिल हैं। उक्त जानकारी डीएसपी मुख्यालय प्रथम अमर कुमार पांडेय ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी। उन्होंने कहा कि डीआइजी सह एसएसपी को रिंग रोड में तुपुदाना की ओर से आ रहे पिकअप वैन नंबर डब्ल्यूबी25एस5674 एवं डब्ल्यूबी25एल3789 में प्रतिबंधित मांस लदे होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के बाद टीम गठित कर रिंग रोड में तैनात कर दिया गया। पिकअप जैसे ही रिंग रोड में आया, पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने वाहन की गति तेज कर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने दोनों पिकअप वैन को पीछा कर घेर लिया और रुकने को विवश कर दिया। पुलिस ने चालक से पिकअप में लदे सामान के बारे में पूछा तो उसमें मुर्गी का दाना व मछली चारा होने की बात बतायी गयी।

पलाश वेंडिंग मशीन एवं आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेसवे योजना का हुआ शुभारंभ

यह योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए एक नया द्वार खोलती है : डीडीसी

नवीन मेल संवाददाता। रांची। झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के तत्वावधान में शुक्रवार को डीडीसी सौरभ कुमार भुवानिया ने पलाश वेंडिंग मशीन एवं आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेसवे योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने दो मालवाहक वाहनों को हरी झंडी दिखाकर योजना का औपचारिक उद्घाटन किया। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी आजीविका को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दीदियों को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत आधार भी मिलेगा

कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया ने मरधान आजीविका संकुल संगठन और तामाड़ आजीविका संकुल संगठन की दीदियों को संबोधित करते हुए कहा, "यह योजना ग्रामीण महिलाओं के लिए एक नया द्वार खोलती है। वाहनों के नियमित संचालन और लेखा-जोखा के पारदर्शी प्रबंधन से न केवल आय में वृद्धि होगी, बल्कि दीदियों को आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत आधार भी मिलेगा।" उन्होंने सखी मंडलों को इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने और अपने उत्पादों को बाजार में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर निदेशक डीआरडीए सुदर्शन मुर्मू, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक निशिकांत नीरज, जिला प्रबंधक (स्किल), डीएमएमयू के सभी स्टाफ, तामाड़ प्रखंड के बीपीएम, मरधान और तामाड़ आजीविका संकुल संगठनों की दीदियां और अन्य उपस्थित थे। सभी ने इस पहल की सराहना की और इसे ग्रामीण विकास की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। पलाश वेंडिंग मशीन और आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेसवे योजना झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित करने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी, बल्कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में भी योगदान देगी।

पलाश वेंडिंग मशीन: ग्रामीण उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की नई पहल

पलाश वेंडिंग मशीन योजना का उद्देश्य स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा उत्पादित कृषि और अन्य उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाना है। इस नवाचार के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादित ताजा और गुणवत्तापूर्ण सामग्री को शहरी बाजारों तक आसानी से पहुंचाया जा सकेगा। यह न केवल दीदियों की आय में वृद्धि करेगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी ताजा और स्थानीय उत्पाद उपलब्ध कराएगा।

आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेसवे योजना सुदूर क्षेत्रों को जोड़ने का है बेहतर प्रयास

आजीविका ग्रामीण एक्सप्रेसवे योजना के तहत सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों को यातायात सुविधा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना के अंतर्गत दो मालवाहक वाहनों का शुभारंभ किया गया, जो ग्रामीण उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और सखी मंडलों को नए आजीविका अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अभिनव प्रयास है।

बच्चों ने हाथ धोने और स्वच्छता की शपथ ली

रांची। स्वच्छ भारत मिशन के तहत इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र, रांची की ओर से स्वच्छता पखवाड़ा (1-15 सितंबर) मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय, अरगोड़ा में स्वच्छता शपथ और जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को स्वच्छता के महत्व पर शपथ दिलाई गई और स्कूल में साफ-सफाई अभियान चलाया गया।

आज / कल

साधु-संतों का तप और त्याग समाज के लिए प्रेरणा : खान

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री सम्मेद शिखर जी की पावन धरा पर स्थित गुणायतन परिसर में आयोजित विश्व-मैत्री महोत्सव आध्यात्मिक गरिमा और सामाजिक सहभागिता के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन श्रद्धेय श्री देवेन्द्र ब्रह्मचारी जी के मार्गदर्शन में महावीरायतन फ़ाउंडेशन के तत्वावधान आयोजित किया गया। महोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं आचार्य विद्यासागर जी महाराज तथा आचार्य समय सागर जी महाराज के मंगल चित्र अनावरण से हुआ। इसके पश्चात् परम पूज्य निर्यापक श्रवण मुनिश्री समता सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में सभी ने मंगल वचनों का लाभ लिया। पूज्य आर्यिका रत्न गुरुमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका दृढ़मति माताजी ससंघ ने गुरुवंदना का दिव्य अवसर प्रदान किया, जिनके सस्वर मंगलपाठ और प्रवचन ने श्रद्धालुओं को आत्मशुद्धि, संयम और धर्ममय जीवन का संदेश दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार के राज्यपाल आसिफ मोहम्मद खान ने कहा कि साधु-संतों का तप और त्याग समाज के लिए प्रेरणा है। विश्व-मैत्री महोत्सव राष्ट्र में शांति और सद्भावना का मार्ग प्रशस्त करता है। गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि सम्मेद शिखर जी की पावन भूमि पर इतना विराट आयोजन झारखंड का गौरव है। यह महोत्सव धर्म और संस्कृति को जोड़ने वाला अद्भुत प्रयास है।

कार्य स्थल पर हिंदी के प्रति जागरुकता लाएं : डॉ डीके मल्लिक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बीआईटी मेसरा लालपुर के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस हिंदी भाषा प्रकोष्ठ के द्वारा हिंदी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सेवा योजना के कार्यकर्ताओं ने हिंदी के विस्तार के लिए नाट्यरूप और कविता के माध्यम से छात्रों को हिंदी के उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में संस्थान के प्रभारी प्राचार्य डॉ डीके मल्लिक ने हिंदी के प्रति आज के युवाओं और विद्यार्थियों के बीच की डर के प्रति प्रोत्साहित करते हुए अपनी बातों को रखा और अपने कार्य स्थल में हिंदी के प्रयोग के प्रति जागरूकता लाने के लिए कार्ययोजना तैयार करने की बात कही। आज के इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि आकाशवाणी रांची की वरिष्ठ उद्घोषिका एवं हिंदी और क्षेत्रीय भाषा नागपुरी की विद्वान डॉ शकुंतला मिश्रा थी। उन्होंने अपने संबोधन में हिन्दी और क्षेत्रीय भाषाओं के समन्वय के साथ उसकी उपयोगिता पर बल दिया डॉ मिश्रा ने क्षेत्रीय भाषाओं को रानी का रूप में सम्मान करने और हिंदी को महारानी का सम्मान दिया उन्होंने हिंदी के प्रयोग करने और उसको अंतराष्ट्रीय भाषा मे स्थापित करने के लिए युवाओं को आह्वान किया। आज के इस कार्यक्रम में डॉ प्रदीप मुंडा, डॉ अभय रंजन श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया हिंदी दिवस के इस सम्मानित अवसर पर विद्यार्थियों ने नाटकीय ढंग से हिंदी को सोशल मीडिया में हिंदी की प्रयोग करने की तरीके पर विशेष रूप से जोर दिया ताकि हम आमजनों तक अपनी मातृभाषा को विस्तार कर सके।

सीयूजे में 'मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययन में करियर' पर व्याख्यान

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययन विभाग (डीएटीएस) ने जनजातीय गौरव वर्ष समारोह (2024-2025) के अंतर्गत "मानव विज्ञान एवं जनजातीय अध्ययन में करियर" पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण (रांची फील्ड स्टेशन) के प्रमुख डॉ. राजकिशोर महतो मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जबकि संस्कृति अध्ययन संकाय के डीन एवं डीएटीएस के प्रमुख प्रो. रवींद्रनाथ सरमा अध्यक्ष रहे। संकाय सदस्य प्रो. सुचेता सेन चौधरी, डॉ. शमशेर आलम और डॉ. एम. रामकृष्णन भी उपस्थित थे। यह व्याख्यान भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केंद्र, लुप्तप्राय भाषा केंद्र, स्वदेशी ज्ञान एवं सतत विकास केंद्र, समान अवसर प्रकोष्ठ और राष्ट्रीय कैडेट कोर, सीयूजे, रांची के सहयोग से आयोजित किया गया था। डॉ. महतो ने छात्रों और विद्वानों को मानव विज्ञान में करियर के व्यापक अवसरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, एएनएसआई, आईसीएसएसआर, यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन के माध्यम से अनुसंधान और शिक्षा जगत में संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकारी निकायों, गैर-सरकारी संगठनों और जनजातीय अनुसंधान संस्थानों में मानवविज्ञानी की भूमिकाओं पर भी प्रकाश डाला, जहाँ वे विकास कार्यक्रमों, नीति नियोजन और जनजातीय कल्याण में योगदान करते हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संग्रहालयों, अभिलेखागारों और सांस्कृतिक विरासत प्रबंधन में भी अवसर उपलब्ध हैं, खासकर सांस्कृतिक पर्यटन के विकास के साथ। इसके अलावा, फोरेंसिक और चिकित्सा मानव विज्ञान कानून प्रवर्तन, आपदा पीड़ितों की पहचान और जन स्वास्थ्य में करियर के विकल्प प्रदान करते हैं। हाल के वर्षों में, मानव विज्ञान ने कॉर्पोरेट जगत में भी प्रवेश किया है, जहाँ बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ यूएक्स अनुसंधान, उपभोक्ता अध्ययन और संगठनात्मक संस्कृति के लिए मानवविज्ञानियों को नियुक्त कर रही हैं।

भारतेंदु राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्थान के एक महान शिक्षक हैं : प्रो. रत्नेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में "शिक्षक, भाषा और भारतेंदु" विषय पर विशेष आयोजन किया गया। विभाग में शिक्षक दिवस, भारतेन्दु जयंती एवं हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक संयुक्त कार्यक्रम किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ - चढ़ कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों की इकाई, हिंदी साहित्य सभा के तत्वावधान में यह कार्यक्रम किया गया जिसमें शिक्षक की महत्ता, हिंदी भाषा और भारतेंदु हरिश्चंद्र का इसमें योगदान पर विभिन्न प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने भारतेंदु रचित 'अंधेर नगरी' के बाज़ार दृश्य का मंचन किया और उनकी कृति की सार्थकता पर विचार रखे। विद्यार्थियों ने कबीर के दोहों की संगीतमय प्रस्तुति, स्वरचित काव्यपाठ, गीत और नृत्य द्वारा समारोह को जीवंत बनाया और सभी शिक्षकों के प्रति अपने सम्मान को प्रस्तुत किया। सर्वप्रथम विभागाध्यक्ष प्रो. रत्नेश विष्वक्सेन ने शिक्षक, हिंदी भाषा और भारतेंदु के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने हिंदी को पूरे देश को एक सूत्र में जोड़ने वाली भाषा के तौर पर उसके योगदान को सराहा। साथ ही भारतेंदु के आधुनिक हिंदी के विकास और सामाजिक उत्थान में योगदान पर विचार व्यक्त करते हुए एक शिक्षक की समाज के निर्माण में भूमिका पर अपनी दृष्टि रखी। उन्होंने कहा कि भारतेंदु न सिर्फ आधुनिक हिंदी के जनक है बल्कि राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्थान के एक महान शिक्षक हैं।

टीम आदित्य मल्होत्रा ने पदयात्रा कर चलाया जनसंपर्क अभियान

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड चैंबर चुनाव को लेकर टीम आदित्य मल्होत्रा का जनसंपर्क अभियान जोरशोर से चल रहा है। गुरूवार को भी टीम के सदस्यों ने पुरे जोश खरोश के साथ अपर बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में पदयात्रा कर जनसंपर्क अभियान चलाया।टीम के सदस्यों ने कुंजलाल स्ट्रीट, एसएन रोड, गांधी चौक, ज्योति संगम लेन, महावीर चौक, रंगरेज गली, रंधीर प्रसाद स्ट्रीट समेत अन्य इलाकों का दौरा किया और अपने पक्ष में मतदान करने का विनम्र आग्रह किया। चैंबर के सदस्यों ने टीम आदित्य मल्होत्रा के सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया और टीम को समर्थन एवं आशीर्वाद देने का आश्वासन दिया। पदयात्रा के दौरान सदस्यों ने पंकज पोद्दार, हरगोविंद सिंह, श्रवण मोदी, सुनील मोदी, प्रमोद सारस्वत, राजेश कनोई, माधव लाखोटिया, प्रकाश चंद्र सेठी, अनिल जालान, रवि शर्मा, विक्रम खेतावत, दाउलाल मोहता, सौरव बथवाल, अजय बथवाल आदि से मुलाकात की। इस अवसर पर अध्यक्ष पद के दावेदार आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि हमारा संकल्प चैंबर के हर सदस्य तक पहुंचना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। टीम भावना के साथ हम व्यापारियों के लिए बेहतर अवसर, मजबूत नेटवर्क और पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करेंगे। वहीं, जनसंपर्क अभियान के तहत टीम आदित्य मल्होत्रा ने रांची मोटर डीलर एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों संग बैठक की।

हिंदी दिवस भाषा का गौरव और सांस्कृतिक पहचान: सर्राफ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड अभिभावक मंच के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि हर वर्ष को पूरे भारत में हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल हमारी राजभाषा हिंदी को सम्मान देने का अवसर है, बल्कि देशवासियों को अपनी मातृभाषा के महत्व को समझने और उसे सम्मानित करने की प्रेरणा भी देता है।हिंदी दिवस मनाने की शुरुआत 14 सितंबर 1949 को हुई थी, जब संविधान सभा ने हिंदी को भारत की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। यही कारण है कि इस ऐतिहासिक दिन को यादगार बनाने के लिए हर साल हिंदी दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह था कि देश की स्वतंत्रता के बाद, हमें एक ऐसी भाषा की आवश्यकता थी जो जनमानस से जुड़ी हो, जिसे आम जनता सहज रूप से समझ और बोल सके। हिंदी उस समय देश की एक बड़ी आबादी द्वारा बोली और समझी जाती थी, अतः इसे राजभाषा का दर्जा दिया गया। हिंदी भाषा की जड़ें हमारी सांस्कृतिक विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह केवल एक संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि एक समृद्ध साहित्य, कविता, संगीत और दर्शन की भाषा है। कबीर, तुलसीदास, प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, हरिवंश राय बच्चन जैसे साहित्यकारों ने हिंदी को अपनी रचनाओं के माध्यम से अमर कर दिया। आज के वैश्वीकरण के युग में जहाँ अंग्रेज़ी का प्रभाव बढ़ रहा है, ऐसे समय में हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपनी भाषा और संस्कृति को सहेजने की आवश्यकता है। हिंदी को सिर्फ सरकारी दस्तावेज़ों या भाषणों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं, बल्कि इसे जन-जीवन, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और डिजिटल दुनिया में भी सशक्त बनाना आवश्यक है।देशभर में इस दिन विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक और सरकारी संस्थानों में निबंध, कविता, वाद-विवाद, लेखन प्रतियोगिताएँ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति प्रेम और जागरूकता बढ़ाना होता है।

श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन

रुक्मणी विवाह, महारास और उद्धव गोपी संवाद से भक्त भाव विभोर हुए

नवीन मेल संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिवस में रुक्मणी विवाह, महारास और उद्धव गोपी संवाद मां चैतन्य मीरा के द्वारा सुनाया गया । साथ ही कृष्ण रुक्मणी विवाह के उपलक्ष में एक जरूरतमंद जोड़े का विवाह भी करवाया गया एवं उसे घर की जरूरत की सामग्री एवं उपहार दिए गए। कथा के प्रारंभ में संस्था के सदस्यों के द्वारा आरती की गई। तत्पश्चात गुरु मां ने सभी को ध्यान के माध्यम से कृष्ण से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने बताया की कुछ क्षण के ध्यान से ही यदि हम शांति महसूस कर सकते हैं, सकारात्मक अनुभूति का अनुभव कर सकते हैं तो सोचिए नित्य यदि हम योग और ध्यान करें तो हमारा शरीर मानसिक तनाव अनिद्रा जैसी बीमारियों से दूर होकर एक अलग आनंद और भक्ति का अनुभव प्राप्त कर सकता है। उन्होंने बताया कि कृष्ण की एक बांसुरी की धुन पर समस्त गोपिया दौड़ी चली आई थी और कई कई समय तक उनके साथ रास रचाती थी । हर गोपी के दो रूप हो गए थे एक शरीर जो महारास में होता था और कन्हैया ने एक ऐसा वातावरण बना दिया था की एक और वही गोपी अपने अपने घरों में अपने दैनिक कार्य करती रहती थी । जब कृष्ण को मथुरा जाना पड़ा तो समस्त गोप गोपी इस प्रकार से हो गए कि उनसे उनका सब कुछ अलग हो रहा है । कई दूर तक वह कृष्ण के साथ उनके रथ के पीछे-पीछे दौड़ते रहे। भक्ति और प्रेम का अद्भुत मिलन क्या है यह हमें बृजवासियों से सीखना चाहिए।

आज भी जिस प्रकार से यमुना मैया वृंदावन में सभी को दर्शन दे रही है लोग किस प्रकार से उसका आनंद प्राप्त कर रहे हैं यह प्रेम और भक्ति नहीं तो क्या है। प्रेम की असली परिभाषा ही गोपियां है जब उद्धव गोपियों को समझने जाते हैं तो गोपियों का प्रेम भाव देखकर उनकी कृष्ण के प्रति प्रेम में भक्ति को सुनकर वह समझ गए कि उनका ज्ञान इस प्रेम के आगे शून्य है। गुरु मां ने बताया कि जब हम किसी से प्रेम करें तो हमें ज्ञान नहीं लगना चाहिए। आज परिवार में जो लोग एक नहीं हो रहे हैं ।जो आपसी गृह क्लेश चल रहे हैं ।उनका एक ही कारण है वह प्रेम भूल जाते हैं और ज्ञान का ज्यादा उपयोग कर लेते हैं। और यही हमें एक दूसरे से अलग करता है। कथा के अंत में किस प्रकार से कन्हैया जी ने रुक्मणी जी का हरण किया और उनसे विवाह किया कथा के माध्यम से गुरु मां ने बताया ।

मांडर प्रखंड के कस्तूरबा विद्यालय के समीप झूलता तार बना खतरा

मांडर। मांडर प्रखंड अंतर्गत कस्तूरबा विद्यालय के मुख्य द्वार के समीप झूलता हुआ बिजली का तार स्थानीय लोगों के लिए खतरे का सबब बन गया है। विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं, अभिभावकों और आम राहगीरों को इस स्थिति से हर समय खतरा बना रहता है। लोगों का कहना है कि विद्यालय के ठीक सामने लटकते हुए तार के कारण बच्चे और अभिभावक काफी डर के माहौल में रहते हैं। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस समस्या की जानकारी कई बार बिजली विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द ही इसे ठीक नहीं किया गया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

कांच के गेट में फंसी दो साल की बच्ची की गर्दन, आफत में पड़ी जान

- गेट के पास लगी प्लाईवुड की फ्रेम को आरी से कटवा कर बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला गया

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर शुक्रवार को दो साल की बच्ची की जान उस वक्त आफत में पड़ गई, जब वह अपनी मां के साथ बैंक गई थी, और खेलते-खेलते उसकी गर्दन वहां लगे कांच के दरवाजे और लोहे की शटर के बीच फंस गई। इस घटना के बाद बैंक में अफरा-तफरी मच गई और बच्ची को बचाने व उसकी गर्दन को बाहर निकालने के लिए वहां मौजूद लोग तमाम जुगत भिड़ाने लगे। हालांकि कुछ देर की कोशिशों के बाद दरवाजे के पास लगी प्लाई को काटकर बच्ची की गर्दन को सुरक्षित निकाल लिया गया।
यह घटना रांची के बेड़ो क्षेत्र में स्थित बैंक ऑफ इंडिया की ब्रांच में शुक्रवार की सुबह लगभग 10:45 बजे उस वक्त हुई, जब प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली के बरटोली गांव में रहने वाली जसवंती देवी पैसा निकालने के लिए बैंक में अपनी दो साल की बेटी प्रिस्का मुंडा को लेकर गई थी।
कांच के गेट में फंसी दो साल की बच्ची की गर्दन, मां के साथ बैंक जाने पर आफत में पड़ी जान बैंक पहुंचने के बाद जसवंती तो पैसा निकालने के लिए लाइन में खड़ी हो गई, और बेटी को बैंक में खेलने के लिए छोड़ दिया। इसी दौरान बच्ची खेलते-खेलते कांच के दरवाजे में जाकर फंस गई। बच्ची के दरवाजे में फंसने की बात सुनकर बैंक में लोगों की भीड़ लग गई। जिसके बाद इस बारे में बेड़ो पुलिस को भी सूचना दे दी गई।
सूचना मिलने पर बेड़ो थाना के एएसआई भानु कुमार रजक बैंक पहुंचे और उन्होंने एक कारीगर को बुलवाकर गेट के पास लगी प्लाईवुड की फ्रेम को आरी से कटवाते हुए, बच्ची को सुरक्षित बाहर निकलवाया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बच्ची की गर्दन दरवाजे और उसके पास लगी फ्रेम के बीच में फंसी हुई नजर आ रही है, साथ ही इस वीडियो में कारीगर उस प्लाई को आरी से काटते हुए भी दिख रहा है।

न्यूज बॉक्स

पीएनबी अंचल प्रमुख ने वित्त सचिव से की मुलाकात

रांची। पंजाब नैशनल बैंक, रायपुर अंचल के अंचल प्रबंधक आशीष कुमार चतुर्वेदी ने 11 से 12 सितम्बर तक रांची मंडल का दौरा किया। इस दौरे पर उन्होने झारखंड राज्य के वित्त सचिव प्रशांत कुमार से मुलाकात की। मुलाक़ात के दौरान उन्होंने पंजाब नैशनल को सरकारी व्यवसाय प्रदान करने का अनुरोध किया। इससे पूर्व 11 सितंबर को जमशेदपुर एवं 12 सितंबर को रांची स्थित सम्पूर्ण विभागों एवं मंडल अंतर्गत शाखाओं के व्यवसाय की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने सभी शाखाओं को उनको आवंटित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरे में उन्होंने बैंक के सम्मानित ग्राहकों से भी मुलाकात की तथा सभी से बैंक से उनकी अपेक्षाओं पर भी चर्चा की |

विशेष कोचिंग कैंप के लिए जिले के एथलीट रांची से रवाना

रांची। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया,नई दिल्ली के निर्देश के आलोक में झारखंड एथलेटिक्स संघ,रांची के द्वारा आगामी 22 से 24 सितम्बर तक बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम,मोराबादी,रांची आयोजित होने वाली 36वीं पूर्वी क्षेत्र जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पश्चिम बंगाल, उड़ीसा,बिहार,असम, मिजोरम,सिक्किम,मणिपुर नागालैंड,त्रिपुरा,मेघालय, अरुणाचल प्रदेश,अंडमान निकोबार समेत मेजबान झारखंड टीम भाग लेगी। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले झारखंड राज्य की टीम में जिले में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र सिदो कान्हु स्टेडियम के 05 एथलीट, 01 प्रशिक्षक समेत डे बोर्डिंग एथलेटिक्स केंद्र के पूर्व एथलीट समेत जिले से कुल 10 को राज्य टीम में शामिल किया गया है। जो जिले के लिए गौरव का पल है। पहली बार जिले से इतनी संख्या में भागेदारी हो रही है।

नगर निगम का अवैध होर्डिंग्स के विरुद्ध अभियान जारी

रांची। रांची नगर निगम के द्वारा "अवैध होर्डिंग्स के विरूद्ध कार्रवाई" के लिए विशेष अभियान लागातार चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को रांची नगर निगम की बाज़ार शाखा की टीम के द्वारा शतरंजी बाजार से तुपुदाना चौक तक एवं मोरहाबादी क्षेत्र में जांच अभियान चलाते हुए, कुल 08 अवैध होर्डिंग्स को काट कर पूर्णतः हटा दिया गया। यह अभियान प्रतिदिन संचालित किया जाएगा तथा निगम क्षेत्रान्तर्गत लगाए गए सभी अवैध विज्ञापन पट्ट/होर्डिंग्स को हटाने की कठोर कार्रवाई की जाएगी।

फायरिंग मामले में आरोपी धनंजय साहू साक्ष्य के अभाव में बरी

रांची। अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत ने फायरिंग करके जख्मी करने के मामले में ट्रायल फेस कर रहे आरोपी धनंजय साहू को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। सात साल पुराने मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत किए गए गवाह ने घटना का समर्थन नहीं किया। आरोपी को पहचानने से इनकार किया। इसी मामले के एक अन्य आरोपी रमेश साहू को अदालत ने बीते 12 जून को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया था। घटना को लेकर संजय साहू ने बेड़ो थाना में 23 अक्तूबर 2018 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया था कि 22 अक्तूबर 2018 को शाम 6.30 बजे घर के बाहर बैठा था। दो अज्ञात व्यक्ति आकर फायरिंग की थी, जिसमें जख्मी हो गया था। लेकिन, सुनवाई के दौरान सूचक भी आरोपी को पहचानने से इनकार किया। इसका लाभ आरोपी को मिला।

मृदा स्वास्थ्य और उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम

चान्हो। राजकीय कृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय सिलगाई में शुक्रवार को मृदा स्वास्थ्य और उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इसमें कृषि विज्ञान केंद्र मोराबादी से रामकृष्ण मिशन के डॉक्टर ओपी शर्मा शामिल हुए। उन्होंने बताया कि आज हम कृषि के क्षेत्र में नई तकनीक को लागू करके अपने कृषि उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। इसके लिए मिट्टी जांच आवश्यक है। मृदा का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तभी अच्छी फसल का उत्पादन हो सकता है। लेकिन हम रासायनिक खाद का प्रयोग करके मृदा के उत्पादन क्षमता को घटा रहे हैं। हमें ऑर्गेनिक खेती और केंचुआ खाद इत्यादि का प्रयोग ज्यादा करना चाहिए। साथ ही मिट्टी के जांच समय-समय पर कराते रहे। इसमें नवम और दशम वर्ग के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। मौके पर प्रधानाध्यापक राजू उरांव, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक जनक सिंह, शिव उरांव, जगदीश, बिरसा उरांव, हसन अंसारी, पवन उरांव एवं कृषक मित्र एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

उमवि महावीर नगर में शिक्षक-अभिभावक दिवस का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। उत्क्रमित मध्य विद्यालय महावीर नगर उपर टोला में प्रधानाचार्य रंथु साहु के नेतृत्व में शिक्षक-अभिभावक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय गेट पर मुख्य अतिथि, समाजसेवी गौरीशंकर केशरी, एसएमसी अध्यक्ष कल्पना देवी, सहायक अध्यापिका अरुणा उरांव तथा अभिभावकों का तिलक अभिनंदन और पुष्प अर्पित कर स्वागत करके किया गया। इसके पश्चात बच्चों ने लोक नृत्य एवं गायन प्रस्तुत कर अभिभावकों का मनमोह लिया। सभा की अध्यक्षता विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बिरेन्द्र लोहरा ने की। प्रधानाचार्य रंथु साहु ने कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए शैक्षिक प्रगति, प्रयास कार्यक्रम, बच्चों के घर में अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण, व्यावसायिक शिक्षा, आईसीटी शिक्षा, प्रायोगिक कक्षा, पुस्तकालय उपयोग एवं नियमित उपस्थिति पर विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही एफएलएन और आठवीं बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को सम्मानित किया गया। गौरीशंकर केशरी, कल्पना देवी व अरुणा उरांव ने बच्चों की प्रगति, सुधार और विद्यालय विकास पर अपने विचार साझा किए। बाल संसद के बच्चों और अन्य विद्यार्थियों ने सामूहिक नागपुरी कोरा नृत्य प्रस्तुत किया। अंत में प्रधानाचार्य ने अभिभावकों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी तिमाही शिक्षक-अभिभावक दिवस में अधिक से अधिक उपस्थिति बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक अध्यापक राजेश कुमार साहु, अरुणा उरांव एवं बाल संसद मंत्रियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

खिलाड़ियों को सीखने और निखरने का अवसर मिले: शशि रंजन

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) में शुक्रवार को राज्य के सभी 24 जिलों से आए खेल कोषांग के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। अध्यक्षता निदेशक शशि रंजन ने की। निदेशक ने जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के सफल संचालन और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारी को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन इस प्रकार हो कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों को सीखने और निखरने का अवसर मिले। जिला समिति का लक्ष्य होना चाहिए कि खिलाड़ी न केवल राज्यस्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी पदक जीतकर जिले का नाम रोशन करें।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा तमाड़ बड़ा तालाब की पुलिया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। तमाड़ प्रखंड के लाइफ लाइन माने जानेवाले तमाड़ ओर रायडीह मोड़ एन एच 33 को जोड़ने वाली मुख्य सड़क के बीच एक बड़ा तालाब पर बने पुलिया पिछले बारिश में बह गया जिससे आवागमन पुरी तरह से बंद हो गया है। उक्त सड़क से प्रखंड मुख्यालय के अलावे विभिन्न स्कूलों और अनेकों सरकारी कार्यालयों तक प्रतिदिन सैकड़ो लोगों का आवागमन होता है। यह सड़क तमाड़ से लुंगटु भाया परासी उलीडीह तक आरइओ का है जो पिछले कुछ साल पहले ही संवेदक राजू झा के द्वारा बनाया गया था। बनाने के साथ ही सड़क उखड़ने लगा था पुलिया को भी सही ढंग से नहीं बनाया गया था जिसके चलते कई बार ग्रामीणों ने उच्चधिकारीयों को ज्ञापन देकर विरोध भी किया था लेकिन संबेदक का उच्च पहुंच के कारण उन पर कई जाँच एवं करवाई नहीं हुई। उक्त सड़क का मेटेनेन्स का अवधि अभी भी समाप्त नहीं हुई है लेकिन संबेदक के द्वारा टूटे जगह पर मिट्टी भरकर लीपापोती का काम किया गया था जो फिर से मिट्टी बह जाने के कारण खंडहर हो गया है किसी दिन बड़ी दुर्घटना घट सकती है। आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सह प्रखंड प्रभारी हीरालाल दास द्वारा अख़बार और सोशल मिडिया के माध्यम से उपायुक्त महोदय रांची एवं विभागीय पदाधिकारियों को जानकारी दी जाती है कि उक्त सड़क की बदहाल स्थिति एवं टूटे पुलिया पर विशेष संज्ञान लेते हुए विभागीय करवाई कर सड़क को अबिलम्ब दुरस्त के साथ साथ पुलिया को अबिलम्ब निर्माण कराया जाय अन्यथा आजसू पार्टी आंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

मंत्री के प्रयासों से लापुंग में बनेंगे स्कूल भवन : जन्मेजय पाठक

लापुंग। लापुंग प्रखंड के पीएम श्री राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग, पीएम श्री राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय सरसा, राजकीय मध्य विद्यालय लेटे सहित दर्जनों विद्यालयों में अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी पीटीएम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लापुंग की प्रखंड विकास पदाधिकारी उषा मिंज, अंचलाधिकारी पंकज कुमार, विधायक सह मंत्री की शिक्षा प्रतिनिधि जन्मेंजय पाठक सहित कई विशिष्ट लोगों ने पीटीएम कार्यक्रम में हिस्सा लिया। राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय ककरिया में रेखा आरती कुजूर एवं राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया में प्रकाश उरांव सहित राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय लतरातु में ऋषि तेज कुमार केरकेट्टा की अध्यक्षता में पीटीएम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पीएम श्री राजकीय प्लस टू उच्च विद्यालय लापुंग में प्रभारी प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार राय एवं पीएम श्री राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय सरसा में प्रभारी प्रार्थना प्रधानाध्यापक बहादुर उरांव की अध्यक्षता में पीटीएम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लापुंग में अंचलाधिकारी पंकज कुमार एवं विधायक के शिक्षा प्रतिनिधि जन्मेंजय पाठक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सेवा,भक्ति और करूणा ही मानव जीवन का है वास्तविक उद्देश्यः गुरु मां मीरा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आध्यात्मिक जगत की सुप्रसिद्ध कथा वाचक चैतन्य गुरु मां मीरा जी ने झारखंड की राजधानी रांची के पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर एवं सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम का दिव्य भ्रमण किया। यह मंदिर झारखंड का सबसे बड़ा श्रीकृष्ण-राधा मंदिर माना जाता है और इसकी भव्यता, शिल्पकला तथा आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देशभर में प्रसिद्ध हो रहा है। गुरु मां के आगमन से मंदिर परिसर में भक्तों का उत्साह देखने योग्य था। उन्होंने मंदिर की नयनाभिराम शिल्पकारी, दिव्यता एवं शांत वातावरण की सराहना की और कहा कि यह स्थान केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का जीवंत माध्यम है। उन्होंने गर्भगृह में भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के दर्शन कर विशेष पूजा अर्पित की। इसके पश्चात गुरु मां ने मंदिर में स्थित 'सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम' का भी अवलोकन किया, जहाँ अनेक दिव्यांग, वृद्ध, एवं निराश्रितजन सेवा और स्नेह की छाया में निवास कर रहे हैं।

पूजा आयोजकों के लिए ऊर्जा विभाग ने जारी की गाइडलाइन

रांची। ऊर्जा विभाग विद्युत निरीक्षणालय रांची ने 17 बिंदुओं का दिशा-निर्देश जारी किया है। यह निर्देश दशहरा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर पंडालों में विद्युतीकरण कार्य करने वाले उपभोक्ताओं के लिए जारी किया गया है। इसमें कहा गया कि भारतीय विद्युत नियमावली में उल्लेखित सुरक्षात्मक उपायों के अनुसार, अस्थायी विद्युतीकरण कार्य हो, पंडालों व भवनों में अर्थिंग की समुचित व्यवस्था करें। प्रत्येक पंडाल में कम से कम दो अर्थपिटो का निर्माण करना आवश्यक है।

महासभा ने स्वामी विवेकानंद को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने शिकागो विश्व धर्म संसद की 132वीं वर्षगांठ पर हिनू में स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की गई। मौके पर महासभा के जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने कहा कि स्वामी जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से उन्होंने भारतवर्ष की सनातन संस्कृति से संपूर्ण विश्व को अवगत करवाया। उनकी वाणिया विश्व बंधुत्व की भावना से ओत -प्रोत थी वर्तमान स्थिति में जो समस्त विश्व की स्थिति है। इस परिस्थिति में स्वामी विवेकानंद के कहे गए विश्व धर्म संसद में कहे गए बातों का विश्व बंधुत्व की भावना आज सर्वाधिक प्रासंगिक है। उन्होंने समस्त धर्म के अनुयायियों के प्रति अपनी श्रद्धा और निष्ठा प्रकट करते हुए कहा कि सभी धर्म का एक ही उद्देश्य है मानवता की रक्षा और संपूर्ण जगत में विश्व बंधुत्व की भावना को स्थापित करना। प्रेम कुमार सिन्हा ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्वामी जी भारत के पहले सन्यासी हैं जिन्होंने हिंदू धर्म से विश्व को अवगत करवाया। वरिष्ठ पत्रकार नीलू श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी जी ने अपने मन कर्म और वचन से जो मानवता की सेवा की वह चिरकाल तक हमें प्रेरित करते रहेगा। किशोर सिन्हा ने कहा कि उन्होंने मानव समाज को धर्म के माध्यम से जो सेवा करने का संदेश दिया उसके लिए समाज सदा ऋणी रहेगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉक्टर निर्मल सिन्हा, कृष्ण बल्लभ सहाय हर्षिता कुमारी और सुषमा कुमारी आदि उपस्थित थे।

स्कूलों के पीटीएम में शामिल हुए शिक्षा सचिव और परियोजना निदेशक

नवीन मेल संवाददाता

रांची । राज्य सरकार के विद्यालयों में सहज वातावरण निर्माण एवं अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने शुक्रवार को राजकीय मध्य विद्यालय, रातू और राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने राजकीय मध्य विद्यालय, लालगुटवा, नगड़ी के पीटीएम में शामिल हुए और अभिभावकों से संवाद किया। राज्यभर में 8 से 13 सितंबर तक द्वितीय अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया जा रहा है। बैठक के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सामुदायिक शिक्षा के महत्व और शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत बच्चों की अनिवार्य शिक्षा के प्रति अभिभावकों को जागरूक किया गया। पदाधिकारियों ने माता-पिता एवं अभिभावकों को विद्यालय के साथ मिलकर छात्रों के सीखने की प्रक्रिया में सहयोग करने, शिक्षकों के साथ मिलकर बच्चो के लर्निंग गैप को कम करने, निरंतर बच्चो की उपस्थिति बढ़ाने और बच्चो के शैक्षणिक एवं सह शैक्षणिक विकास हेतु अभिभावकों और शिक्षकों के साझा प्रयास पर बल दिया। लगातार अनुपस्थित बच्चो के अनुतीर्ण होने की संभावना ज्यादाः सिंह पीटीएम के दौरान स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सचिव उमाशंकर सिंह ने कहा कि नियमित स्कूल आने वाले बच्चों से अन्य बच्चों को भी प्रेरणा मिलती है। जो बच्चे लगातार अनुपस्थित रहते हैं, उनके अनुत्तीर्ण होने की संभावना भी ज्यादा होती है। इसीलिए बच्चों की निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नियमित स्कूल आने वाले, विभिन्न शैक्षणिक एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों में सक्रीय रूप से भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया।

जितिया 14 को, संतान की सुखमय जीवन के लिए माताएं करेंगी 24 घंटे उपवास

रांची। सनातन धर्म में अपने बच्चों की सुखमय जीवन के लिए माताएं जीवित्पुत्रिका व्रत रखती है जिसे जितिया व्रत भी कहा जाता है। जितिया अश्विन मास के पितृपक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। इस दिन माताओं द्वारा अपने बच्चों की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की कामना के लिए उपवास रखा जाता है। इसे कठिनतम व्रतों में से एक माना जाता है। इस वक्त के पारण के दिन घरों में अरवा चावल का भात चने या मूंग की दाल और झिंगी, कंदा पोइसाग, केला की सब्जियां घी के द्वारा बनाई जाती है और यह भोग जीतवाहन को और घर के पितरों को लगाया जाता है सजे बाद घरवाले इसे ग्रहण करते है । यह व्रत तीन दिनों तक चलता है और इसमें नहाय-खाय से लेकर निर्जल उपवास और पारण तक की परंपरा निभाई जाती है। पं कुंतलेश पाण्डेय ने बताया कि आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 14 सितंबर रविवार को सुबह 05 बजकर 04 मिनट से होगी और इसका समापन 15 सितंबर सोमवार को सुबह 03 बजकर 06 मिनट पर होगा। 13 सितंबर शनिवार को नहाय-खाय के साथ होगा। इसके बाद 14 सितंबर रविवार को महिलाएं पूजा अर्चना कर उपवास करेंगी और अगले दिन यानी 15 सितंबर सोमवार को व्रत का पारण कर व्रत संपन्न करेंगी ।

जितिया व्रत कथा सुनने की है परम्परा

जीमूतवाहन नामक एक राजा ने एक स्त्री के पुत्र को बचाने के लिए स्वयं को गरुड़ देव के भोजन के रूप में प्रस्तुत कर दिया। उनकी यह निःस्वार्थ भावना देखकर गरुड़ प्रसन्न हो गए और उन्हें वैकुंठ जाने का आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्होंने अन्य बच्चों को भी पुनर्जीवित कर दिया। तभी से यह परंपरा प्रारंभ हुई कि माताएं अपने बच्चों की सुरक्षा और दीर्घायु के लिए जीमूतवाहन देवता की आराधना करते हुए यह उपवास रखती हैं। इस व्रत से एक दिन पहले नहाय-खाय की परंपरा निभाई जाती है। इस दिन महिलाएं सात्विक भोजन बनाकर पितरों और पक्षियों को अर्पित करती हैं।व्रत के दिन सूर्योदय से पहले स्नान करके महिलाएं निर्जल उपवास का संकल्प लेती हैं।पूजा के लिए घर के स्वच्छ स्थान पर गोबर और मिट्टी से लिपाई कर एक छोटा तालाब बनाया जाता है। उसमें कुशा से भगवान जीमूतवाहन की प्रतिमा स्थापित की जाती है।इसके साथ ही चील और सियारिन की प्रतिमाएं भी बनाई जाती हैं और उनकी पूजा की जाती है।व्रत कथा का श्रवण या पाठ करने के बाद अगले दिन पारण कर व्रत पूरा किया जाता है। इस समय भगवान जीमूतवाहन से संतान की लंबी उम्र और कल्याण की कामना की जाती है।

उपायुक्त ने की जिला कारा समिति की बैठक

उपकारा में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में जिला कारा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिला कारा समिति की बैठक के दौरान उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज एवं पुलिस अधीक्षक अजय कुमार द्वारा उपकारा रामगढ़ में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई। इस दौरान उपायुक्त ने उपकारा रामगढ़ में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों, स्वास्थ्य उपकरणों, लाइटिंग आदि के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी संबंधित अधिकारियों को कारा का संचालन नियामानुसार सुनिश्चित करने एवं इससे संबंधित प्रतिवेदन ससमय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मौके पर अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला उपाध्यक्ष बबलू झा ने किया अध्यक्ष पद के लिए नामांकन

जमशेदपुर। संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत जिला अध्यक्ष चयन को लेकर चल रही रायशुमारी के दौरान शुक्रवार को जिला उपाध्यक्ष बबलू झा ने अपना आवेदन एआईसीसी के पर्यवेक्षक विधायक अनंत पटेल को सौंपा और पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद के लिए सादगी से नामांकन किया। बबलू झा ने कहा कि कांग्रेस मेरे डीएनए में है. अगर मौका मिले तो पूरे जिले में युवा जोश एवं बड़े बुजुर्ग के आशीर्वाद एवं जनता के प्यार से कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को हर गली, चौक-चौराहे, मोहल्ला, पंचायत एवं घर-घर तक पहुंचाने का प्रयास मजबूती करुंगा. बबलू झा ने साथ ही साथ अपना पक्ष रखते हुए साफ शब्दों में कहा कि अगर पार्टी ओबीसी से अध्यक्ष पद का चयन करती है तो धर्मेंद्र सोनकर को पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए।

प्रमंडलस्तरीय समाज कल्याण व कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक

पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना अधिकारियों की जिम्मेदारी : आयुक्त

- आयुक्त ने योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की, समयबद्ध क्रियान्वयन का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

विभाग की योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा

प्रमंडल स्तरीय समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्र भवनों की स्थिति, लाभुकों का फैसियल रिकॉग्निशन सिस्टम सह आधार वेरिफिकेशन की अनिवार्यता, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ वितरण की स्थिति, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की प्रगति तथा प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविकाओं एवं सहायिकाओं के मानदेय भुगतान की स्थिति, शौचालय, पेयजल, एलपीजी गैस कनेक्शन की उपलब्धता तथा सेविकाओं एवं सहायिकाओं की रिक्तियों से संबंधित विषयों की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

हजारीबाग। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त पवन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को प्रमंडल स्तरीय समाज कल्याण विभाग एवं कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक आहूत की गई। बैठक में समाज कल्याण विभाग एवं कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। आयुक्त ने कहा कि विभागीय योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पात्र लाभुकों तक पहुंचाना सभी अधिकारियों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी पात्र लाभुक को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहना पड़े।

आयुक्त ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कल्याण विभाग की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, लाभुकों को समयबद्ध लाभ पहुंचाने पर जोर प्रमंडल स्तरीय कल्याण विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिसके अंतर्गत वन अधिकार पट्टा, कब्रिस्तान घेराबंदी, सरना-मसना-जाहेर थान, घेराबंदी, आदिवासी कला केंद्र निर्माण (मांझी हाउस एवं धुमकुड़िया हाउस) से संबंधित कार्यों की स्थिति पर चर्चा की गई। साथ ही अनुसूचित जाति/ जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत पीड़ितों को भुगतान, साइकिल वितरण योजना के तहत साइकिलों के शीघ्र वितरण का निर्देश, छात्रवृत्ति वितरण, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना एवं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके अलावा कल्याण विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालय योजना की स्थिति पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रमंडलीय आयुक्त के सचिव, समाज कल्याण पदाधिकारी एवं कल्याण पदाधिकारी, हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद, चतरा, बोकारो, कोडरमा, गिरिडीह समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि संग अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बरकट्ठा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

39.5 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

बरकट्ठा। पुलिस ने गुरुवार की रात एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 39.5 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गांजा को सिल्वर रंग की मारुति सुजुकी अर्टिगा कार के अलग-अलग हिस्सों में छिपाकर रखा गया था।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (बरही) अजीत कुमार विमल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि अर्टिगा कार से भारी मात्रा में गांजा बरकट्ठा की ओर लाया जा रहा है। सूचना के आधार पर उनके नेतृत्व में छापामारी दल गठित किया गया। दल में पु०नि० इमदाद अंसारी, ०नि० पंकज सिन्दुरिया (थाना प्रभारी बरकट्ठा), पु०अ०नि० देवदत्त कुमार सिंह, पु०अ०नि० चन्दा उरांव, हव० राजन कुमार, आरक्षी 1573 भुवनेश्वर महतो और राजेन्द्र पासवान शामिल थे।
रात करीब 9 बजे थाना गेट के पास संदिग्ध अर्टिगा कार को रोककर तलाशी ली गई
जांच में 65 पैकेट से कुल 39.5 किलो गांजा बरामद हुआ। मौके से दो तस्कर गिरफ्तार किए गए। आरोपियों की पहचान सूरज सिंह (उम्र 26 वर्ष, पिता शिव कुमार सिंह, ग्राम खेखरूआ, थाना शिवरतनगंज, जिला अमेठी, उत्तर प्रदेश) और रामकरन वर्मा (उम्र 55 वर्ष, पिता स्व. दुखी राम वर्मा, ग्राम भाटीखुर्द, थाना आसपुर देवसुरा, जिला प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने गांजा के अलावा सिल्वर रंग की मारुति सुजुकी अर्टिगा कार, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बैंक एटीएम कार्ड और itel कंपनी का कीपैड मोबाइल जब्त किया है। गिरफ्तार दोनों तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मामले में संलिप्त अन्य व्यक्तियों की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामगढ़ प्रधान डाकघर में मेल सेवा की अवधि रात्रि 8 बजे तक बढ़ाई गई

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में डाक विभाग ने डाक सेवा क्षेत्र में अपनी पहचान के साथ विश्वसनीयता और जनहित में डाक विभाग की मेल सेवा को सुबह 9 बजे से रात्रि 8 बजे तक बढ़ाया है।
गुरुवार को रामगढ़ कैंट प्रधान डाकघर में सहायक डाक अधीक्षक नवीन कुमार अग्रवाल और पोस्टमास्टर मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से मेल सेवा एक्सटेंशन काउंटर का शुभारंभ फीता काटकर किया। इस अवसर पर सहायक डाक अधीक्षक नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि जिले में ग्राहकों की मांग को देखते हुए तथा सेवा भाव से आज डाक विभाग मेल ब्रांच का एक्सटेंशन काउंटर खोला गया है। अब जिले के लोग प्रधान डाकघर में रात्रि 8 बजे तक डाक विभाग की मेल सेवा में स्पीड पोस्ट, स्पीड पार्सल, साधारण डाक पत्र, मनीऑर्डर सहित अन्य सेवा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने ग्राहकों से सुविधा का लाभ उठाने की अपील की । इस अवसर पर मुख्य रूप से सहायक पोस्टमास्टर रविशंकर राय, नरेंद्र सिंह, रामखेलावन चौधरी, प्रशान्त कुमार सिंह,सुशील कुमार साह, विकास कुमार राय, चंदन कुमार महतो, शंभू दत्त सिंह, संतोष कुमार, रणजीत रजवार, राजेंद्र सिंह, भजूं महतो समेत अन्य डाक कर्मचारी सहित ग्राहक मौजूद रहे।

बिजली चोरी को लेकर 13 पर प्राथमिकी दर्ज

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में बिजली चोरी रोकथाम को लेकर चलाई गई विशेष छापामारी में 13 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। जिसमें घंघरी निवासी राजू कुमार प्रसाद पिता बैजू महतो, कुलदीप प्रसाद पिता शंकर प्रसाद, कोषमा निवासी मेराज अंसारी व रामेश्वर प्रसाद पिता तोड़ी महतो, धरहरा निवासी मो. साकिम अंसारी, मो. शाहिद, शहाबुद्दीन अंसारी तीनों पिता शेखावत अंसारी, कोरेश खातून पति मोहम्मद इशाक, ढोढिया निवासी एकलाल महतो पिता टेकलाल महतो, भोला महतो पिता स्व. भागी महतो, मथुरा महतो पिता भागी महतो, मुंशी कुमार पिता जानकी महतो और परमेश्वर ठाकुर पिता छोटी ठाकुर शामिल हैं। विद्युत विभाग ने सभी आरोपियों पर कुल 14 हजार 500 रुपये की क्षतिपूर्ति राशि निर्धारित की है। कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा और बकाया बिलधारियों एवं बिना मीटर बिजली जलाने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज बॉक्स

त्योहारों को लेकर दिशा-निर्देश किया गया जारी

रामगढ़। आगामी पर्व त्योहार विश्वाकर्मा पूजा, नवरात्रि, दुर्गा पूजा, दीपावली /काली पूजा एवं छठ पूजा आदि पर उत्सव आयोजित किए जाते है। कार्यक्रम स्थलों पर अयोजनगत दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा जन-धन की सुरक्षा के लिए उपाय करने को कहा गया है। इसमें कार्यक्रम स्थलों पर की गई विद्युत व्यवस्था का कार्य अनुभवी इलेक्ट्रीकल इजीनियर की देख-रेख में कराया जाय। तथा कार्यक्रम हेतु डाले गए विद्युत वायरें आर्कषक रोशनी आदि की वायरिंग का उचित टेपिंग/इन्सुलेशन किया जाए, जिससे स्पार्क आदि से कोई दुर्घटना न हो। कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक विद्युत लोड के अनुसार वैध विद्युत कनेक्शन प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करेंग। कार्यक्रम स्थल पर धुम्रपान पूर्णतः वर्जित रखा जाए। कार्यक्रम स्थल पर ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण न किया जाए। पर्याप्त पीने के पानी की व्यवस्था रहे तथा आवश्यक संख्या में बाल्टियों आदि रखा जाए एवं अग्निशामक अवश्य रखें। किसी दुर्घटना की स्थिति में स्थल को शीघ्र रिक्त करवाने हेतु प्रवेश एवं निकासी द्वार पर्याप्त चौड़ाई में पथ मार्ग स्वरूप खुले रहे। कार्यक्रम संचालकों से अपील है कि रामगढ़ शहर स्वच्छ भारत मिशन के तहत् स्वच्छ एवं साफ रहे इस हेतु स्थल की उचित सफाई व्यवस्था रखते हुए कार्यक्रम को जीरो वेस्ट इवेंट के रूप में आयोजित किया जाए तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न किया जाए।

अवैध उत्खनन स्थल की भराई हुई

रामगढ़। उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देशानुसार 12 सितम्बर को खनन विभाग, वन विभाग एवं सीसीएल अरगड्डा क्षेत्र के सुरक्षा विभाग के पदाधिकारियों के द्वारा संयुक्त रूप से झारखण्ड इस्पात प्रा० लि०, हेसला, रामगढ़ के उत्तर दिशा के जंगल क्षेत्र में कोयला का अवैध खनन होने की सूचना पर छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में अवैध उत्खनन स्थल को ओभर बर्डन से भराई का कार्य किया गया।

करमा लोकल रोड सेल का कार्य तीसरे दिन भी रहा ठप

रामगढ़। सीसीएल करमा परियोजना के लोकल रोड सेल का कार्य तीसरे शुक्रवार को भी पूरी तरह से ठप रहा। रैयत विस्थापित संघर्ष मोर्चा सुगिया के बैनर तले महिला-पुरूष ग्रामीणों सेल कार्यालय में ताला बंदी के साथ कार्य पर पूर्णतः ठप करने के कारण कांटा घर में ट्रकों का इंतेजार रहा। कोलियरी में भी पूरी तरह से सन्नाटा नजर आया। पास के होटलों में भीड़ की कमी रही। तीसरे दिन भी ट्रकों में रोड सेल का कोयला नहीं लोड होने से सीसीएल को लाखो रूपये का नुकसान होने की बात कही जा रही है। जिसके कारण सरकार को भी राजस्व का भारी नुकसान होगा। मालूम हो कि बुधवार को रैयत विस्थापित संघर्ष मोर्चा सुगिया के बैनर तले सुगिया समेत 6 टोला के महिला-पुरूष ग्रामीणों ने रोड सेल में चल रहे 556 दंगल को खारिज कर नये सिरे मात्र 147 दंगल का जोड़ने को लेकर करमा रोड सेल संचालन समिति कार्यालय समेत सेल जुड़े कार्य को पूरी तरह से बाधित कर दिया है।

पिता ने की पुत्र की हत्या

रामगढ़। वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र अंतर्गत बड़गांव के जायसवाल टोला में आपसी विवाद और मारपीट में एक अनहोनी हो गयी है। पिता और पुत्र के आपसी झगड़े ने ऐसा रूप ले लिया कि पिता के हाथों पुत्र की हत्या हो गयी। सौम्यांक जायसवाल शराब और ड्रग्स के नशे का आदि हो चुका था। सौम्यांक ने बिना बताए अपने पिता के बैंक खाते से लाखों रुपए निकाल लिया था। साथ ही उसने बाजार से लाखों रुपये उधार भी लिया था और उसी पैसे से ऑनलाइन जुआ, ड्रग्स-शराब में उड़ा दिया। इसी बात को लेकर बाप-बेटे में कुछ दिनों से विवाद हो रहा था। शुक्रवार को भी इसी बात को लेकर पिता-पुत्र में विवाद हुआ और विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों में मारपीट शुरू हो गया। इस मारपीट का शोर सुनकर परिवार के अन्य लोग और पड़ोसी वहां पहुंचे, इसके बाद जख्मी पिता और जमीन पर बेसुध पुत्र को इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने पुत्र को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल पिता को बेहतर इलाज के लिए राँची रेफर कर दिया। मामले की जांच की जा रही है। आवेदन मिलने पर मामला भी दर्ज किया जाएगा।

विधायक ने सलैया में विद्यालय उन्नयन कार्य का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय सलैया में विद्यालय उन्नयन कार्य का शिलान्यास किया गया। शिलान्यास विधायक अमित कुमार यादव ने नारियल फोड़ कर कर किया। कार्यक्रम में प्रमुख रेणु देवी, मुखिया संघ अध्यक्ष सह सलैया मुखिया इंद्रजीत प्रसाद, प्रमुख प्रतिनिधि उमेश चौधरी, मंडल अध्यक्ष परमेश्वर साहू, भोला प्रसाद उपस्थित रहे। श्री विधायक ने कहा कि विद्यालय उन्नयन कार्य डीएमएफटी मद से 99 लाख 55 हजार 200 रुपये की लागत से किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि सलैया पंचायत क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए हैं और शेष कार्यों को भी पूरा करने का प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने के लिए चैक डैम तो बना कर लेकिन हर खेतों तक पहुंचना और सलैया मोड़ से लेकर हाई स्कूल बरकट्ठा तक सड़क निर्माण करना हमारी प्राथमिकता होगी।

पशु सखी आवासीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। पलाश जेएसएलपीएस रामगढ़ के तत्वाधान में सभी प्रखंडों की पशु सखियों के लिए तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोज 9 सितंबर से 11 सितंबर 2025 तक गोला सीएमटीसी परिसर में किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 48 पशु सखी दीदियों एवं आईएफएससी एंकरों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत पशु सखियों को पशुपालन संबंधी तकनीकी जानकारी, पशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण प्रबंधन एवं आजीविका संवर्धन की उन्नत विधियों से अवगत कराना था। विशेष रूप से छोटे पशुओं जैसे बकरी एवं मुर्गी की देखभाल, बीमारियों से बचाव तथा मृत्यु दर को कम करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दोनों प्रकार के सत्र आयोजित किए गए। व्यवहारिक प्रशिक्षण में पशु सखियों को पशुओं की जांच-पड़ताल, आहार प्रबंधन तथा टीकाकरण की विधियां प्रैक्टिकली सिखाई गईं। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से पशु सखियां गांव-गांव में जाकर समूह सदस्यों को समय-समय पर पशु-चिकित्सा एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगी, जिससे ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

करम परब हमारी संस्कृति और एकजुटता का प्रतीक : सुधीर मंगलेश

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रांची के अल्बर्ट एक्का चौक स्थित सरना सदान मूलवासी मंच के तत्वावधान में करम मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर दुलमी प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सह जिला प्रवक्ता एवं मीडिया चेयरमैन सुधीर मंगलेश बतौर अतिथि शामिल हुए।
बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने कहा कि करम परब केवल एक परब नहीं बल्कि हमारी संस्कृति और सामाजिक पहचान का प्रतीक है। यह त्योहार भाईचारे, एकता, सामाजिक समरसता एवं प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। करम पेड़ की पूजा के माध्यम से हम पर्यावरण संरक्षण और धरती माता के प्रति आभार प्रकट करते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान उसकी परंपराओं और संस्कृति से है और करम परब उनमें से एक प्रमुख पर्व है, जिसे पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह पर्व आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करता है। श्री मंगलेश ने आयोजन समिति की अध्यक्ष अर्चना मिर्धा को आमंत्रित करने तथा कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सांस्कृतिक मूल्यों को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पुलिस महानिरीक्षक उ.छो प्रक्षेत्र के आगमन पर दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। 12 सितम्बर 2025 को क्रान्ति कुमार गडिदेशी, पुलिस महानिरीक्षक, उ०छो० प्रक्षेत्र बोकारो के रामगढ़ जिला आगमन एवं प्रस्थान के समय पुलिस अधीक्षक अजय कुमार रामगढ़ के नेतृत्व में परिचारी प्रवर मंटु यादव, पुलिस केन्द्र रामगढ़ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।
पुलिस महानिरीक्षक, उ.छो. प्रक्षेत्र, बोकारो एवं पुलिस अधीक्षक रामगढ़ द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में रामगढ़ जिला के अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पतरातु/रामगढ़, सभी पुलिस निरीक्षक, सभी थाना/ओपी प्रभारी, के साथ बैठक किया गया। बैठक में रामगढ़ जिला के विशेष प्रतिवेदित लंबित कांडों जैसे-महिला उत्पीड़न, हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी, आर्म्स एक्ट इत्यादि काण्डों की समीक्षा की गई तथा काण्डों का उदभेदन कर साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त की गिरफ्तारी/कुर्की जबती की कार्रवाई करते हुए कांड को अविलम्ब निष्पादन करने तथा महिला उत्पीड़न से संबंधित काण्डों को 60 दिनों के अन्दर निष्पादन करने साथ ही पूर्व से लंबित काण्डों का जल्द से जल्द निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। लूट, डकैती, छिनतई, गृहभेदन, फायरिंग की घटनाओं पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने, संगठित अपराधिक गिरोह के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने, सड़क दुर्घटना में कमी लाने हेतु आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई करने एवं अन्य आवश्यक निर्देश दिया गया।

सिमडेगा में जिला स्तरीय समिति व आत्मा गवर्निंग बॉडी की हुई बैठक

लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर योजना का लाभ मिले : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति एवं आत्मा गवर्निंग बॉडी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, मत्स्य, पशुपालन, गव्य, भूमि संरक्षण, सहकारिता एवं कल्याण विभाग से संबंधित लंबित योजनाओं की समीक्षा की गई।कृषि विभाग के अंतर्गत प्रखंडों में रिक्त एटीएम एवं बीटीएम की नियुक्ति इस वित्तीय वर्ष में पूरी करने का निर्देश दिया गया। किसानों को विभिन्न प्रकार की खेती का प्रशिक्षण देने हेतु उन्हें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उड़ीसा एवं रांची स्थित रामकृष्ण मिशन भेजने की बात कही गई। बीज वितरण प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने और न्यूट्री सीरियल, धान, दलहन, तिलहन एवं टीआरएफए में प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सहकारिता विभाग की समीक्षा में पाया गया कि पंजीकृत किसानों में मात्र 10 प्रतिशत ही केसीसी से लाभान्वित हुए हैं। इस पर प्रगति हेतु जिला सहकारिता पदाधिकारी एवं एलडीएम को निर्देश दिया गया। मत्स्य विभाग को प्रतिशारत लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर योजना का लाभ देने के लिए कहा गया।कल्याण विभाग को एसटी/एससी अत्याचार से संबंधित आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने, स्वास्थ्य सहायता योजनाओं में अधिक से अधिक लाभुकों को जोड़ने और प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, पीएमईजीपी एवं सीएमईजीपी योजनाओं की प्रगति तेज करने का निर्देश दिया गया।बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित थे।

बानो में स्ट्रीट लाइट दुर्गा पूजा से पहले चौक-चौराहे होंगे जगमग

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी की पहल से बानो अब रात में भी रोशनी से जगमगाएगा। दुर्गा पूजा से पूर्व चौक-चौराहों और मुख्य सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लगाने का कार्य जेरेडा द्वारा शुरू कर दिया गया है। लंबे समय से अंधेरे में डूबा रहने वाला बानो अब रोशन दिखाई देगा।बीडीओ ने बताया कि इस योजना के तहत अनुपम फ्यूल सेंटर से बिरसा चौक होते हुए महाबुआंग मोड़ तक तथा बिरसा मुंडा चौक से स्टेशन रोड होते हुए रेलवे स्टेशन तक स्ट्रीट लाइट लगाई जाएगी। इसके लिए 500 पोल, सोलर पैनल और अन्य सामग्री प्रखंड मुख्यालय पहुंच गई है। एक सप्ताह में कार्य प्रारंभ होकर दुर्गा पूजा से पहले पूरा बानो रोशनी से नहाएगा।स्ट्रीट लाइट लगने से लोगों को रात में आवागमन में सुविधा मिलेगी, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ेगी तथा अपराध की संभावनाएं कम होंगी। दुकानदारों और ग्रामीणों ने बीडीओ की इस पहल का स्वागत किया। अंसारी ने कहा कि अब लोग निडर होकर रात में भी बाजार और सड़कों पर आवाजाही कर सकेंगे। यह योजना न केवल सुरक्षा और स्वच्छता को बढ़ाएगी बल्कि प्रखंड को विकास की नई दिशा भी देगी।

अवैध शराब के खिलाफ सैकड़ों ग्रामीण आक्रोशित, कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता

● ग्रामीणों ने सिमडेगा एसपी को सौंपा ज्ञापन

ठेठईटांगर। प्रखंड के घुटबहार पंचायत में शुक्रवार को आयोजित ग्राम सभा की बैठक में अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया। ग्राम सभा में सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए और बताया कि डोभापानी (बड़ाईक टोली) क्षेत्र में चल रहे अवैध शराब कारोबार ने समाज और युवाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है।बैठक में भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ग्राम सभा का यह कदम सराहनीय है, क्योंकि शराब जैसी बुराई आदिवासी समाज की जड़ों को खोखला कर रही है। उन्होंने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि गाँव में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और सभी परिवारों से शराब से दूरी बनाए रखने का आग्रह किया जाएगा। बैठक के बाद ग्राम सभा प्रतिनिधियों ने सिमडेगा पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो सामूहिक आंदोलन पर विचार किया जाएगा। मौके पर सुशील लकड़ा, इलियस कंडुलना, ज्योति डाँग, सजित डांग, सुमन डाँग, सुशील डाँग, मग्रेट लुगुन, नितिर डाँग, दुलारी डाँग, जुगरेन बडिंग, सेवानी डाँग, अलमा बडिंग समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

भटकी नाबालिग बच्ची को पुलिस ने परिजनों से मिलवाया

सिमडेगा। थाना पुलिस की तत्परता और झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य फिरोज अली के सहयोग से एक नाबालिग बच्ची सुरक्षित अपने घर लौट पाई। जानकारी के अनुसार बसिया थाना क्षेत्र के ईटाम पोढ़ा टोली निवासी सुमित्रा कुमारी, पिता मोनु लोहार, भटककर सिमडेगा पहुंच गई थी और केलाघाघ इलाके में थी।सिमडेगा थाना पुलिस ने उसे बरामद कर थाना लाया और परिजनों का पता लगाने का प्रयास शुरू किया। इस बीच थाना प्रभारी ने मामले की सूचना फिरोज अली को दी। सूचना मिलते ही वे थाना पहुंचे और बच्ची के घर का पता लगाकर उसे उसके परिजनों तक पहुंचाया।बच्ची के सकुशल घर पहुंचने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और इस कार्य के लिए सिमडेगा थाना पुलिस तथा फिरोज अली के प्रति आभार व्यक्त किया।

पाकरटांड़ में सीबीआरएम बैठक आयोजित

बैंकिंग सेवाओं के लिए जागरूकता जेएसएलपीएस ने दी जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जेएसएलपीएस के तत्वावधान में पाकरटांड़ प्रखंड में शुक्रवार को कम्युनिटी बेस्ड रिकवरी मैनेजमेंट की बैठक बड़े उत्साह के साथ आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बैंक ऑफ इंडिया, पाकरटांड़ शाखा प्रबंधक सुधीर एक्का ने की।बैठक में जेएसएलपीएस के सभी स्टाफ, वित्तीय समावेशन से जुड़े सामुदायिक संसाधन व्यक्ति, स्वयं सहायता समूह की दीदियाँ, बैंक सखी, बीसी एजेंट और बड़ी संख्या में महिलाएँ शामिल हुईं।बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को बैंकिंग सेवाओं, ऋण प्रक्रिया और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के बारे में जागरूक करना था, ताकि समूह की महिलाएँ समय पर खाता संचालन और ऋण अदायगी कर सकें और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।बैठक में समिति की भूमिका और जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। समूहों को ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया, ऋण वापसी की समयसीमा, बचत खाता संचालन और लेन-देन की सही विधि समझाई गई। साथ ही किसानों को उपलब्ध कृषि ऋण सुविधाओं की जानकारी दी गई।सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना की पात्रता, लाभ और आवेदन प्रक्रिया पर भी विस्तार से बताया गया।बैठक के अंत में सुधीर एक्का ने कहा कि वित्तीय अनुशासन बनाए रखना बेहद आवश्यक है। समय पर खाता संचालन और ऋण अदायगी से न केवल समूह मजबूत होंगे बल्कि परिवार भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ लें ताकि समाज में कोई भी व्यक्ति बैंकिंग और बीमा सेवाओं से वंचित न रहे।

सिमडेगा में 18 और 19 सितंबर को जिला स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। खेल प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से 18 और 19 सितंबर को अल्बर्ट एक्का स्टेडियम, सिमडेगा में जिला स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। खेल निदेशालय झारखंड, रांची के निर्देश पर यह चयन प्रतियोगिता पूरे राज्य में जिला से लेकर राज्य स्तर तक हो रही है। सिमडेगा में प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर जिला खेल पदाधिकारी मनोज कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें खेल संघों के प्रतिनिधि और विभागीय प्रशिक्षक मौजूद रहे।पहले दिन यानी 18 सितंबर को फुटबॉल (बालक एवं बालिका), हॉकी (बालक), बैडमिंटन (बालक एवं बालिका) और कुश्ती (बालक) की प्रतियोगिताएँ होंगी जबकि 19 सितंबर को हॉकी (बालिका) और एथलेटिक्स (बालक एवं बालिका) के मुकाबले होंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी 24 और 25 सितंबर को रांची में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतिभा चयन प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेंगे।चयन प्रक्रिया बैटरी टेस्ट और स्किल टेस्ट पर आधारित होगी। 10 से 14 वर्ष तक के खिलाड़ी इसमें भाग ले सकते हैं। हालांकि राष्ट्रीय या राज्य स्तरीय चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले या पदक विजेता 14 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ी भी शामिल किए जा सकेंगे। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए खिलाड़ियों की आयु सीमा 16 से 22 वर्ष तय की गई है। चयनित खिलाड़ियों को निःशुल्क आवास, भोजन, शिक्षा, खेल उपकरण, बीमा और खेल प्रशिक्षण जैसी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।प्रतिभागियों को जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और स्कूल का बोनाफाइड प्रमाण पत्र साथ लाना होगा। आवेदन पत्र जिला की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। खिलाड़ियों को संबंधित तिथि को सुबह 8 बजे तक अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में रिपोर्ट करना होगा।

कोलेबिरा में खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण, कालाबाजारी पर लगेगी रोक

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। उपायुक्त सिमडेगा एवं विभागीय निर्देशानुसार शुक्रवार को कोलेबिरा प्रखंड में खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में प्रखंड विकास पदाधिकारी बिरेंद्र किंडो, अंचलाधिकारी अनूप कच्छप, प्रभारी कृषि पदाधिकारी गुणवंत प्रसाद तथा प्रखंड तकनीकी प्रबंधक पुष्पांजलि कुजूर शामिल थे।निरीक्षण के क्रम में कोलेबिरा पुराना रोड स्थित राजेंद्र खाद बीज दुकान, बानो रोड स्थित कृषि क्रांति खाद बीज भंडार और कृषि सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण कर दुकानदारों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने दुकानों के ऑनलाइन और ऑफलाइन स्टॉक की गहन जांच की।जांच के बाद पदाधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि यूरिया और डीएपी सहित अन्य खाद का विक्रय निर्धारित दर पर ही किया जाए। साथ ही सभी दुकानों के बाहर रेट चार्ट अनिवार्य रूप से लगाने का आदेश दिया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि किसी भी स्थिति में खाद-बीज की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।पदाधिकारियों ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत अन्य दुकानों में भी विभागीय निर्देशानुसार आगामी दिनों में इसी प्रकार जांच अभियान चलाया जाएगा।

एसएस +2 उच्च विद्यालय बानो में शिक्षक-अभिभावक बैठक आयोजित

बानो। प्रखंड मुख्यालय स्थित एसएस +2 उच्च विद्यालय बानो में शिक्षक-अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत छात्रों द्वारा स्वागत गान और अभिभावकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर की गई। विद्यालय प्रधान आनंद कुमार ने सरकार द्वारा संचालित योजनाओं, 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता तथा विद्यालय विकास में अभिभावकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने रेल परियोजना, पहल-40 एवं व्यावसायिक शिक्षा से संबंधित जानकारी साझा की।इस दौरान खेलो झारखंड में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित छात्र एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को पौधा देकर सम्मानित किया गया। बैठक में विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सिमडेगा पुलिस की बड़ी सफलता

19 गोवंशीय पशुओं से लदे दो बोलेरो पिकअप जप्त, एक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। पुलिस ने गुरुवार देर रात गोवंशीय पशु तस्करी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 19 पशुओं से लदे दो बोलेरो पिकअप वाहन को जप्त किया। सिमडेगा पुलिस अधीक्षक के द्वारा सदर थाना में प्रेस वार्ता करते हुए जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना पर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, थाना प्रभारी मुफस्सिल व अन्य अधिकारियों की एक टीम बनाई गई।टीम ने कुल्लूकेरा चौक के पास दोनों वाहनों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही तस्कर वाहन को तेज गति से भगाने लगे। पीछा करने पर वे वाहन छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने एक तस्कर को धर दबोचा जबकि अन्य 4-5 लोग अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए।वाहनों की तलाशी के दौरान एक गाड़ी से 8 तथा दूसरी से 11, कुल 19 गोवंशीय पशु बरामद हुए, जिन्हें क्रूरता पूर्वक बांधकर ले जाया जा रहा था। बरामद पशुओं के संबंध में मुफस्सिल थाना कांड संख्या-25/25, विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सिपतेन राजा (25 वर्ष), पिता नियाजुद्दीन हुसैन, निवासी हिटिंगपरा, थाना तलसेरा, जिला सुन्दरगढ़ (ओड़िशा) के रूप में हुई है। उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया। फरार तस्करों की तलाश जारी है।

21वीं पुण्य तिथि — सच्चे मसीही थे शहीद फादर इग्नासीयूस बाड़ा: बिशप बिंसेंट बरवा

बानाबीरा पल्ली में फा. इग्नासियुस की पुण्यतिथि मनी

● समाज और मसीही समुदाय के लिए घर-द्वार और जीवन तक न्योछावर कर दिया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा बिशप विंसेंट बरवा ने कहा कि शहीद फादर इग्नासियुस बाड़ा एक सच्चे मसीही थे। जिन्होंने मानव सेवा व समूची मसीही समुदाय के लिए न सिर्फ घर द्वार छोड़ा। बल्कि अपने प्राण तक दे दी। समाज में शिक्षा की भारी कमी है। इसलिए सच्चा चरित्र का निर्माण नहीं हो पा रहा है। ऊंच-नीच कहकर हमें बांटा जा रहा है। बिशप बानाबीरा पल्ली परिसर में शुक्रवार को आयोजित शहीद फा इग्नासियुस बाड़ा की 21वीं पुण्य तिथि कार्यक्रम में मसीही धर्मावलंबियों को संदेश दे रहे थे। बानाबीरा पल्ली परिसर में शुक्रवार को शहीद फा. इग्नासियुस बाड़ा की पुण्य तिथि मनाई गई। मौके पर प्रार्थना जुलूस, श्रद्धांजलि समारोही ख्रीस्तयाग के लिए विशेष प्रार्थना किया गया। समारोही ख्रीस्तयाग सिमडेगा धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष बिशप विंसेंट बरवा, गुमला बिशप लिनुश पिंगल एक्का के द्वारा संपन्न कराया गया। गुमला बिशप लीनुश पींगल एक्का कहा कि बानाबीरा आज के दिन में कोई अनजान गांव नहीं है। इसकी ख्याति पूरे विश्व में है। जिसका श्रेय हमारे शहीद फादर को जाता है। मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने भी उपस्थित होकर शहीद फादर इग्नासियुस बाड़ा के क्रब पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर अजित लकड़ा, सिलबेस्तर बाघवार, उर्मिल्ला केरकेट्टा, प्रतिमा कुजूर, जुली लुगून, सूचिता, शोभेन, मुखिया अनिल उरांव, विवेक एक्का सहित लाखों की संख्या में मसीही धर्मावलंबी उपस्थित थे।मौके पर जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने हीद फादर इग्नासियुस बाड़ा के क्रब पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उन्होंने शहीद के संबंध में पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि घर छोड़ मानव सेवा के लिए समर्पित पुरोहित फादर इग्नासियुस बाड़ा की असामाजिक तत्वों द्वारा 2005 में बेरहमी से उनकी निर्मम हत्या कर दी गयी थी।

न्यूज बॉक्स

बानो में पेसा ग्रामसभा एवं आदि कर्मयोगी अभियान के तहत प्रशिक्षण आयोजित

बानो। प्रखंड विकास कार्यालय सभागार में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज अभियान एवं पाजिटिव मूल्य के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसका उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी ने किया। उन्होंने कहा कि पेसा अधिनियम का उद्देश्य अनुसूचित क्षेत्रों की ग्रामसभाओं को सशक्त बनाना है और इसमें पंचायत प्रतिनिधियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।प्रशिक्षण में मुखिया, ग्राम प्रधान, ग्रामसभा मोबिलाइजर एवं पंचायत समिति सदस्यों को पेसा अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षक प्रसन्न लुगुन और विश्वनाथ बड़ाइक ने प्रतिभागियों को ग्रामसभा की भूमिका, संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामसभा को ग्राम विकास योजना की स्वीकृति, सामाजिक अंकेक्षण, स्थानीय विवादों के निपटारे और परंपरागत संसाधनों के संरक्षण का अधिकार है।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिनिधियों को जागरूक करना और स्थानीय स्तर पर बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना था। साथ ही जनसहभागिता के माध्यम से विकास को गति देने पर बल दिया गया कार्यक्रम में पाजिटिव मूल्य के संचालक तुलसी मेहर, प्रखंड समन्वयक अरमान सोरेंग, विभिन्न पंचायतों के मुखिया एवं वार्ड सदस्य उपस्थित रहे।

बानो में जमताई आजीविका महिला संकुल संगठन की वार्षिक आम सभा संपन्न

बानो। प्रखंड के जमताई आजीविका महिला संकुल संगठन स्वावलंबी सहकारिता समिति लिमिटेड की वार्षिक आम सभा शुक्रवार को आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ थाना प्रभारी गिर्दा ओपी जितेंद्र वर्मा और ग्रामीण बैंक हुरदा के प्रबंधक ने दीप प्रज्वलित कर किया।सभा में सीएलएफ का वित्तीय वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया और वर्ष 2024-26 का लक्ष्य निर्धारित कर सुनाया गया। संगठन के सुचारू संचालन और बेहतर कार्य निष्पादन के लिए सभी सदस्यों को आवश्यक निर्देश दिए गए।कार्यक्रम में बानो प्रखंड से एडमिन बालमुकुंद सिंह, सीसी ललित कुमार सिंह, आईपीआरपी संतोष मिश्रा, सीएलएफ की अध्यक्ष गुड्डी देवी, सचिव अनीता देवी और कोषाध्यक्ष अनीता देवी मौजूद रहीं। इसके अलावा रायकेरा, जमताई, गेनमेर और डुमरिया पंचायत की सैकड़ों दीदियाँ शामिल हुईं।सभा के दौरान महिलाओं ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा वित्तीय अनुशासन के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा प्रखंड कमेटी ने बीडीओ से की शिष्टाचार मुलाकात

बानो। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा बानो प्रखंड कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुदीन अंसारी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्हें गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया।बैठक के क्रम में प्रखंड की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके समाधान की मांग रखी गई। मौके पर मोर्चा के अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, सचिव विकास मघैया, कार्यकारी अध्यक्ष पुनित प्रितम सिंह, उपाध्यक्ष विनोद नाग, महामंत्री क्रमवीर साहू, छात्र संघ अध्यक्ष गोपाल सिंह, युवा अध्यक्ष सोनू साहू, सदस्य गंगाधर भुइयां, सह सचिव रूपेन्द्र सिंह, सदस्य विनोद सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।गौरतलब है कि मोर्चा की प्रखंड कमेटी का गठन हाल ही में किया गया है, जिसके बाद यह बीडीओ से पहली आधिकारिक मुलाकात रही।

लचरागढ़ में शक्ति संघ दुर्गा पूजा समिति की बैठक, महोत्सव की तैयारी तेज

कोलेबिरा। प्रखंड क्षेत्र के लचरागढ़ स्थित बहुउद्देशीय भवन में शक्ति संघ दुर्गा पूजा समिति की बैठक अध्यक्ष विनीत पंडा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बार दुर्गा पूजा को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।समिति ने जानकारी दी कि 1 अक्टूबर को महानवमी के अवसर पर प्रिंस चौक लचरागढ़ में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें पवन पंकज म्यूजिकल बैंड ग्रुप शानदार प्रस्तुति देगा। साथ ही बच्चों के बीच नृत्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा।बैठक में यह भी तय हुआ कि शक्ति संघ दुर्गा पूजा समिति और देवी गुड़ी मंदिर दोनों पूजा पंडालों की सजावट, लाइट-साउंड, पूजा सामग्री और अन्य सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी समिति स्वयं संभालेगी। अध्यक्ष विनीत पंडा ने कहा कि इस बार का आयोजन विशेष और यादगार बनाने के लिए सभी सदस्य पूरे उत्साह से जुटेंगे।बैठक में उपाध्यक्ष संजय द्विवेदी, सचिव प्रवीण साहू, सह सचिव विशाल पंडा, कोषाध्यक्ष संजू साहू, मीडिया प्रभारी अनुज कुमार साहू, संरक्षक सुरेश द्विवेदी सहित सभी पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने सभी ग्रामीणों से सहयोग और सहभागिता की अपील की ताकि दुर्गा पूजा महोत्सव भव्य रूप से सफल हो सके।

कोलेबिरा के चियाटोली गांव में वज्रपात से पांच मवेशियों की मौत, किसानों में मायूसी

कोलेबिरा। प्रखंड क्षेत्र के नवाटोली पंचायत अंतर्गत चियाटोली गांव में गुरुवार दोपहर लगभग 2:30 बजे वज्रपात की चपेट में आने से पांच मवेशियों की मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से गांव के किसान मायूस और चिंतित हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुज सिंह का एक, दिलीप सिंह के दो और घनश्याम सिंह के दो बैल वज्रपात की चपेट में आ गए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। एक साथ पांच मवेशियों के मरने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। मवेशियों की मौत से परिवारों में मातम का माहौल है और किसान खेती-बाड़ी को लेकर परेशान हो उठे हैं।ग्रामीणों ने बताया कि खेती में बैल उनकी सबसे बड़ी पूंजी थे और अब उनके बिना काम करना मुश्किल हो जाएगा। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग की है ताकि वे पुनः खेती का कार्य शुरू कर सकें।सूचना मिलते ही नवाटोली पंचायत की मुखिया कल्पना देवी मौके पर पहुंचीं और पीड़ित परिवारों से मिलकर घटना की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को सांत्वना देते हुए हरसंभव मदद और मुआवजा दिलाने का भरोसा दिलाया।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मंत्रिमंडल का शपथ समारोह आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय लोहरदगा में तरुण एवं कन्या भारती के मंत्रिमंडल का शपथ समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रान्त संघचालक सच्चिदानंद लाल अग्रवाल, सचिव अजय प्रसाद, उपाध्यक्ष विनोद राय, महाविद्यालय के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रान्त संघचालक सच्चिदानंद लाल अग्रवाल के द्वारा प्रधानमंत्री भैया-बहन और मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण कराया गया। प्रांत स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में महाविद्यालय की बहन खुशी कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 36वें प्रांतीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भैया अमन टोप्पो ने डिस्कस थ्रो में द्वितीय स्थान, भैया सूचित उरांव ने 3000 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान तथा भैया रोशन भगत ने लंबी कूद में तृतीय स्थान अर्जित कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इन उत्कृष्ट उपलब्धियों के आधार पर भैया अमन टोप्पो, सूचित उरांव एवं बहन खुशी कुमारी का चयन क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए किया गया। सभी विजेता प्रतिभागियों को महाविद्यालय परिवार द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय परिवार इन प्रतिभाशाली छात्रों को क्षेत्रीय स्तर पर और भी श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए अग्रिम शुभकामनाएँ दी गई। कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए महाविद्यालय के प्रधानाचार्य विपिन कुमार दास ने कहा कि प्रतिभा के उजागर व नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और इससे भैया बहनों को लोकतांत्रिक व्यवस्था की जानकारी भी होती है। प्रान्त संघचालक सच्चिदानंद लाल अग्रवाल ने कहा कि दायित्व मिलना और उसे संभालना एक बड़ी बात है। उन्होंने भैया बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्तिगत कार्यों को करते हुए विद्यालय के दायित्वों का निर्वहन अच्छी प्रकार से करना है। यही लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है।

उपाध्यक्ष महोदय विनोद राय कहा कि दायित्वों का बोध होना एक बड़ी बात है, कर्तव्यों का निर्वहन निष्पक्ष होकर और ईमानदारी पूर्वक करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन नीतू कुमारी और धन्यवाद ज्ञापन युगेश कुमार साव ने किया। अतिथि परिचय व स्वागत प्रीति कुमारी गुप्ता ने कराया। कार्यक्रम में रेणु कुमारी, रश्मि साहू, यशोदा कुमारी, कविता कुमारी, सनोज कुमार साहू, आरती भगत सहित शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

बिष्टुपुर लूट व फायरिंग मामले में चार गिरफ्तार, 10.69 लाख नकद बरामद

जमशेदपुर। बिष्टुपुर गुरुद्वारा रोड पर बीते चार सितंबर को हिंदुस्तान लीवर के डिस्ट्रीब्यूटर साकेत अग्रवाल से हुई 30 लाख की लूट और फायरिंग मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. जबकि तीन अन्य अभी भी फरार हैं. गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 10.69 लाख रुपये नकद, लूट में इस्तेमाल एक इनोवा कार, एक देशी पिस्टल और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अमृतसर समेत कई जगहों पर की गई छापेमारी एसएसपी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि घटना के बाद सिटी एसपी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया था. इस टीम ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिससे पुलिस को आरोपियों की पहचान करने में मदद मिली. जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी बिना नंबर की एक सफेद इनोवा कार में सवार थे. फुटेज और अन्य तकनीकी मदद से पुलिस ने अमृतसर समेत कई जगहों पर छापेमारी कर आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार, इस वारदात का मास्टरमाइंड कमलेश नारायण दुबे उर्फ शंकर है. उसके साथ राकेश कुमार मंडल उर्फ पकौड़ी, सुधीर नारायण बेहरा और गणेश कुम्भकार उर्फ फुचा भी इस लूट में शामिल थे।

झारखंड के गिरिडीह में झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन लगाने के बाद व्यक्ति की मौत

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले में शुक्रवार सुबह एक झोलाछाप डॉक्टर द्वारा कथित तौर पर इंजेक्शन लगाने के बाद 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना गावां थाना क्षेत्र के माल्डा गांव की है। खोरी के अनुमंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि भैरव तिवारी को सीने में दर्द की शिकायत हुई थी, जिसके बाद परिवार के सदस्य उन्हें एक स्थानीय चिकित्सक हरि दास अधिकारी के पास ले गए। अधिकारी पिछले एक दशक से ग्रामीणों का इलाज कर रहा है और खुद के डॉक्टर होने का दावा करता है। प्रसाद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "आरोपी ने मरीज की जांच के बाद कथित तौर पर उसे लगातार तीन इंजेक्शन लगाए, जिससे उसकी (मरीज की) हालत बिगड़ गई। इसके बाद झोलाछाप डॉक्टर ने परिवार को उसे नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाने को कहा।" तिवारी को गवां सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने पांडेयडीह गोलचक्कर के पास सड़क जाम कर दी और झोलाछाप डॉक्टर की गिरफ्तारी तथा मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की। एसडीपीओ ने कहा, "शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया है। हमने परिवार से औपचारिक शिकायत दर्ज कराने को कहा है और आरोपी की तलाश जारी है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता परीक्षा में उत्कृष्ट छात्रों को दिया गया सम्मान

सड़क दुर्घटनाओं को रोकना केवल प्रशासन ही नहीं बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है : उपायुक्त

- **उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने 22 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के विद्यार्थियों को हेलमेट वितरित कर सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी**

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत विभिन्न कॉलेजों में आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सांकेतिक रूप से 22 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के विद्यार्थियों को हेलमेट वितरित किए। उन्होंने विद्यार्थियों की काउंसलिंग करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों का पालन, हेलमेट पहनने और तेज गति से वाहन चलाने से बचने की कड़ी सलाह दी। मौके पर ही हेलमेट वितरण का निर्देश कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सड़क सुरक्षा जांच अभियान के समय मौके पर ही नागरिकों के बीच हेलमेट वितरित किए जाएँ, ताकि जागरूकता का सीधा असर लोगों की आदतों में दिखाई दे।

बच्चों के वाहन चलाने पर प्रतिबंध

उपायुक्त ने साफ कहा कि बच्चों द्वारा वाहन चलाना पूरी तरह वर्जित है। केवल 25 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को ही वाहन चलाने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को बाइक न सौंपें। साथ ही युवाओं को यह सख्त हिदायत दी गई कि वैध ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट और स्पीड लिमिट का पालन अनिवार्य है। उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकना केवल प्रशासन ही नहीं बल्कि समाज की भी जिम्मेदारी है। सुरक्षित ड्राइविंग और हेलमेट का नियमित उपयोग जीवन की सुरक्षा का आधार है। इस अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

गुमला में समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक संपन्न

पोषण ट्रैकर अनुप्रयोग, हाइट-वेट जांच और आंगनवाड़ी केंद्रों की प्रगति की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शुक्रवार को उपायुक्त गुमला प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी एल.एस. (लोक सेवा पदाधिकारी), संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बैठक में उपायुक्त ने विभागीय कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर बल दिया। उन्होंने सभी लोक सेवा पदाधिकारियों को समय पर कार्य प्रगति का सही फोटो साझा करने का निर्देश दिया। पोषण ट्रैकर अनुप्रयोग की समीक्षा करते हुए पिछले माह के प्रदर्शन की तुलना की गई और सुधार पर विशेष जोर दिया गया।

हाइट-वेट जांच और अनुप्रयोग अपडेट पर सख्ती

उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि शत प्रतिशत बच्चों का हाइट एवं वज़न पोषण ट्रैकर अनुप्रयोग में अपडेट होना चाहिए। किसी भी बच्चे का मापन लंबित रहने पर उसका कारण सहित रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। चैनपुर प्रखंड में 17 बच्चों की प्रविष्टि लंबित रहने पर उन्होंने नाराजगी जताई और सेविकाओं को समय पर डेटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने का आदेश दिया।

गंभीर व मध्यम कुपोषित बच्चों के लिए विशेष अभियान

बैठक में गंभीर रूप से कुपोषित (एस.ए.एम.) और मध्यम रूप से कुपोषित (एम.ए.एम.) बच्चों की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी लोक सेवा पदाधिकारियों को चिन्हित बच्चों की प्रोफाइलिंग कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सितंबर माह के अंत तक विशेष अभियान चलाकर इन बच्चों के उपचार व पोषण आहार की ठोस व्यवस्था हो। उपचार से पहले और बाद की तस्वीरें दर्ज करने, तीन माह का उपचार कार्ड बनाने और बच्चों की स्वास्थ्य मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही डॉक्टरों द्वारा मासिक जांच सुनिश्चित करने के लिए सिविल सर्जन को परिचालन ड्यूटी चार्ट बनाने का निर्देश दिया गया।

अन्य योजनाओं की समीक्षा

बैठक में मातृ वंदना योजना के तहत अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने, आधार शिविर से संबंधित समस्याओं का समाधान, कन्यादान योजना, सेविका-सहायिका की नियुक्ति, आंगनवाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण तथा पोषण वाटिका योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

पूरनचंद फाउंडेशन ने किया मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

चाईबासा। पूरनचंद फाउंडेशन के अमरदीप कुमार के नेतृत्व में चाईबासा के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में मशरूम की उन्नत खेती का विशेष प्रशिक्षण दिया गया. इस पहल का मकसद ग्रामीण युवाओं और किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़कर उन्हें नए रोजगार के अवसर प्रदान करना है.प्रशिक्षण कार्यक्रम में मशरूम की विभिन्न प्रजातियों का परिचय बीज (स्पॉन) तैयार करने और सुरक्षित रखने की विधि, साथ ही उचित तापमान, नमी और वातावरण बनाए रखने की तकनीक पर विशेष ध्यान दिया गया. इसके अलावा उत्पादन बढ़ाने और फसल को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के उपायों के साथ-साथ बाजार में मशरूम की मांग और बिक्री की रणनीतियों को भी समझाया गया।

कस्तूरबा विद्यालय भरनो में शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी संपन्न

भरनो (गुमला)। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, भरनो में शुक्रवार को शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर तथा विद्यालय की बच्चियों द्वारा स्वागत गान प्रस्तुत कर किया गया। इस अवसर पर स्टेट टीम से ममता कुमारी, अनुपमा कुमारी, रोज़ मिंज तथा प्रखंड प्रमुख पारसनाथ उरांव शामिल हुए। स्टेट टीम की अनुपमा कुमारी ने अभिभावकों से कहा कि यह विद्यालय विशेष है और इसकी विशेषता बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि बच्चियां जब छुट्टियों में घर जाएँ तो उनकी कॉपी अवश्य जांचें, उन्हें मोबाइल का दुरुपयोग न करने दें तथा उपयोगी सामग्री ही देखने की हिदायत करें। ममता कुमारी ने अनुशासन पर बल देते हुए कहा कि छोटी-छोटी छुट्टियों में बच्चियों को घर न ले जाएँ। वहीं, रोज़ मिंज ने कहा कि छुट्टियों के बाद बच्चियों के देर से स्कूल आने की जिम्मेदारी अभिभावकों की है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विद्यालय में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, इसलिए कमी महसूस होने पर वार्डन को अवश्य अवगत कराएं।

कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची

E-mail ID – csofficeranchi@yahoo.com

- e-Tender No. : 4582 | Date 12.9.2025

अल्पकालीन ई– निविदा

सदर अस्पताल, रॉंची के लिए कैथ लैब का क्रय एवं अधिष्ठापन हेतु निबंधित निर्माणकर्ता/प्राधिकृत प्रतिष्ठान एवं फर्म से दिनांक **4.10.2025 के अपराहन 5.00 बजे** तक ई–निविदा आमंत्रित किया जाता है। ई–निविदा से संबंधित तकनीकि विवरण/स्पेशिफिकेशन/संबंधित नियम/शर्त आदि **website http://jharkhandtenders.gov.in** पर दिनांक 15.9.2025 से देखा जा सकता है। ई–निविदा से संबंधित किसी प्रकार का परिवर्तन /शुद्धि पत्र **website http://jharkhandtenders.gov.in** पर ही प्रकाशित किया जाएगा।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,रॉंची

PR 361798 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)#D

प्रखंड स्तरीय ग्राम प्रधान संघ के गठन को लेकर ग्राम प्रधानों की हुई बैठक

ग्राम प्रधान अध्यक्ष चुने गए बिरसा उरांव

नवीन मेल संवाददाता

सिसई(गुमला)। प्रखंड स्तरीय ग्राम प्रधान संघ के गठन को लेकर पुराना प्रखंड कार्यालय परिसर में ग्राम प्रधानों की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से डहुडीह के ग्राम प्रधान बिरसा उरांव को अध्यक्ष, बालेश्वर उरांव को उपाध्यक्ष, सिसकारी प्रधान माड़वारी उरांव को सचिव, मुर्गू के शंकर पाहान को सह सचिव और कुदरा के जयराम उरांव को कोषाध्यक्ष के रूप में चयन किया गया। इस दौरान नवनिर्वाचित अध्यक्ष बिरसा उरांव ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में जनता जनार्दन और जनता का निर्णय ही सर्वमान्य होता है। क्षेत्र और जनता के सर्वांगीण विकास में ग्राम सभा का महत्व सबसे बड़ा है। ग्राम प्रधानों को ग्राम सभा की अहमियत, ग्राम सभा की शक्ति व अधिकार के लिए जागरूक करना और ग्राम प्रधान के हितों की रक्षा मेरी पहली प्राथमिकता होगी। इस दौरान मौजूद सीओ अशोक बड़ाईक ने भी ग्राम प्रधानों की सुची उपलब्ध कराने, सभी प्रधानों का मासिक बकाया राशि दिलाने में सहयोग करने और भविष्य में ग्राम प्रधानों की बैठक के लिए प्रखंड कार्यालय में स्थित सभागार उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। मौके पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के अलावा ग्राम प्रधान सुदर्शन पहान, जोहन उरांव, भंडारी उरांव, ललित खड़िया, रतिया खड़िया, जितराम उरांव, मंगलेश्वर पहान, बुद्धेश्वर उरांव, सुरेश पहान,लक्ष्मण उरांव, विरसु पहान, विष्णु खड़िया, बासुदेव उरांव, रंथु उरांव, बुधनाथ टाना भगत, कलेश्वर उरांव, बंधन मुंडा, रोपना उरांव,एतवा पहान, शिवनारायण उरांव, रंजीत पहान, अमित उरांव, प्रदीप उरांव, दशई उरांव सहित दर्जनों गांव के ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

भरनो में दुर्गा पूजा की तैयारी शुरू, नई पूजा समिति का गठन

भरनो (गुमला)। भरनो बस्ती बाजार टांड़ स्थित श्री दुर्गा मंदिर प्रांगण में आगामी दुर्गा पूजा की तैयारी एवं समिति गठन को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आचार्य अंकित मिश्रा ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष भी दुर्गा पूजा धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी। इस दौरान पुराने समिति को भंग कर नई पूजा समिति का गठन किया गया।

नई समिति में पदाधिकारी इस प्रकार चुने गए:

अध्यक्षः संजय कुमार गुप्ता

उपाध्यक्षः मनोहर लाल केसरी

सचिवः अभिषेक गुप्ता, अमित गुप्ता

कोषाध्यक्षः शिवकुमार केसरी

उप कोषाध्यक्षः भीष्म केसरी, राजू केसरी

साथ ही कई सदस्यों को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,गुमला

E-Mail – nrepgumla@gmail.com

अति अल्पकालीन पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना

संख्या – 12/2025-26

1.	विज्ञापन दाता का नाम	:-	राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, (NREP) गुमला।
2.	परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	:-	दिनांक 18.09.2025 एवं 19.09.2025 को 10.00 बजे पूर्वा० से 03.00 बजे अप० तक।
3.	निविदा प्राप्त करने की तिथि	:-	दिनांक 20.09.2025 को 03.00 बजे अपराहन तक।
4.	निविदा खोलने की तिथि	:-	दिनांक 20.09.2025 को 03.30 बजे अपराहन में।
5.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान	:-	कार्यपालक अभियंता, NREP, गुमला का कार्यालय में।
6.	निविदा प्राप्त करने का स्थान	:-	कार्यपालक अभियंता, NREP, गुमला में।
7.	निविदा खोलने का स्थान	:-	कार्यपालक अभियंता, NREP, गुमला का कार्यालय में।
8.	कार्य मद	:-	CSR मद
9.	कार्यो का विस्तृत विवरण	:-	

ग्रुप सं०	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	डुमरी	Renovation and Development of Model Anganwadi Center at-Village- Nawgai, Panchayat-Aakasi, Block- Dumri, Gumla	1052300.00	21000.00	2500.00	03 माह	III
2	डुमरी	Renovation and Development of Model Anganwadi Center at-Village- Karamdon, Panchayat-Karni, Block- Dumri, Gumla	1986200.00	40000.00	5000.00	03 माह	III
3	डुमरी	Renovation and Development of Model Anganwadi Center at-Village- Sirsi, Panchayat- Aakasi, Block- Dumri, Gumla	1891000.00	38000.00	5000.00	03 माह	III

निविदा की शर्तें:–

1. परिमाण विपत्र का शुल्क परिमाण NIT में अंकित राशि के अनुसार आवेदन के साथ बैंक ड्राफ्ट के रूप में जो कार्यपालक अभियंता, NREP, गुमला के नाम पर भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र निर्गत किया जाएगा, जो लौटाया नहीं जायेगा। बैंक ड्राफ्ट निबंधित संवेदक के खाता से ही बना हुआ मान्य होगा एवं बैंक ड्राफ्ट की वैद्यता निविदा की प्रकाशन की तिथि से तीन माह का होना अनिवार्य है।
2. S.O.R से 10% कम दर पर अंकित करने तक अतिरिक्त जमानत राशि (Additional Performance Security money) की आवश्यकता नही है लेकिन यदि 10% से ज्यादा कम दर अंकित करते है तो नियमानुसार (Additional Performance Security) एकरनामा के साथ ही देना अनिवार्य होगा।
3. ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले) में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. निविदा की विस्तृत शर्ते कार्यालय की सूचना पटट पर अनिवार्य रूप से देख लें।

ह०/–
कार्यपालक अभियंता,
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,गुमला

PR 361796 NREP(25-26).D

एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता डीसी ने की

प्रभावित परिवारों को समय पर मुआवजा सुनिश्चित करने पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत लंबित और भुगतान योग्य मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि – "जिन प्रभावित परिवारों के घर, दुकान या संपत्ति को क्षति पहुँची है अथवा आगजनी जैसी घटनाओं में नुकसान हुआ है, उन्हें अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित मुआवजा राशि समय पर उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।"

उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आरओ पत्र समर्पण के बाद त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अधिनियम के तहत उपलब्ध मुआवजा और राहत प्रावधानों की पुनः समीक्षा कर पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने पर बल दिया।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि यदि अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति समुदाय के साथ किसी भी प्रकार की बदसलूकी, प्रताड़ना अथवा संपत्ति क्षति की घटना घटती है, तो प्रशासन त्वरित संज्ञान लेकर कड़ी कार्रवाई करेगा।

जन-जागरूकता के लिए एक विशेष वर्कशॉप आयोजित करने पर भी सहमति बनी। इसमें प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मियों, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी हो सके। बैठक में उप विकास आयुक्त गुमला, अपर समाहर्ता, जिला कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी और समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सुप्रभात

विचार प्रवाह

अच्छी तथा बुरी, दोनों प्रकार की आदतों को शक्ति प्राप्त करने में समय लगता है। शक्तिशाली बुरी आदतों को उनकी विपरीत अच्छी आदतों द्वारा हटाया जा सकता है यदि अच्छी आदतों का धैर्यपूर्वक विकास किया जाए। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

जेन जी युवा असंतुष्ट या कोई और

भारत के चारों पड़ोसी देशों में सत्ता परिवर्तन की एक ही शैली संदिग्ध है। 2022 से अब तक श्रीलंका, पिछले साल बांग्लादेश और अब नेपाल में हुए तीन छात्र आंदोलनों के दौरान विरोध प्रदर्शनों, उनके कारणों और सरकारों द्वारा उनसे निपटने में एक समान पैटर्न अपनाए गए हैं। ये दक्षिण एशियाई क्षेत्र के अन्य देशों के लिए संदेश है, लेकिन इस क्षेत्र के सबसे बड़े देश भारत के लिए तो यह संदेश ज्यादा बड़ा है। कई समानताओं के अलावा, इन परिवर्तनों का एक बाहरी संदर्भ भी है, जो इस क्षेत्र को अमेरिका और चीन के बीच भू-राजनीतिक टकराव का अखाड़ा बना देता है। ये दोनों प्रतिस्पर्धी शक्तियां इस क्षेत्र में प्रभाव के लिए होड़ में हैं। सभी आंदोलन युवाओं की प्रतिक्रिया से हो रहे हैं, जो नौकरियों व विकास के अवसरों की कमी, बढ़ती कीमतों, भ्रष्टाचार और कुशासन से निराश थे। बांग्लादेश और नेपाल में एक समानता यह उभरकर आई कि विरोध प्रदर्शन इस धारणा से शुरू हुए कि अभिजात वर्ग और उनके बच्चे अवसरों का फायदा उठा रहे हैं। स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवारों के लिए शिक्षा और रोजगार में आरक्षण ने पिछले वर्ष बांग्लादेश में वह चिंगारी सुलगा दी थी, जिसे न तो सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय कम कर सका, और न ही शेख हसीना सरकार की मंजूरी इसे बुझा सकी। नेपाल में, खुद को 'जेन-जी' (नई पीढ़ी) कहने वाले प्रदर्शनकारी युवा, 'नेपो किड्स' यानी कुलीन वर्ग के बच्चों के खिलाफ हैं। सोशल मीडिया ने उन्हें मंच प्रदान किया, और सरकार द्वारा उस पर प्रतिबंध लगाने से गुस्सा और बढ़ गया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में अत्याधुनिक हथियार कैसे पहुंचे? बांग्लादेश में, शस्त्रागार लूट लिए गए और विचाराधीन इस्लामवादियों को छुड़ाने के लिए जेल पर धावा बोल दिया गया। उस अराजकता के बीच ईंधन की आपूर्ति का प्रबंध किसने किया और कैसे, कि यह नदी के किनारे के दूर-दराज के इलाकों तक पहुंच गया? अगर बाहरी लोगों पर उंगलियां उठाई जाएं, तो भी इन सवालों के जवाब आसान नहीं हैं। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारी छात्रों ने मोहम्मद यूनुस को 'नियुक्त' किया था। उन्होंने गर्व से अपने नेता का परिचय इस रूप में कराया था कि वही विरोध आंदोलन के 'मास्टरमाइंड' हैं। नेपाल में, जेन-जी ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का मुखिया प्रस्तावित किया, जिस पर व्यापक सहमति नहीं बनी है। इस कहानी के तीसरे हिस्से में एक सुखद संयोग है कि श्रीलंकाई युवा, खाद्य और ईंधन की कमी और सरकारी दमन के बावजूद, पूरे उथल-पुथल के दौरान अहिंसक बने रहे। उन्होंने धार्मिक और जातीय एकजुटता दिखाई। वे राष्ट्रपति गोतबाया को अपदस्थ करने में सफल रहे। नए राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, जो पहले भी राष्ट्रपति रहे हैं, को बहुदलीय चुनाव कराना पड़ा। उन्होंने चुनाव लड़ा और एक युवा प्रतिद्वंद्वी से हार गए। लगता है कि अनुरा सेनानायके के नेतृत्व में श्रीलंका आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता हासिल करने की राह पर है। इसके विपरीत, बांग्लादेश में अराजकता और धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले जारी हैं, जबकि सेना व्यवस्था बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। बदला लेने की होड़ में, यूनुस सरकार ने देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी को चुनावों से बाहर रखने के लिए एक कानून बनाया है।

> *कई समानताओं के अलावा, इन परिवर्तनों का एक बाहरी संदर्भ भी है, जो इस क्षेत्र को अमेरिका और चीन के बीच भू-राजनीतिक टकराव का अखाड़ा बना देता है।*

द बंगाल फाइल्स

फिल्म की बात

डॉ दीपक प्रसाद
समीक्षक, सांस्कृतिक शोधकर्ता, रंगकर्मी, निर्देशक, सहायक प्राध्यापक

भारतीय सिनेमा में समय-समय पर ऐसी फिल्में बनी हैं जो केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि हमारी स्मृति और चेतना को झकझोरने का कार्य करती हैं। विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स इसी परंपरा की अगली कड़ी है। यह फिल्म न केवल इतिहास का प्रतिबिंब है बल्कि वर्तमान की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। कथा और विषय- फिल्म का मूल आधार 1946 का डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखली का नरसंहार है, जिसे लंबे समय तक मुख्यधारा की इतिहास-लेखन और पाठ्यपुस्तकों में हाशिये पर डाल दिया गया। निर्देशक ने इन घटनाओं को आज के बंगाल की सामाजिक और राजनीतिक वास्तविकताओं के समानांतर रखकर प्रस्तुत किया है। फिल्म देखते समय बार-बार सवाल उठता है – क्या वाकई ऐसा हुआ था? और क्या आज भी उसी इतिहास की पुनरावृत्ति हो रही है? फिल्म स्पष्ट रूप से बताती है कि कैसे सत्ता की राजनीति, जातीय और धार्मिक ध्रुवीकरण, और विदेशी घुसपैठ ने बंगाल की डेमोग्राफी और सांस्कृतिक परिदृश्य को बदलने का षड्यंत्र रचा। यह केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि वर्तमान की चेतावनी भी है। प्रतीक और पात्र- भारती बनर्जी (पल्लवी जोशी) – भारत माता का प्रतीक, जिन पर अत्याचार और अन्याय की चोटें अंकित हैं। मिथुन चक्रवर्ती का किरदार – लाचार हिंदू समाज की व्यथा, जिसकी आवाज़ दबा दी गई है और जो पागलपन की स्थिति में भटक रहा है। जस्टिस बनर्जी – आदर्शवादी धर्मनिरपेक्षता के प्रतीक, जिनका भ्रम तब टूटता है जब हिंसक भीड़ उनके आदर्शों को रौंद देती है। रणदीप हुड्डा – एक ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ आईपीएस/सीबीआई अधिकारी के रूप में उनकी भूमिका बेहद प्रभावशाली रही है। उन्होंने एक ऐसे अधिकारी की व्यथा को जीवंत किया है, जो सच्चाई सामने लाना चाहता है लेकिन प्रशासनिक दबाव, राजनीतिक हस्तक्षेप और नौकरशाही की दीवारें उसके रास्ते में खड़ी हो जाती हैं। रणदीप हुड्डा का अभिनय दर्शाता है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, एक सच्चा अधिकारी अपने विवेक और जमीर को जीवित रखकर अंततः वही करता है जिसे वह सही समझता है। उनकी गंभीरता, अभिव्यक्ति और संवाद अदायगी ने फिल्म को और अधिक विश्वसनीय बनाया है। फिल्म में वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर ने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई है। अनुपम खेर रंगमंच और सिनेमा दोनों में दशकों का अनुभव रखने वाले कलाकार हैं। उन्होंने गांधीजी के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं—अहिंसा, सत्य, सेक्युलर सोच और भारत के प्रति उनकी दूरदृष्टि को बड़े प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है। गांधीजी की भूमिका केवल ऐतिहासिक पुनरावृत्ति नहीं, बल्कि निर्देशक ने इसे वर्तमान संदर्भ से भी जोड़ा है। जब अनुपम खेर पर्दे पर गांधी बनकर बोलते हैं, तो दर्शक सहज ही विचार करने लगते हैं कि क्या आज भी हम गांधीजी के आदर्शों से जुड़ पाए हैं या उन्हें केवल किताबों और प्रतीकों तक सीमित कर दिया है। हालाँकि, दर्शकों की प्रतिक्रियाएँ विभाजित रही हैं। कई दर्शक गांधीजी की सोच को आज की राजनीति के संदर्भ में अप्रासंगिक या कमज़ोर मानते हुए असहज महसूस करते हैं, वहीं कुछ लोगों ने इसे बहुत सशक्त और आत्ममंथन के लिए प्रेरक बताया। थिएटर हॉल में इस पर अलग-अलग तरह की टिप्पणियाँ सुनने को मिलीं कहीं समर्थन तो कहीं आलोचना। यही इस फिल्म की विशेषता भी है कि यह दर्शकों को सोचने और बहस करने पर मजबूर करती है। अनुपम खेर का अभिनय यह स्पष्ट करता है कि गांधीजी केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि एक विचारधारा थे। और यह विचारधारा आज भी हमें चुनौती देती है कि हम कितने ईमानदार हैं सत्य, अहिंसा और सेकुलरिज़्म की मूल धारणाओं को निभाने में। फिल्म की विश्वसनीयता का सबसे बड़ा आधार है इसकी पोशाक और मेकअप डिज़ाइन। 1940–50 के दशक का बंगाल और समकालीन राजनीति दोनों युगों को एक ही फिल्म में जीवंत करना आसान नहीं था। लेकिन कॉस्ट्यूम डिज़ाइनरों ने उस दौर की साड़ी, धोती, खादी के कपड़े और नेताओं की ड्रेसिंग स्टाइल को बारीकी से पुनःनिर्मित किया है। गांधीजी की भूमिका (अनुपम खेर) के लिए उनका सफेद धोती, चश्मा और लाठी इतनी प्रामाणिकता से प्रस्तुत किए गए हैं कि दर्शक सहज ही उन्हें गांधी के रूप में स्वीकार कर लेते हैं। रणदीप हुड्डा (आईपीएस/सीबीआईऑफिसर) की यूनिफॉर्म और फॉर्मल ड्रेसिंग उनके चरित्र की गंभीरता और पेशेवराना अंदाज को उभारती है। पल्लवी जोशी और मिथुन चक्रवर्ती जैसे पात्रों के लिए बंगाल की पारंपरिक वेशभूषा कॉटन साड़ियाँ, धोती-कुर्ता, पुराने डिज़ाइन के ब्लाउज़ और शॉल इतिहास को सजीव कर देती है। मेकअप का काम भी बेहद संतुलित और स्वाभाविक है। कलाकारों के चेहरे पर झुर्रियों, थकान और पीड़ा को इस तरह उभारा गया है कि वे पात्रों की मानसिक स्थिति को और गहराई से दर्शाते हैं। फिल्म की मेकिंग पर निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने विशेष ध्यान दिया है। कई दृश्य डॉक्यूमेंट्री-स्टाइल में शूट किए गए हैं ताकि इतिहास का असर और प्रामाणिक लगे। लाइटिंग और रंगों का चुनाव भी प्रतीकात्मक है—गहरे रंग हिंसा और पीड़ा को दिखाते हैं, जबकि हल्के रंग आशा और विवेक का संकेत देते हैं। इन सभी पहलुओं ने मिलकर फिल्म को केवल एक कथा नहीं, बल्कि एक अनुभव बना दिया है। इन प्रतीकों के माध्यम से निर्देशक ने भारतीय समाज की जटिलताओं और राजनीतिक चालबाज़ियों को सशक्त ढंग से उभारा है। निर्देशन और अभिनय- विवेक अग्निहोत्री ने एक बार फिर रिसर्च-आधारित सिनेमा की शक्ति को प्रमाणित किया है। फिल्म में हर दृश्य तथ्य और दस्तावेज़ों से पुष्ट है। यह महज कहानी नहीं, बल्कि ऐतिहासिक साक्ष्यों पर आधारित दृश्यांकन है। सभी कलाकारों का अभिनय प्रभावशाली है। पल्लवी जोशी की गंभीरता, मिथुन चक्रवर्ती की व्यथा, और सहायक कलाकारों का समर्पण दर्शकों को गहराई तक प्रभावित करता है। तकनीकी पक्ष- कैमरा वर्क, संपादन और बैकग्राउंड स्कोर कहानी के प्रभाव को और गहन बना देते हैं। कुछ दृश्यों की तीव्रता इतनी अधिक है कि दर्शक की आँखें भर आती हैं या गुस्से में मुट्ठियाँ भिंच जाती हैं। यह फिल्म मनोरंजन से आगे बढ़कर एक अनुभव बन जाती है। फिल्म का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम भारतीय पहले भारतीय हैं, न कि जाति या धर्म की संकीर्ण परिभाषाओं में बंधे नागरिक। अंग्रेजों की डिवाइड एंड रूल नीति केवल अतीत की बात नहीं है, यह आज भी हमारे राजनीतिक परिदृश्य में जिंदा है। फिल्म यह चेतावनी देती है कि यदि हमने इतिहास से सबक नहीं लिया, तो वही घटनाएँ बार-बार हमारे सामने आएँगी। आखिर हम सबके जेहन में एक सवाल जरूर उठेगा यह स्वाभाविक भी है कि आखिर क्यों देखें यह फिल्म? क्योंकि यह फिल्म हमारे छुपाए गए या विकृत किए गए इतिहास को सामने लाती है। क्योंकि यह फिल्म आज की राजनीति और सामाजिक चुनौतियों का आईना है। क्योंकि यह फिल्म हमें बताती है कि सच्चाई कितनी कड़वी होती है, लेकिन उससे भागना समाधान नहीं। और सबसे अहम – क्योंकि हर युवा भारतीय को अपना असली इतिहास जानने का अधिकार है। द बंगाल फाइल्स कोई सामान्य फिल्म नहीं है। यह एक सिनेमा से बढ़कर सामाजिक दस्तावेज़ है। यह फिल्म प्रश्न पूछती है, असुविधा पैदा करती है और सोचने पर मजबूर करती है। यही इसकी सबसे बड़ी सफलता है।

फिल्म रेटिंग : (5/5) यह फिल्म हर उस भारतीय को देखनी चाहिए जो सच्चाई जानना चाहता है और भविष्य को सुरक्षित बनाना चाहता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

महागठबंधनो की बढ़ती महिमा

अलग बात

कांतिलाल मांडोत

भारतीय लोकतंत्र 1977 के बाद से ही एक पार्टी के प्रभुत्व और कई पार्टियों के महा गठजोड़ के बीच झूलता आ रहा है।पहले कांग्रेस का दबदबा हुआ करता था तो मई 2014 के बाद से भारतीय जनता पार्टी इस हैसियत में पहुंच गई । वैसे, राज्यों में तो गठबंधन का दौर काफी पहले 1967 में ही आ गया था, जब कांग्रेस 16 विधानसभा चुनावों में से आठ में हार गई थी। उत्तर के इन सात राज्यों और दक्षिण के तमिलनाडु में गठबंधन सरकारों और वैचारिक रूप से व्यापक गठबंधनों का प्रयोग हुआ था। ये तमाम गठबंधन भले नाजुक, अस्थायी और परेशानी वाले रहे हों, अगर इनमें मतदाताओं का व्यापक प्रतिनिधित्व हुआ करता था। फिर 1977 में इंदिरा गांधी की निरंकुश इमरजेंसी और जेपी आंदोलन की परिणति जनता पार्टी के रूप में एक महागठबंधन में हुई, जिसमें वैचारिक रूप से विपरीत ध्रुव की पार्टियां शामिल थीं-जनसंघ से लेकर वाम मोर्चे तक जयप्रकाश नारायण कांग्रेस विरोधी विपक्ष के मसीहा बन गए।1977 के इसी प्रयोग के आधार पर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 1989 में राजीव गांधी को सरकार के खिलाफ गठबंधन बनाने का कामचलाऊ प्रयोग किया जिसमें बीजेपी और वाम मोर्चे को सहयोगी के रूप में शामिल किया गया। आगे चलकर 1996 में दिल्ली में दो और अल्पमत संयुक्त मोर्चा सरकारों के प्रयोग हुए-एक एच.डी. देवेगौड़ा के नेतृत्व में और दूसरा इंदर कुमार गुजराल के नेतृत्व में। उस समय तक क्षेत्रीय पार्टियों और राज्यों के क्षत्रपों की महत्वाकांक्षाओं का उभार इतना हो चुका था कि चुनावी नजरिए से राष्ट्रीय पार्टियों के लिए उन्हें नजरअंदाज करना लगभग नामुमकिन हो गया। लिहाजा, दो प्रमुख राष्ट्रीय गठबंधनों की नींव पड़ी, जो भारतीय राजनीति की नई हकीकत बन गए। कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) और बोजेपी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पिछले दो दशकों से क्षेत्रीय दलों ने इन्हीं में से किसी एक के साथ अपनी निष्ठाओं और अपने चुनावी भविष्य को बांध रखा है हालांकि पिछले दौर में इस तरह के गठबंधन नाजुक रहे और कोई भी सरकार में कार्यकाल पूरा करने में कामयाब नहीं हो पाया। लेकिन 1998 के बाद से केंद्र में सत्ता में आए गठबंधन टिकाऊ रहे और सभी ने पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। 2014 के आम चुनावों में मोदी के नेतृत्व में बीजेपी को बहुमत मिला लेकिन उसने फिर भी एनडीए की छतरी तले ही बने रहना पसंद किया और जिन राज्यों में वह सत्ता में नहीं थी।वहां भी उसने एनडीए के नाम से ही चुनाव लड़ा। यह भाजपा की साफ नीतियों का ही परिणाम है कि जनसंघ से निकले राष्ट्रीय फलक के नेता विश्वास संपादन करने में ही अपनी योग्यता समझते है। इनकी कथनी और करनी समान होती है। हालांकि कांग्रेस को जब यह लगने लगा कि बीजेपी का रथ रोकना असंभव सा है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

जीवित्पुत्रिका व्रत-संतान की लंबी उम्र का पर्व

आपकी बात

महेन्द्र तिवारी

हिंदू संस्कृति में मातृत्व का स्थान सर्वोच्च माना गया है। संतान की रक्षा, स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए किए जाने वाले अनेक व्रतों और उत्सवों मेंजीवित्पुत्रिका व्रत (जितिया व्रत) का विशेष महत्व है। यह पर्व मातृत्व की अटूट आस्था और संतान के प्रति समर्पण का प्रतीक है। विशेषकर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और नेपाल के कुछ हिस्सों में यह व्रत बड़े श्रद्धा भाव और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाता है।

व्रत की तिथि और अवधि : जीवित्पुत्रिका व्रत हर सालआश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथिको मनाया जाता है। इसके ठीक एक दिन पहले सप्तमी कोनहाय-खायकी परंपरा होती है। वर्ष 2025 में नहाय-खाय13 सितंबर को और जीवित्पुत्रिका व्रत 14 सितंबर को रखा जाएगा। अष्टमी तिथि का समापन 15 सितंबर की देर रात होगा, इसलिएपारण (व्रत खोलना) 15 सितंबर को सूर्योदय के बाद किया जाएगा। इस प्रकार व्रत की शुरुआत सप्तमी से होती है और नवमी को पूर्ण होती है। कई बार तिथि के अनुसार यह व्रत 36 घंटे तक भी चल सकता है।

नहाय-खाय की परंपरा : नहाय-खाय के दिन व्रती महिलाएं स्नान-ध्यान कर शुद्धता और संकल्प के साथ जीमूतवाहन देव की पूजा करती हैं। इसके बाद वे सात्विक भोजन करती हैं, जो अगले दिन के कठोर निर्जला उपवास की तैयारी मानी जाती है। इस अवसर पर विशेष रूप सेमडुआ की रोटी, नोनी की साग, दहीऔरचूड़ा (पोहा)खाने की परंपरा है। यह भोजन ऊर्जा देने वाला और पचने में हल्का होता है।

जितिया व्रत का पालन : अष्टमी तिथि के दिन विवाहित महिलाएंनिर्जला व्रतरखती हैं, अर्थात पूरे दिन और रात बिना भोजन और पानी के उपवास करती हैं। सूर्योदय से पहले वे केवल सात्विक आहार और जल ग्रहण कर सकती हैं। दिनभर वे जीमूतवाहन की पूजा करती हैं और संतान के कल्याण के लिए कथा सुनती या पढ़ती हैं। शाम को महिलाएं पीपल के पेड़ के नीचे एकत्र होकर कथा का पाठ करती हैं। पीपल के वृक्ष को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास स्थल माना जाता है, अतः उसकी पूजा से सभी कष्ट दूर होने की मान्यता है।

जीमूतवाहन की कथा और महत्व : जितिया व्रत का आधारजीमूतवाहनकी प्रेरणादायक कथा है। जीमूतवाहन गंधर्व राजकुमार थे, जिन्होंने एक नागिन के पुत्र को गरुड़ के आक्रमण से बचाने के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनके इस त्याग और निस्वार्थ प्रेम ने उन्हें संतान-सुरक्षा के प्रतीक के रूप में स्थापित कर दिया। यही कारण है कि जितिया व्रत में उनकी पूजा कर माताएं अपनी संतान की रक्षा और दीर्घायु की कामना करती हैं।

व्रत कथा का पाठ और दान : व्रत का पूरा फल प्राप्त करने के लिए कथा का पाठ करना अथवा सुनना आवश्यक माना गया है। कथा सुनने से मन और विचार शुद्ध होते हैं तथा मातृत्व की शक्ति और प्रेम का महत्व स्मरण होता है। नवमी तिथि को व्रत खोलते समय व्रती महिलाएं गरीबों, ब्राह्मणों और जरूरतमंदों कोभोजन, वस्त्र और दानप्रदान करती हैं। यह दान-पुण्य पितरों के आशीर्वाद और शुभ फल दिलाने वाला माना जाता है।

जितिया का धागा : इस पर्व का एक प्रमुख प्रतीकजितिया का धागाहै। यह धागा मां और संतान के बीच के अटूट रिश्ते और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। व्रत के दौरान मां और बच्चे दोनों इस धागे को पहनते हैं। व्रत पूर्ण होने के बाद इस धागे को लापरवाही से फेंकना अशुभ माना जाता है। इसे या तोजल में विसर्जित, तुलसी या पीपल पर चढ़ाना, यापूजा स्थल पर सुरक्षित रखनाचाहिए। यह माना जाता है कि ऐसा करने से मां का आशीर्वाद हमेशा संतान के साथ बना रहता है।

धार्मिक और सामाजिक महत्व : जीवित्पुत्रिका व्रत केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यहमां और संतान के रिश्ते की गहराई, परिवार की एकता, औरसामुदायिक जुड़ावको भी प्रकट करता है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं सामूहिक रूप से यह व्रत करती हैं, जिससे सामाजिक एकजुटता और परंपरागत मूल्य सुदृढ़ होते हैं। यह पर्व मातृत्व के त्याग, धैर्य और शक्ति की याद दिलाता है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

मजलूमों के दूर हों, दुक्ख, दर्द तत्काल।
यही सोचते सोचते, गए पिचहत्तर साल।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

हिंदी की वैश्विक स्वीकार्यता के बावजूद देश में उपेक्षा क्यों?

देश की बात

ललित गर्ग

हिंदी दिवस- 14 सितम्बर, 2025

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजनात्मक अवसर नहीं, बल्कि हमारी भाषाई अस्मिता राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक आत्मगौरव का प्रयोजनात्मक प्रतीक है। विश्व की सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा के रूप में हिंदी विश्व की उन चुनिंदा भाषाओं में से एक है जिसे करोड़ों लोग अपनी मातृभाषा, संपर्क भाषा और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अनेक वैश्विक मंचों पर हिंदी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी है। दुनिया के लगभग 180 देशों में हिंदी बोलने वाले हैं और अंग्रेज़ी, मंदारिन, स्पेनिश, अरबी जैसी भाषाओं की सूची में हिंदी भी अब शीर्ष स्थानों पर दर्ज है। फिर भी विडंबना यह है कि अपने ही देश में हिंदी को कई बार विरोध का सामना करना पड़ता है। दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय अस्मिता और भाषाई विविधता के नाम पर हिंदी के प्रति असहजता दिखाई जाती है। जबकि वस्तुतः हिंदी किसी भी क्षेत्रीय भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि उन्हें जोड़ने वाली संपर्क-भाषा है। भारत की भाषाई संरचना में हिंदी एक केंद्रीय सूत्र की तरह है। यदि अंग्रेज़ी को शिक्षा, प्रशासन और तकनीकी का आधार बनाया जा सकता है, तो हिंदी का विरोध केवल मानसिक दासता का परिणाम माना जा सकता है। आज वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो जापान ने जापानी, फ्रांस ने फ्रेंच, चीन ने मंदारिन और जर्मनी ने जर्मन को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और व्यापार की भाषा बनाया है। ये देश अपनी भाषाओं को वैश्विक बनाते हुए भी अन्य भाषाओं से संवाद स्थापित करते हैं। जबकि भारत में अभी भी अंग्रेज़ी के प्रति अनावश्यक मोह और हिंदी के प्रति हीनभावना देखने को मिलती है। यह स्थिति हिंदी की उपयोगिता और सामर्थ्य के विपरीत है। हिंदी न केवल साहित्य और संस्कृति की भाषा है बल्कि विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, मीडिया, सिनेमा और व्यापार में भी अपनी जगह बना रही है। इंटरनेट पर हिंदी का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है। गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिंदी को अपने प्लेटफॉर्म पर प्राथमिक भाषा का स्थान दिया है। यह हिंदी की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है। हिंदी की प्रासंगिकता आज के समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यह केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीयता की पहचान है। राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की भूमिका भारत को एकजुट करने और विश्व-पटल पर उसकी सांस्कृतिक छवि को मजबूत करने में अनिवार्य है। भाषा केवल बोलचाल का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का भी आधार है। इसलिए हिंदी का विरोध करना अपने ही सांस्कृतिक आधार को कमजोर करना है। विश्व के 180 से अधिक देशों में हिंदी भाषी लोग रहते हैं और अमेरिका, कनाडा, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, खाड़ी देशों व यूरोप में हिंदी शिक्षण संस्थान स्थापित हैं। इंटरनेट की भाषा के रूप में हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी भाषा बन चुकी है। यह वह स्थिति है जिसकी कल्पना दशकों पहले असंभव मानी जाती थी। लेकिन हिंदी की यह ख्याति केवल आज की तकनीकी क्रांति का परिणाम नहीं है, यह हमारी जड़ों में, संस्कारों में एवं राष्ट्रीयता की भावना में समायी हुई है। स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी ने राष्ट्र को जोड़ने, जन-जन को जागृत करने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध चेतना जगाने का महत्वपूर्ण कार्य किया। महात्मा गांधी ने हिंदी को "जनमानस की भाषा" और "राष्ट्रभाषा" कहा। लोकमान्य तिलक, पं. नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, विनोबा भावे, सुभाषचंद्र बोस और सरदार पटेल सभी ने हिंदी को राष्ट्रीय एकता का सूत्रधार माना। हिंदी प्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम की लौ प्रज्वलित की। 'प्रताप', 'अभ्युदय', 'कर्मवीर', 'सरस्वती' जैसी पत्रिकाओं ने जनजागरण का काम किया। कवियों और लेखकों ने अपनी रचनाओं से जनमानस को ऊर्जा दी-भारतेंदु हरिश्चंद्र से लेकर मैथिलीशरण गुप्त तक, सबने हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम का शस्त्र बनाया। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक अनेक नेताओं ने हिंदी के उत्थान और प्रतिष्ठा के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में भाषण देकर विश्व स्तर पर हिंदी की पहचान को सशक्त किया और यह संदेश दिया कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय संवाद की भी भाषा बन सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

पीएम की मौजूदगी में राधाकृष्णन ने संभाला उपराष्ट्रपति का पदभार

झारखंड के पूर्व राज्यपाल अब राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। यह समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया, जहाँ राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। लाल कुर्ता पहने राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और कैबिनेट मंत्रियों व विपक्षी नेताओं सहित कई अन्य शीर्ष राजनीतिक नेता इस समारोह में शामिल हुए। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद धनखड़ पहली बार सार्वजनिक रूप से इस समारोह में शामिल हुए। इससे पहले 9 सितंबर को, एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। उन्हें 452 वोट मिले थे, जबकि विपक्षी उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले थे। तत्कालीन निवर्तमान राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक इस्तीफे के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया था।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से गहरी जड़ें रखने वाले तमिलनाडु के वरिष्ठ भाजपा नेता 67 वर्षीय राधाकृष्णन ने 452 वोट हासिल करके उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जीता। उनके प्रतिद्वंद्वी, विपक्षी दल इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले।भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के संख्यात्मक बल को देखते हुए, राधाकृष्णन की जीत अपेक्षित थी। एनडीए के पास कागजों पर 427 सांसद थे और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के 11 सांसदों और कई छोटे दलों का अतिरिक्त समर्थन प्राप्त था, जिससे वह 377 के आधे से भी अधिक बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार कर गया था। उनके पक्ष में क्रॉस-वोटिंग के संकेत भी मिले थे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अचानक इस्तीफे के कारण यह चुनाव आवश्यक हो गया था। अपनी जीत के बाद, राधाकृष्णन ने गुरुवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने नई नियुक्ति होने तक गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। कोयंबटूर से दो बार सांसद और तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष राधाकृष्णन का दशकों लंबा करियर जनसंघ से शुरू हुआ और फिर भाजपा में शामिल हो गए।

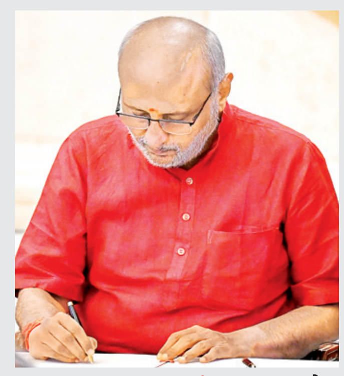

- **कुल बहुमत का आंकड़ा:** 377 से अधिक (राधाकृष्णन ने पार किया)
- **एनडीए समर्थन:** 427 सांसद + YSR कांग्रेस के 11 सांसद + अन्य छोटे दल
- पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दे दिया

सीपी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति बनने पर पीएम समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बनने के बाद सीपी राधाकृष्णन को देशभर से बधाई संदेश मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सीपी राधाकृष्णन को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुआ। एक समर्पित लोक सेवक के रूप में, उन्होंने अपना जीवन राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित कर दिया। मैं उन्हें जनता की सेवा के लिए समर्पित एक सफल उपराष्ट्रपति कार्यकाल की शुभकामनाएं देता हूं।"अपनी पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "सीपी राधाकृष्णन को भारत के उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेने पर बधाई। आपका ज्ञान और अनुभव हमारी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को और मजबूत करेगा, ताकि लोगों की बेहतर सेवा की जा सके।" केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपनी पोस्ट में लिखा, "भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर सीपी राधाकृष्णन को हार्दिक बधाई।

शपथ ग्रहण करने के बाद सीपी राधाकृष्ण ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीपी राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने शुक्रवार को औपचारिक रूप से राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण किया। साथ ही एक्स पर सीपी राधाकृष्णन के पदभार ग्रहण करते हुए तस्वीरें भी शेयर की गई हैं। इससे पहले उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की तथा राष्ट्रपिता और उनके सत्य एवं अहिंसा के शाश्वत आदर्शों का सम्मान किया। उन्होंने सदैव अटल में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की। राधाकृष्णन ने दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय के स्मारक पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

श्रीरामलला के दरबार में पीएम रामगुलाम ने टेका मत्था

आरती उतारी, मंदिर निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

एजेंसी। अयोध्या

प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या शुक्रवार को एक विशेष अवसर की साक्षी बनी, जब मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम अपनी पत्नी वीना रामगुलाम और करीब 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री रामगुलाम ने सबसे पहले भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में पत्नी के साथ विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर लोककल्याण की कामना की। वह भूटान के प्रधानमंत्री के बाद दूसरे राष्ट्राध्यक्ष बने, जिन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन किए। दोपहर करीब 12 बजे प्रधानमंत्री अपनी पत्नी वीना रामगुलाम और 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने प्रधानमंत्री का औपचारिक स्वागत किया। यहां से निकलने के बाद प्रधानमंत्री का काफिला भारी सुरक्षा घेरे के बीच सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचा। वहां उन्होंने पत्नी के साथ रामलला की आरती उतारी और लंबे समय तक प्रभु का दर्शन करते रहे। शीश नवाकर भगवान राम से दोनों देशों के रिश्तों की मजबूती का आशीर्वाद मांगा। करीब आधा घंटे तक परिसर में रहकर उन्होंने मंदिर निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। इस दौरान कई बार उनके मुख से 'जय श्रीराम' के उद्घोष गूंजे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री का यह दौरा भारत और मॉरीशस के बीच सांस्कृतिक एकता का जीवंत प्रतीक है। वहीं, प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने भी अयोध्या की पवित्र धरती पर आने पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की और भगवान राम के प्रति आस्था प्रकट की।

मॉरीशस के प्रतिनिधिमंडल ने काशी विश्वनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

वाराणसी। मॉरीशस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले मॉरीशस के पीएण नवीनचंद्र रामगुलाम ने भी काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया। मॉरीशस से आए एक प्रतिनिधि ने कहा, "यह एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला क्षण था और हम बहुत उत्साहित हैं। इससे पहले गुरुवार को मॉरीशस के पीएण नवीनचंद्र रामगुलाम ने वाराणसी में गंगा आरती देखी थी। विदेश मंत्रालय ने दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि पवित्र गंगा के साथ पवित्र जुड़ाव का अनुभव करें। मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम ने वाराणसी में गंगा आरती देखी। यह आध्यात्मिक अनुभव आस्था और परंपरा के उस शाश्वत बंधन का प्रतीक है, जो भारत और मॉरीशस को जोड़ता है। साथ ही, उन्होंने नवीनचंद्र रामगुलाम की तस्वीरें शेयर कीं। मॉरीशस के पीएम नवीनचंद्र रामगुलाम भारत की 8 दिवसीय (9 से 16 सितंबर तक) यात्रा पर हैं। पीएम मोदी ने अपने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ संस्कृति और संस्कार सदियों पहले भारत से मॉरीशस पहुंचे और वहां की जीवन-धारा में रच-बस गए।

बाढ़ की आड़ में पाकिस्तान से तस्करी, हथियारों

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और अपराध जाँच एजेंसी (सीआईए) ने पंजाब के फाजिल्का जिले में देर रात एक अभियान में हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा जब्त किया, जिसे अधिकारियों ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी तस्करी का प्रयास बताया। छापेमारी के दौरान दो संदिग्ध तस्करों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार, बीएसएफ द्वारा सीआईए फाजिल्का के साथ मिलकर मिली विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर थेह कलंदर गाँव में यह संयुक्त अभियान चलाया गया। टीमों ने 16 पिस्तौल, 38 मैगज़ीन, 1,847 ज़िंदा कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की। गिरफ़्तार किए गए लोगों की पहचान फाज़िल्का के झोक दीपुलाना और महातम नगर गाँवों के निवासियों के रूप में हुई है। बीएसएफ ने कहा कि खुफिया जानकारी से सीमा पार तस्करी की कोशिश का संकेत मिला था, जिसके चलते यह छापेमारी योजनाबद्ध तरीके से की गई।

वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में 'वीआईपी' दर्शन बंद

एजेंसी। मथुरा

- अब सबको लाइन में लग कर ही करने होंगे दर्शन

उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने आज अति विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) पास तत्काल प्रभाव से बंद करने और दर्शन के लिए सीधा प्रसारण शुरू करने सहित कई बड़े फैसलों की घोषणा की। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित उच्चाधिकारप्राप्त समिति ने एक बैठक में मंदिर में दर्शन एवं सुरक्षा व्यवस्था में सुधार लाने का एक बड़ा प्रयास किया है। जिला सूचना अधिकारी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, मंदिर में पर्ची कटाकर वीआईपी के तौर पर दर्शन करने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है और इसके लिए वीआईपी कटघरा भी हटा दिया जाएगा। विज्ञप्ति में बताया गया कि अब हर व्यक्ति को लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा, जिससे मंदिर प्रशासन पर भेदभाव का आरोप नहीं लगेगा और दर्शनार्थियों में अनावश्यक धक्का-मुक्की भी नहीं होगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अगले तीन दिनों में यह तय कर देंगे कि किस-किस द्वार से प्रवेश होगा और किस-किस द्वार से निकासी की जा सकेगी।

सीमा हैदर और सचिन के नाम पर 650 करोड़ का घोटाला हो गया

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने 650 करोड़ रुपए फर्जी जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली, हरियाणा, अरुणाचल प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना में एक साथ कई स्थानों पर छापेमारी की। गुवाहाटी स्थित ईडी कार्यालय ने यह कार्रवाई की है। ईडी के अनुसार, यह कार्रवाई उन लोगों और कंपनियों के खिलाफ हो रही है, जिन्होंने बिना असली व्यापार के फर्जी कंपनियां खड़ी कीं और फर्जी दस्तावेजों से टैक्स रिफंड हासिल किया। सीमा हैदर और सचिन के नाम का उपयोग किया।

कैसे हुआ खुलासा?

जिन लोगों ने फर्जीवाड़ा किया, उन्होंने पाकिस्तान मूल की सीमा हैदर और उसके पति सचिन के नाम तथा पहचान का भी दुरुपयोग किया। बिहार के दरभंगा जिले के दो चार्टर्ड अकाउंटेंट भाइयों के फर्जीवाड़े से यह घोटाला सामने आया। इस घोटाले की परतें उस वक्त खुलनी शुरू हुईं जब अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने साल 2024 में दरभंगा के दो चार्टर्ड अकाउंटेंट भाई आशुतोष झा और विपिन झा को गिरफ्तार किया। उन पर 100 करोड़ के आईटीसी घोटाले का आरोप था। दरभंगा के झा भाइयों ने अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में चलने वाली एक कंपनी 'सिद्धिविनायक ट्रेड मर्चेंट' का इस्तेमाल किया।

एम्स रायपुर पर संकट, 3 साल में 35 डॉक्टरों ने दिया इस्तीफा, 40% फैकल्टी पद खाली

एजेंसी। छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ का प्रमुख चिकित्सा संस्थान, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), रायपुर, स्टाफिंग संकट से जूझ रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में 35 डॉक्टरों ने इस्तीफा दे दिया है। संस्थान में लगभग 40% संकाय पद रिक्त हैं, जिससे मध्य भारत में स्वास्थ्य सेवा वितरण पर चिंताएँ बढ़ रही हैं। संस्थान छोड़ने वाले डॉक्टरों ने अपने परिवार के स्थानांतरण और निजी क्षेत्र में बेहतर अवसरों को अपने इस्तीफे का प्रमुख कारण बताया है, हालाँकि कोई भी कैमरे पर बोलने को तैयार नहीं था। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने संकट को स्वीकार करते हुए कहा कि सरकार डॉक्टरों को बनाए रखने के लिए कदम उठा रही है, लेकिन उन्होंने व्यापक चुनौतियों की ओर भी इशारा किया। उन्होंने बताया कि राज्य भर में कई एनएचएम कर्मचारी 10 मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिनमें से चार पहले ही मान ली गई हैं, जिनमें 27% वेतन वृद्धि, 5 लाख रुपये का कैशलेस इलाज, मनमाने ढंग से बर्खास्तगी से सुरक्षा और सालाना 30 दिन का सवेतन अवकाश शामिल है। जायसवाल ने बताया कि स्थानांतरण नीति, अनुकंपा नियुक्ति और वेतन ग्रेड संशोधन जैसी शेष मांगों पर विचार के लिए एक समिति गठित की गई है, जिसकी रिपोर्ट तीन महीने में आने की उम्मीद है।

दिल्ली में जेन जी भी छलका सकेंगे जाम बीयर पीने की उम्र घटाने पर सरकार कर रही विचार

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार अपनी नई आबकारी नीति के तहत बीयर पीने की कानूनी उम्र 25 से घटाकर 21 साल करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री परवेश वर्मा की अध्यक्षता वाली एक हाई लेवल कमेटी विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर रही है, हालांकि अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि प्रस्ताव दिल्ली को पड़ोसी एनसीआर शहरों जैसे गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के साथ संरेखित करना चाहता है, जहां शराब पीने की कानूनी उम्र पहले से ही 21 साल है। यह असमानता अक्सर युवा उपभोक्ताओं को दिल्ली के बाहर से शराब खरीदने के लिए प्रेरित करती है, जिससे राजस्व का बड़ा नुकसान होता है। एक अधिकारी ने कहा कि यह सुझाव दिया गया है कि नई आबकारी नीति के तहत, राजस्व के नुकसान को कम करने के लिए बीयर की खपत की कानूनी उम्र 25 साल से घटाकर 21 साल की जा सकती है।आबकारी राजस्व में वृद्धि अनुमानों के अनुसार, दिल्ली को वर्तमान में आबकारी शुल्क से सालाना लगभग 8,000 करोड़ रुपये की आय होती है, लेकिन लीकेज के कारण 4,000-5,000 करोड़ रुपये का नुकसान होता है। अधिकारियों का मानना है कि अगर इस कमी को पूरा किया जाए तो यह आंकड़ा लगभग 12,000 करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी। आज आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आपको ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मामले पर कुछ खास लोगों से बातचीत करने का मौका मिलेगा, आपको इसका पूरा फायदा लेना चाहिए।

वृष : आज का दिन आपके लिए ठीक रहेगा। आज आपके विरोधी भी आपके काम की सराहना करेंगे। आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। आज आपको बिजनेस के सिलसिले में शहर से बाहर जाना पड़ सकता है। इस राशि के छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रुका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आप समाजिक कार्यों में सहयोग देने की सोचेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करने से आपको लाभ की प्राप्ति होगी।

कर्क : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपको खुशियाँ देंगे। आज कार्यों में माता-पिता का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके काम समय से पूरे हो जायेंगे।

सिंह : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुए धन लाभ से आज अपनी जरुरत का सामान खरीदेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है, पार्टी में कोई नयी जिम्मेदारी मिलेगी। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल होगी।

कन्या : आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आज कोई शुभ समाचार मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आयेगा। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं। आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना चाहिए।

तुला : आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। लवमेट एक दूसरे की भावनाओं को समझेंगे, कहीं बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। घर के बडों से कोई नई बात आप सीखेंगे। आज काफी दिनों से आपका रुका काम पूरा हो जायेगा, मानसिक शांति मिलेगी।

वृश्चिक : आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा। मिल-जुल कर किये गए कार्यों में आपको बहुत हद तक सफलता मिलेगी।

धनु : आज नए कार्यों को करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको ख़ुशी मिलेगी। करियर में आप नये आयाम स्थापित करेंगे। परिवार में किसी सदस्य को सरकारी नौकरी मिलने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

मकर : आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। बॉस आपको कोई नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा।

कुंभ : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बडों की राय लेना बेहतर साबित होगा। आज आप बड़े बुजुर्गों के पैर छुएं, धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी। आज पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे।

मीन : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बडों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको कोई अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्ते में नयापन आयेगा। आज आपको समाजिक कार्यों में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

मिजोरम अब रेल से जुड़ा

- **51.38** किलोमीटर लंबी इस परियोजना का उद्देश्य कनेक्टिविटी में बदलाव लाना
- **12** किलोमीटर से ज्यादा लंबी 48 सुरंग
- **142** पुलों का निर्माण किया गया है

मिजोरम एक ऐतिहासिक मील के पत्थर की तैयारी कर रहा है क्योंकि बैराबी-सैरांग रेलवे लाइन लगभग पूरी हो गई है, जिससे राज्य की राजधानी आइज़ोल पहली बार भारत के राष्ट्रीय रेलवे मानचित्र पर आ जाएगी। 51.38 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का उद्देश्य कनेक्टिविटी में बदलाव लाना, यात्रा का समय कम करना और राज्य के लोगों के लिए नए अवसर खोलना है। यह लाइन पूर्वोत्तर के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों से होकर गुज़रती है। इंजीनियरों ने 12 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी 48 सुरंगों के साथ-साथ 142 पुलों का निर्माण किया है जिनमें बड़ी और छोटी दोनों तरह की संरचनाएं शामिल हैं।

वैष्णो देवी यात्रा नवरात्रि से पहले शुरू होगी

जम्मू-कश्मीर। नवरात्रि से पहले श्रद्धालुओं को बड़ी खुशखबरी मिली है। पिछले 17 दिनों से स्थगित श्री माता वैष्णो देवी यात्रा अब फिर शुरू होने वाली है। इसको लेकर श्राइन बोर्ड ने बड़ा ऐलान किया है। श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा 14 सितंबर यानी रविवार से एक बार फिर शुरू की जाएगी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने बताया कि खराब मौसम की स्थिति और ट्रैक के आवश्यक रखरखाव के कारण अस्थायी निलंबन के बाद, श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा 14 सितंबर (रविवार) से अनुकूल मौसम की स्थिति के अधीन फिर से शुरू होगी। लंबे समय तक यात्रा स्थगित रहने से श्रद्धालुओं में निराश थे। वहीं यात्रा पर निर्भर स्थानीय व्यवसायों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। प्रशासन ने जनता और तीर्थयात्रियों से धैर्य बनाए रखने और अगली सूचना तक मंदिर की ओर अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की थी।

आतंकवाद | पूजा में धमाकों की साजिश नाकाम! आईईडी बनाने का पाकिस्तान से आका दे रहा था निर्देश

नवरात्रि त्योहारों से पहले आतंकी ध्वस्त, 5 पकड़े गए

- भारत में हिंसक तरीकों से 'खिलाफत' स्थापित करने की साजिश

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पाकिस्तान समर्थित अखिल भारतीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। दिल्ली, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से पाँच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके पास से हथियार, कारतूस और आईईडी सामग्री बरामद की गई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में समन्वित छापेमारी में हथियार, गोला-बारूद और बम बनाने वाले रसायन भी जब्त किए गए हैं। यह समूह हिंसक तरीकों से भारत में 'खिलाफत' स्थापित करने की साजिश रच रहा था। जांचकर्ताओं ने आगामी त्योहारी सीजन से पहले यह कार्रवाई करते हुए यह आतंकवाद-रोधी एक बड़ी सफलता हासिल की है।

मुख्य साजिशकर्ता रांची में पकड़ा गया था

गुप्त आतंकवादी प्रशिक्षण

पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह गिरोह 'खिलाफत क्षेत्र' स्थापित करने के लिए गुप्त आतंकवादी प्रशिक्षण को जमीन अधिग्रहण की साजिश रच रहा था, जिसका अंतिम उद्देश्य गजवा-ए-हिंद (भारत पर हमला) था। बयान में कहा गया कि दानिश को रांची से गिरफ्तार किया गया और उसके किराए के कमरे से आईईडी बनाने वाले उपकरण समेत रासायनिक पदार्थ ज़ब्त किए गए। उसने स्वीकार किया कि उसने हिंसक तरीकों से खिलाफत स्थापित करने की आपराधिक साजिश के तहत हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक खरीदे थे। पुलिस के अनुसार, उसने बताया कि उसे पाकिस्तान स्थित एक आका से निर्देश मिल रहे थे और वह अन्य मॉड्यूल सदस्यों के साथ लगातार संपर्क में था। गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए कुशवाह ने बताया कि पहली सफलता नौ सितंबर को मिली। दिल्ली के हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन से सटे थीम पार्क के पास दो संदिग्धों - आफ़ताब कुरैशी और सूफ़ियान खान - के पास दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल (.32 बोर) और 15 कारतूस बरामद हुए, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद 10 सितंबर को रांची, ठाणे, बेंगलुरु, निजामाबाद और राजगढ़ में छापेमारी कर अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सबसे महत्वपूर्ण बरामदगी मुख्य साजिशकर्ता अशहर दानिश के रांची स्थित किराए के कमरे से हुई, जहा पुलिस को रसायन, गोला-बारूद के पुर्जे और आईईडी बनाने के उपकरण मिले।

सात्विक-चिराग ने हांगकांग ओपन के सेफा में बनाई जगह

क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी को दी मात

एजेंसी । हांगकांग

हांगकांग ओपन 2025 में भारत की मौजूदा सर्वश्रेष्ठ पुरुष बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सेमीफाइनल में अपनी जगह को पक्का कर लिया है। सात्विक-चिराग की जोड़ी का मेंस डबल्स के क्वार्टर फाइनल में मुकाबला मलेशिया की जुनैदी आरिफ और रॉय किंग यप की जोड़ी से था, जिसमें तीन सेटों तक चले इस मैच को भारतीय जोड़ी ने 2-1 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की जहां पर अब उनका मुकाबला चाइनीज ताइपे की जोड़ी से होगा।

तीनों सेट में दिखी करीबी भिड़ंत

सात्विक-चिराग की जोड़ी को हांगकांग ओपन के क्वार्टर फाइनल मैच में मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ काफी टक्कर मिली जिसमें पहले सेट को उन्होंने 21-14 से अपने नाम करने के साथ मुकाबले में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे सेट में मलेशिया जोड़ी ने शानदार वापसी करने के साथ उसे 20-22 से जीता और इस मैच को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। तीसरे और निर्णायक सेट में सात्विक और चिराग की जोड़ी ने एकतरफा अंदाज में खेल दिखाते हुए उसे 21-16 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब भारतीय जोड़ी का सेमीफाइनल में सामना चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई की चाइनीज ताइपे की जोड़ी से होगा।

त्राब्जोंसपोर में शामिल हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना

मैनचेस्टर (आईएएनएस)

मैनचेस्टर यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना 2025/26 सीजन के लिए तुर्की के फुटबॉल क्लब त्राब्जोंसपोर में लोन पर शामिल हो गए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय क्लीयरेंस और रजिस्ट्रेशन पर निर्भर है। यह डील शुक्रवार को तुर्की की ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले पूरी कर ली गई। त्राब्जोंसपोर ने प्रेस रिलीज में कहा, "मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ समझौता हो गया, जिसके तहत पेशेवर फुटबॉलर आंद्रे ओनाना का 2025-26 सीजन के लिए फ्री टेंपरेरी ट्रांसफर हमारे क्लब में किया गया है। कैमरून के 29 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने जुलाई 2023 में इटली के दिग्गज क्लब इंटर से जुड़ने के बाद रेड्स की ओर से 102 मैच खेले हैं। ओनाना ने मैनचेस्टर में अपने पहले सीजन के दौरान सिर्फ एक मैच को छोड़कर शेष सभी मुकाबलों में हिस्सा लिया। उन्होंने वेम्बली में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ फाइनल में शानदार टीम प्रदर्शन के दम पर एफए कप जीतकर सीजन का अंत किया। 2024/25 सीजन में भी वह पहली पसंद के गोलकीपर बने रहे। ओनाना प्रीमियर लीग के 'सेव ऑफ द मंथ' अवॉर्ड को तीन बार जीतने वाले पहले गोलकीपर बने। ओनाना ने अपने दूसरे सीजन में 50 मैच खेले, जिसके बाद त्राब्जोंसपोर के साथ जुड़ने के लिए राजी हो गए। उन्होंने इस सीजन में अब तक यूनाइटेड के लिए सिर्फ एक मैच खेला है। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण ओनाना प्री-सीजन के दौरान टीम के साथ नहीं खेल पाए थे। उन्होंने सीजन के अपने पहले मैच में एक गलती की।

रोहित शर्मा ने पोस्ट किया वीडियो...

वनडे रिटायरमेंट की चर्चा के बीच कर दिया सब साफ

एजेंसी । मुंबई

भारतीय टीम अभी एशिया कप 2025 में खेलने में व्यस्त है जो इस बार टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है। वहीं टीम इंडिया के फैंस को अक्टूबर महीने में होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के शुरू होने का इंतजार काफी बेसब्री से है। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण वनडे कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली है जिन्होंने अपना पिछला इंटरनेशनल मुकाबला इस साल की शुरुआत में हुई चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। वहीं पिछले काफी समय से रोहित शर्मा के वनडे फॉर्मेट से भी रिटायरमेंट लेने की चर्चा काफी तेज देखने को मिल रही थी, जिसे अब खुद रोहित ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करने के साथ खत्म कर दिया।

रोहित ने अपनी प्रैक्टिस का वीडियो किया पोस्ट : टीम इंडिया को अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाना है जहां तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी, इसको लेकर अभी से रोहित शर्मा ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है, जिसमें उन्होंने नेट्स पर बल्लेबाजी की प्रैक्टिस करते हुए अपना वीडियो पोस्ट किया है। रोहित ने इस वीडियो को पोस्ट करने के साथ कैप्शन में लिखा कि मैं फिर से यहां हूं, यह सच में काफी अच्छा लग रहा है।

महिला एशिया कप गोंगशु 2025 के मौके पर भारतीय महिला हॉकी टीम ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन से मुलाकात की। देश के समर्थन के साथ, टीम गौरव हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है!

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

मीनाक्षी ने भारत के लिए चौथा पदक पक्का किया

लिवरपूल । विश्व मुक्केबाजी कप अस्ताना की रजत पदक विजेता मीनाक्षी ने शुक्रवार को विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड की एलिस पम्फ्रे को हराकर भारत के लिए चौथा पदक सुनिश्चित किया। हरियाणा के रोहतक की 24 वर्षीय मुक्केबाज ने अपनी लंबी पहुच का इस्तेमाल करते हुए पहले ही राउंड से पम्फ्रे पर दबदबा बनाया और 5:0 के अंतर से जीत हासिल की। वह नुपुर (महिला 80+ किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (महिला 57 किग्रा) और पूजा रानी (महिला 80 किग्रा) जैसी मुक्केबाजो के साथ प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गईं और पोडियम पर अपनी जगह पक्की कर ली।

पुरुषों के 50 किग्रा वर्ग में जदुमणि सिंह मंदेंगबाम को क्वार्टर फाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन और दो बार के एशियाई चैंपियन कजाकिस्तान के संझार ताशकेनबे को हराना था। अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में खेल रहे 21 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने अपने अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी। इसके बावजूद उन्हें 0.4 से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना यादगार रहा : मीराबाई चानू

नई दिल्ली (आईएएनएस)

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहीं मीराबाई चानू ने राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर लगभग 1 साल बाद दमदार वापसी की है। इसे चानू ने अपने करियर का यादगार पल बताया है। आईएएनएस से बातचीत करते हुए मीराबाई चानू ने कहा, "यह यादगार था क्योंकि इस प्रतियोगिता में इस वर्ग में मैंने पहली बार भारत के लिए पदक जीता। मैं बहुत खुश हूं। चैंपियनशिप में पदक जीते हुए मुझे काफी समय हो गया था। 48 किग्रा वर्ग में बदलाव के बाद यह मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मीराबाई ने स्नैच में 84 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 109 किग्रा सहित कुल 193 किग्रा भार उठाकर पहला स्थान हासिल किया था। नए भार वर्ग में फिट होने के लिए एक किग्रा और वजन कम करने का फैसला उनके लिए फायदेमंद साबित हुआ और उन्होंने 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया।

उनका अगला लक्ष्य नॉर्वे के फोर्डे में 1 से 10 अक्टूबर तक होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक जीतना है।

एशिया कप : दमदार जीत के साथ अभियान की शुरुआत करना चाहेगी पाकिस्तानी टीम

नई दिल्ली (आईएएनएस)

ओमान की ताकत : जतिंदर सिंह और आमिर कलीम से बल्लेबाजी की उम्मीदें।

ऐतिहासिक भिड़ंत : टी20 इतिहास में पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने।

पाकिस्तान एशिया कप 2025 में शुक्रवार से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। यह टीम अपने पहले मुकाबले में ओमान को चुनौती देगी। टी20 इतिहास में पहली बार दोनों टीमें एक-दूसरे का सामना करने जा रही हैं। ग्रुप-ए का यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। इस मुकाबले में पाकिस्तानी टीम का पलड़ा ज्यादा भारी नजर आ रहा है, लेकिन ओमान बड़ा उलटफेर करने की कोशिश करेगा।

सलमान आगा की कप्तानी में पाकिस्तानी टीम को सईम अयूब और साहिबजादा फरहान से बल्लेबाजी में खासा उम्मीदें होंगी। वहीं, मोहम्मद नवाज टीम की गेंदबाजी को मजबूती दे सकते हैं। दूसरी ओर, ओमान को बल्लेबाजी में जतिंदर सिंह और आमिर कलीम से उम्मीदें होंगी। गेंदबाजी का जिम्मा शकील अहमद और समय श्रीवास्तव के पास होगा। दुबई की पिच पर थोड़ी घास है। यहां 10 सितंबर को भारत-यूएई के बीच मुकाबला खेला गया था, जिसमें स्पिनर्स और मध्यम तेज गति के गेंदबाजों को मदद मिली थी। अत्यधिक गर्मी के साथ टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी चुन सकती है। पाकिस्तान और ओमान के बीच यह मुकाबला भारतीय समय के अनुसार रात आठ बजे से खेला जाएगा।

टॉस आधा घंटा पहले यानी शाम 7.30 बजे होगा। मैच का लाइव टेलीकास्ट सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर उपलब्ध होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव एप पर देखी जा सकती है। पाकिस्तान की टीमः साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, फखर जमान, सलमान आगा (कप्तान), हसन नवाज, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, अबरार अहमद, मोहम्मद वसीम जूनियर, हसन अली, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, सलमान मिर्जा और सुफियान मुकीम।

भारतीय शेयर बाजार लगातार आठवें दिन तेजी के साथ बंद सेंसेक्स 355 अंक उछला

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में लगातार आंठवें दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में चौतरफा खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 355.97 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,904.70 और निफ्टी 108.50 अंक या 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,114 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 183.65 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 58,227.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 114.70 अंक या 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,989.90 पर था। बाजार को ऊपर खींचने का काम डिफेंस, मेटल और फाइनेंस शेयरों ने किया। निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स (4.38 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (0.93 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.46 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंस सर्विस (0.70 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.53 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.41 प्रतिशत) और निफ्टी कमोडिटीज (0.41 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ। निफ्टी पीएसयू (0.27 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (0.71 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.39 प्रतिशत) और निफ्टी कंजप्शन (0.29 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बीईएल, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक, एलएंडटी, इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप गेनर्स थे। इटरनल (जोमैटो), एचयूएल, ट्रेंट, टाइटन, भारती एयरटेस, एशियन पेंट्स, आईटीसी, एमएंडएम, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई टॉप लूजर्स थे।

इंफोसिस 18,000 करोड़ रुपए का बायबैक लाएगी

1800 रुपए के भाव में 10 करोड़ शेयर वापस खरीदेगी कंपनी, बोर्ड मीटिंग में हुआ फैसला

एजेंसी । मुंबई

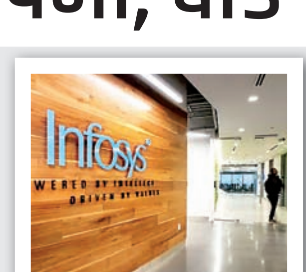

- **कम शेयर, ज्यादा वैल्यू:** शेयरों की संख्या कम होने से हर शेयर की कमाई (ईपीएस) बढ़ती है, जिससे शेयर की कीमत ऊपर जा सकती है।
- **कैश का इस्तेमाल:** अगर कंपनी के पास जरूरत से ज्यादा कैश है, तो वो उसे बायबैक में लगाकर निवेशकों को फायदा देती है।
- **कॉन्फिडेंस का संदेश:** बायबैक से कंपनी ये दिखाती है कि उसे अपने भविष्य पर भरोसा है और उसे लगता है कि उसके शेयर अंडरवैल्यूड हैं।

आईटी सेक्टर की कंपनी इंफोसिस जल्द ही 18,000 करोड़ रुपए का बायबैक यानी शेयरों को वापस खरीदना शुरू करेगी। बोर्ड की 11 सितंबर की बैठक में कंपनी ने ये फैसला लिया है। ये इंफोसिस के इतिहास का सबसे बड़ा बायबैक होगा। कंपनी 1800 रुपए प्रति शेयर के भाव से करीब 10 करोड़ शेयर खरीदेगी। ये इंफोसिस के कुल शेयर कैपिटल का 2.4% हिस्सा कवर करेगा। 2022 के बाद से यह कंपनी का पहला और 1993 में लिस्टिंग के बाद से पांचवा शेयर बायबैक होगा। इंफोसिस ने कुछ समय पहले ऐलान किया था कि वो अपने शेयरों का बायबैक करने पर विचार कर रही है। अब ये बायबैक तीन साल बाद पहली बार हो रहा है। बायबैक का मतलब है कि कंपनी अपने ही शेयरों को मार्केट से वापस खरीदेगी, जिससे मार्केट में शेयरों की संख्या कम होगी और शेयर की वैल्यू बढ़ सकती है। खबरों के मुताबिक, इंफोसिस इस बायबैक के लिए करीब 18,000 करोड़ रुपए खर्च कर सकती है। कंपनी के पास इस समय 45,200 करोड़ रुपए का कैश और कैश इक्विवेलेंट है, जो इस बायबैक को आसानी से फंड कर सकता है। बायबैक कंपनी की कुल शेयर कैपिटल का 2.4% हिस्सा कवर कर रहा है। आसान भाषा में, शेयर बायबैक तब होता है जब कोई कंपनी अपने ही शेयरों को निवेशकों से वापस खरीदती है। ऐसा करने के कई फायदे हैं।

अमेरिकी टैरिफ वृद्धि के बीच ईईपीसी इंडिया ने किफायती एक्सपोर्ट फाइनेंस की मांग की

नई दिल्ली (आईएएनएस)। ईईपीसी इंडिया ने केंद्र सरकार से ब्याज समानीकरण योजना (आईईएस) को बहाल करने, किफायती एक्सपोर्ट फाइनेंस सुनिश्चित करने और भारत से इंजीनियरिंग निर्यात पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के एक हिस्से को वहन करने के लिए सहायता प्रदान करने का आग्रह किया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा के साथ एक बैठक में, ईईपीसी इंडिया के अध्यक्ष पंकज चड्ढा ने हाल ही में अमेरिकी टैरिफ के मद्देनजर इंजीनियरिंग क्षेत्र की कमजोरियों पर प्रकाश डाला और निर्यातकों के लिए उधारी लागत कम करने में सहायता की मांग रखी। चड्ढा ने कहा, "अमेरिका को भारत का इंजीनियरिंग निर्यात औसतन लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर का है।

एसआईपी निवेश बीते नौ वर्षों में आठ गुना बढ़कर 28,265 करोड़ रुपए हुआः रिपोर्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) भारतीयों के लिए बीते कुछ वर्षों में एक लोकप्रिय निवेश साधन बनकर उभरा है। इस कारण एसआईपी निवेश में बीते नौ वर्षों में आठ गुना की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में शुक्रवार को दी गई। व्हाइटओक कैपिटल म्युचूअल फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2016 में कुल एसआईपी इनफ्लो 3,497 करोड़ रुपए था, जो कि अगस्त 2025 में बढ़कर 28,265 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में बताया गया कि यह लगातार बढ़ोतरी एसआईपी और अनुशासित निवेश में बढ़ते लोगों के विश्वास को दिखाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 1996 से लेकर अगस्त 2025 के बीच एसआईपी ने अधिकतम 55.6 प्रतिशत और न्यूनतम -24.6 प्रतिशत का रिटर्न जनरेट किया है।

एपीडा के पटना कार्यालय की स्थापना बिहार की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए एक नए युग का सूत्रपात करेगी

नई दिल्ली (आईएएनएस

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के पटना कार्यालय की स्थापना बिहार की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए एक नए युग का सूत्रपात करती है। इससे किसानों, उत्पादकों और निर्यातकों को पंजीकरण, परामर्श सेवाएं, मार्केट इंटेलिजेंस, सर्टिफिकेशन में सहायता, निर्यात प्रक्रियाओं में सुगमता, बाजार सुगमता, इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवसरों तक सीधी पहुंच प्राप्त होगी।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बीते गुरुवार को बिहार को कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात के केंद्र में बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पटना में आयोजित बिहार आइडिया फेस्टिवल में एपीडा के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन किया। मंत्रालय के अनुसार, अब तक, बिहार के निर्यातक वाराणसी स्थित एपीडा के क्षेत्रीय कार्यालय पर निर्भर थे। नया कार्यालय एफपीओ, एफपीसी और निर्यातकों को सीधी सहायता प्रदान करेगा, जिससे निर्यातकों के सवालों के जवाब में लगने वाला समय कम हो जाएगा। इस अवसर पर अपने संबोधन केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि पटना में एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह बिहार के किसानों को वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ इंटीग्रेट करने का एक मिशन है। उन्होंने कहा, "हमारे किसान, उद्यमी और निर्यातक दुनिया को भोजन उपलब्ध कराने की क्षमता रखते हैं। उचित सहयोग से बिहार हाई-वैल्यू, सस्टेनेबल एग्री-एक्सपोर्ट में लीडर बन कर उभरेगा। मंत्रालय के अनुसार, उद्घाटन समारोह को ऐतिहासिक बनाते हुए जीआई-टैग युक्त मिथिला मखाना की 7 मीट्रिक टन की खेप को न्यूजीलैंड, कनाडा और अमेरिका के लिए रवाना किया गया।

प्रसव पीड़ा से महिला की मौत नहीं पहुंच सकी अस्पताल

लातेहार। महुआडांड प्रखंड अंतर्गत ओरसा पंचायत के ग्राम जामडीह निवासी रमेश नगेसिया की पुत्री अजंती कुमारी की मौत प्रसव पीड़ा के कारण हो गई। मिली जानकारी के अनुसार महिला का विवाह गुमला जिला के डुमरी प्रखंड अंतर्गत जैरागी ग्राम निवासी प्रशांत माझी से हुई थी। जो कुछ दिनों पहले ही अपने मायके जामडीह आई थी। अचानक प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद महिला के स्वजनों द्वारा प्राइवेट गाड़ी बुक कर बोलेरो वाहन से अस्पताल ले जाया जा रहा था। इस दौरान छत्तीसगढ़ के हरैया घाट में प्रसव पीड़ा से तड़पती प्रसूता एवं बच्चे दोनों की मौत हो गई। इस संबंध में गांव की ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र बने 5 से 6 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक एक बार भी डॉक्टर एवं नर्स की उपस्थिति यहां नहीं हुई है। सड़क का हाल भी बद से बद्तर है। जहां पैदल चलना भी मुश्किल है, जिसके कारण ग्रामीणों को छत्तीसगढ़ घूम कर प्रखंड मुख्यालय जाना होता है। जिससे महज 10 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए 70 किलोमीटर घूमना होता है। इस अव्यवस्था के कारण आज गांव की एक महिला की तड़प तड़प कर मौत हो गई है। वहीं ग्रामीणों की मांग है कि प्रखंड मुख्यालय तक पहुंच मार्ग को जल दुरुस्त कराते हुए, बंद पड़े उप स्वास्थ्य केंद्र मैं डॉक्टर एवं नर्स की नियुक्ति करते हुए जल्द ही शुरू कराई जाए।

महिला मेटों को मनरेगा में सशक्त बनाने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महिला मेटों को मनरेगा में सक्रिय भागीदारी निभाने का दिया संदेश

- **महिला मेटों ने अपने अनुभव, सफलता की कहानियां और चुनौतियां साझा कीं**
- **माहवारी और स्वच्छता पर विशेष जानकारी दी गई**

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

लातेहार लीड्स संस्था ने लातेहार जिले के महुआडांड़ प्रखंड से महिला मेटो को मनरेगा योजनाओं में मेट के रूप मे जोड़ने का कार्य कर रहें हैं जिसको लेकर शुक्रवार को समाहरणालयसभागार में चिन्हित महिला मेटोके लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। उप विकास आयुक्त ने सभी मेटो को सक्रिय रुप से मनरेगा में कार्य करने का निर्देश दिया तथा एनएमएमएस एप्प के माध्यम से योजनाओं को सुचारु रूप से चलाने के लिए जानकारी दी एवं महिला मेटो को अपने कार्य के द्वारा अपने गांव, पंचायत को सशक्त बनाने को कहा गया और मनरेगा कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने की बात कही गई। जिससे काम में ईमानदारी के साथ जिम्मेदारी भी बना रहे। आगे उन्होंने महिला मेटों को कार्यशाला में दी जा रही जानकारी को अपने साथ अमल करने और एक जानकार व्यक्ति के रूप में लोगों को जागरूक करने की बात कही। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम के द्वारा महिला सशक्तिकरण, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, वन स्टॉप सेंटर, महिलाओं के लिए सरकारी योजनाओं के साथ टॉल फ्री नम्बर देते हुए इस पर विस्तृत जानकारी दिया गया। साथ ही आगे उन्होंने कहा कि आज के समय मे महिलाएं किसी से कम नहीं है। आज की महिला सभी कार्य करके आत्मनिर्भर बन रही है। उन्होंने कहा सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है।
"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, और नौकरी कराओ"। जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू ने कहा कि आज के समय में लड़की, बच्ची एवं महिलाओं को शिक्षा बहुत ही जरूरी है। जिसके लिए सरकार ने नव भारत साक्षरता अभियान 21 सितंबर 2025 को झारखण्ड के हर मध्य विद्यालय कैंप लगा कर सभी को साक्षर करने के लिए पहल की है। लीड्स से महेन्द्र कुमार, वरिष्ठ परियोजना समन्वयक ने लीड्स के कार्य, उद्देश्य एवं कुछ अच्छे मॉडल जो ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित किया गया है जैसे बृहत रूप में आम बागवानी, मॉडल स्कूल, मॉडल आंगनवाड़ी, मॉडल किसान आदि के बारे विस्तार से बताया। रंजीत भेंगरा ने परियोजना के बारे विस्तार रूप से जानकारी दिए। कार्यशाला में महिला मेट ने अपने कार्य का अनुभव, सिख, सफलता कि कहानी, कार्यस्थल में होने वाली दिक्कतें, चुनौतियां को सभी के समक्ष साझा किया। कार्यशाला में माहवारी एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए महिला मेटों को इसकी जानकारी दी गई।

हिंडालको की पहल पर बालिका उच्च विद्यालय में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन

चंदवा। हिंडालको कोल परियोजना की पहल पर स्थानीय बालिका उच्च विद्यालय परिसर में शुक्रवार को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंपनी के हेड प्रकाश कुमार,सीएसआर हेड अनुनय कुमार,सीएसआर के अभयानंद चतुर्वेदी और सरिता डुंगडुंग मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के चित्र के समीप दीप प्रज्वलित कर की गई। मौके पर विद्यालय की छात्राओं ने कविता पाठ,निबंध,स्पीच और वाद विवाद प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कविता प्रतियोगिता में रिया कुमारी प्रथम,अंजली कुमारी द्वितीय और मुनिता कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। भाषण प्रतियोगिता में नगमा प्रवीन प्रथम,शुम्बुल द्वितीय व साइना तृतीय स्थान पर रही। निबंध प्रतियोगिता में सुप्रिया कुमारी प्रथम,नंदनी कुमारी द्वितीय और रजन्ति कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। वाद विवाद प्रतियोगिता में विपक्ष की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। सभी प्रतिभागियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। हिंडाल्को हेड प्रकाश कुमार ने कहा कि हिंदी को आगे ले जाने में अपना योगदान देना आवश्यक है। अनुनय कुमार ने कहा कि हिंदी हमारी राज्य भाषा है और इसे विश्व पटल पर पहचान दिलाने के लिए हमें प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में अभयानंद चतुर्वेदी, प्रधानाध्यापक अंजू कुमारी, सुमित कुमार,हिंडालको के अशरफ खान,शिक्षिका शबनम मिंज समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

पेज एक के शेष

केंद्र-राज्य के...

में एडिशनल सेक्रेटरी सनोज कुमार झा, राज्य सरकार में राजस्व विभाग के सचिव चंद्रशेखर, खान एवं भूतत्व विभाग के सचिव अरवा राजकमल, निदेशक खान एवं भूतत्व राहुल सिन्हा, कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद, सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, बीसीसीएल के सीएमडी मनोज अग्रवाल, हिंदुस्तान कॉपर के सीएमडी संजीव कुमार सिंह, केंद्रीय कोयला मंत्री के पीएस पंकज जैन समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

कोयला खदान कर्मियों...

केंद्रीय मंत्री ने जानकारी दी कि पिछले वित्तीय वर्ष में कोयला आयात पर लगभग 60 हजार करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार घरेलू स्तर पर कोयला उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ क्रिटिकल मिनरल्स पर भी जोर दे रही है। इसके लिए नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन की शुरुआत की गई है, जिस पर करीब 32 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस मिशन का उद्देश्य देश में क्रिटिकल मिनरल्स का खनन बढ़ाना और विदेशों से आयात पर निर्भरता घटाना है। भारत ने अर्जेंटीना और जांबिया जैसे देशों में लिथियम और अन्य खनिजों के लिए समझौते किए हैं। कोयला एवं खनन मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की विकसित भारत की परिकल्पना के तहत ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि देश की 74 प्रतिशत ऊर्जा अभी भी थर्मल पावर से आती है। ऐसे में कोल और माइनिंग मिनिस्ट्री ग्रीन एनर्जी और सौर ऊर्जा के विस्तार पर भी काम कर रही है। साथ ही, स्टील, सीमेंट और अन्य उद्योगों के लिए जरूरी खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास हो रहे हैं।

झारखंड के पूर्व...

वहीं सुदर्शन रेड्डी 300 वोट मिले थे। शपथ ग्रहण समारोह के लिए एनडीए के वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ विपक्ष के नेताओं को भी निमंत्रण भेजे गए थे। शुक्रवार को कार्यक्रम में पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और हामिद अंसारी नजर आए। इसके अलावा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य मौजूद रहे। एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी कार्यक्रम में शामिल थे। ज्ञात हो कि उपराष्ट्रपति का कार्यकाल 5 साल का होता है। भारत के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति भी होते हैं। तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे सीपी राधाकृष्णन आरएसएस के स्वयंसेवक के तौर पर सार्वजनिक जीवन में आए और वर्ष 1974 में जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य बने। वर्ष 1996 में उन्हें भाजपा का राज्य सचिव बनाया गया और दो साल बाद, वर्ष 1998 में वे पहली बार कोयंबटूर से लोकसभा पहुंचे। वर्ष 1999 में वे दोबारा सांसद बने। वर्ष 2004 से 2007 तक उन्होंने भाजपा तमिलनाडु इकाई की अध्यक्षता की। वर्ष 2020 से 2022 के बीच वे केरल भाजपा के प्रभारी भी रहे। 18 फरवरी 2023 को उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया। 31 जुलाई 2024 को राधाकृष्णन ने महाराष्ट्र के राज्यपाल पद की शपथ ली थी।

एक करोड़ से...

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (12 सितंबर) को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि पंजाब से राउरकेला, सिमडेगा के रास्ते से एक बंद कंटेनर वाहन में अवैध शराब पटना ले जाई जा रही है। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) के नेतृत्व में थाना प्रभारी सिमडेगा, थाना प्रभारी कोलेबिरा एवं अन्य पदाधिकारियों की टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा लगातार ट्रैकिंग के बाद रांची-राउरकेला मुख्य मार्ग पर ग्राम बीरू, पुलिस कैंप के समीप उक्त कंटेनर को रोका गया। वाहन रोकते ही सहचालक कूदकर भाग निकला। वहीं, वाहन चालक गिंदर सिंह (पिता नछत्र सिंह, निवासी ग्राम निधनवाला, थाना सदर, जिला मोगा, राज्य पंजाब) को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका और कपास का फर्जी चालान बिल प्रस्तुत किया। वाहन की तलाशी लेने पर कंटेनर से कुल 1115 पेटी में 40,052 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। इस संबंध में सिमडेगा थाना कांड संख्या 103/25, दिनांक 12.09.25, भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4)/338/336(3) तथा आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 47(ए)/52/55 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तार चालक को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। फरार सहचालक सहित अन्य लोगों की तलाश जारी है। प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, पुलिस अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं अन्य उपस्थित थे।

बरामद ब्रांड :
- डिस्काउंट प्रीमियम व्हिस्की 180 एमएल - 100 पेटी
- ब्लू स्ट्रोक व्हिस्की 180 एमएल - 580 पेटी
- इंपीरियल ब्लू 750 एमएल - 140 पेटी
- इंपीरियल ब्लू 375 एमएल - 125 पेटी
- शेरी प्लैटिनम व्हिस्की 750 एमएल - 20 पेटी
- मैकडॉवेल्स नंबर 1 व्हिस्की 750 एमएल - 75 पेटी
- मैकडॉवेल्स नंबर 1 व्हिस्की 350 एमएल - 75 पेटी

रांची के खेलगांव...

स्थानीय लोगों के अनुसार, सुबह के समय छात्रा अपने छोटे भाई को स्कूटी पर बैठा कर मंदिर पूजा करने जा रही थी। लेकिन, रास्ते में यह हादसा हो गया, जिसमें उसकी जान चली गई। वहीं, टक्कर होने के बाद पीछे बैठा लड़की का छोटा भाई सड़क की दूसरी तरफ गिर गया। इससे उसकी जान बच गई। जानकारी के अनुसार, हादसे में बस का चक्का हेलमेट पहनी छात्रा के सिर पर चढ़ गया और इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। छात्रा के पिता का नाम श्याम है और वह लालपुर के डिस्टलरी बाजार में मछली बेचने का कार्य करते हैं। इधर, हादसे के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया और हंगामा करने लगे। खेलगांव थाना प्रभारी ने लोगों को समझा-बुझाकर सड़क से जाम हटवाया। इस दौरान कई वाहन जाम में फंसे रहे। खेलगांव ओपी प्रभारी अभिषेक कुमार के अनुसार, स्कूटी सवार एक लड़की की सड़क हादसे में मौत हुई है। इसके बाद लोगों ने अक्रोशित होकर सड़क जाम कर दिया और हंगामा करने लगे। लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया गया है।

मोबाइल के इस दौर में खेलों के प्रति रूझान एक शुभ संकेत: विजय बहादुर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। सदर प्रखंड के बाजकुम फुटबॉल क्लब, लातेहार के तत्धान में शुक्रवार से फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। इसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश युवा सचिव विजय बहादुर सिंह ने फीता काट कर किया। इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी पंकज तिवारी व युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित यादव मुख्य रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के प्रदेश युवा सचिव विजय बहादुर सिंह ने कहा कि आज मोबाइल व इंटरनेट का युग है। बच्चे आज मोबाइल में गेम में व्यवस हैं, ऐसे में आउटडोर गेम में भाग लेना एक शुभ संकेत है। लोग अब फुटबॉल जैसे आउटडोर गेम में हिस्सा ले रहे हैं। जब मोबाइल व इंटरनेट नहीं था तो गांव व शहर के बच्चे फिल्ड में खेला करते थे, लेकिन आज के बच्चे घरों में बंद हो गये हैं।
कांग्रेस नेता पंकज तिवारी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। अमित यादव ने भी खिलाड़ियों को अपना बेहतर प्रदर्शनकरने की अपील की। उन्होंने कहा कि आज हमें खेलों के प्रति युवाओं को जागरूक करने की जरूरत है। बाजकुम फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष राजू उरांव ने कहा कि प्रति वर्ष यहां यह टूर्नामेंट आयोजित किया जाता है और इसमें आसपास के कई क्षेलों के फुलबॉल टीम भाग लेते हैं। मौके पर विधायक प्रतिनिधि बरवाडीह पिंटू सिंह, प्रखंड अध्यक्ष प्रिंस गुप्ता, चंदन, वाजिद, आलोक सिंह, हरीश व शशि सिंह आदि मौजूद थे।

अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान के लिए हुई बैठक

मोहम्मदगंज। मोहम्मदगंज से हैदरनगर वाया कोल्हुआ,बरडीहा, पंसा, अधौरा तथा रानीदेवा पथ निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान को लेकर रैयत व वंशजों की बैठक अंचल निरीक्षक अरविंद कुमार मिश्र की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई। इसमें उक्त सड़क निर्माण को लेकर अधिग्रहित भूमि के निर्धारित मुआवजा राशि के भुगतान को लेकर जारी नोटिस पर दावा आपत्ति दर्ज कराई गई। इसके लिए जारी नोटिस के आलोक में रैयत व वंशज वैध रैयती प्रमाणपत्र के साथ उपस्थित हुए। हालांकि कई रैयतों ने मुआवजा राशि कम होने की बात भी कही। बैठक में राजस्व उप निरीक्षक वरुण कुमार, मुखिया व पंसस प्रतिनिधि अरुण कुमार गुप्ता और विश्वनाथ चौधरी सहित कई रैयत/वंशज शामिल थे।

मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने सीखी मिट्टी परीक्षण की प्रक्रिया

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड स्थित प्लस 2 उच्च विद्यालय पतरिया में शुक्रवार को विद्यालय मृदा स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परियोजना निदेशक आत्मा सह जिला कृषि पदाधिकारी के निर्देश पर संपन्न कराया गया है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को मृदा नमूना संग्रहण की विधि और मिट्टी परीक्षण के 12 आवश्यक तत्वों की जानकारी दी गई। क्लास रुम और लैब दोनों जगह बच्चों ने मिट्टी परीक्षण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रुप से देखने व सीखने का कार्य किया। जिसमें 70 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक परवीन जहां, सन्नी कुमार, सहायक प्रखंड समन्वयक अभिषेक मेहता (एग्री क्लीनिक, हुसैनाबाद), किसान मित्र कुणाल सिंह और सुदर्शन मेहता ने बच्चों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने मिट्टी की गुणवत्ता, पोषण तत्वों और टिकाऊ खेती में उसकी अहम भूमिका पर प्रकाश डाला।

वार्ड सदस्यों को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान और पेसा कानून की जानकारी दी गई

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। प्रखंड सभागार में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रखंड के सभी वार्ड सदस्यों को राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान तथा पेसा कानून की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पंचायती राज विभाग से जुड़े मास्टर ट्रेनर अनूप तिवारी, जिला समन्वयक दीपक कुमार चौहान, मास्टर ट्रेनर विनीता कुमारी तथा सुमन कुमारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान पंचायत स्तर पर स्वशासन, ग्राम सभा की भूमिका, पारदर्शिता व जवाबदेही, तथा पेसा कानून के तहत ग्रामसभा के अधिकारों पर विस्तार से चर्चा की गई.प्रशिक्षकों ने बताया कि पेसा कानून आदिवासी क्षेत्रों में ग्रामसभा को विशेष अधिकार देता है, जिससे वे अपने संसाधनों और परंपराओं की रक्षा कर सकें। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के माध्यम से पंचायत प्रतिनिधियों की क्षमता और दक्षता को बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वार्ड सदस्यों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताया और कहा कि इससे उन्हें अपने अधिकारों और कर्तव्यों की बेहतर समझ मिली है।

पूर्व सरपंच की मनाई गई तीसरी पुण्यतिथि

हुसैनाबाद। शुक्रवार को हुसैनाबाद प्रखंड के बेनी खुर्द गांव निवासी व पूर्व सरपंच स्वर्गीय युगेश्वर प्रसाद सिंह द्वार पर उनकी तीसरी पुण्यतिथि मनाई गई। परिजनों व गांव के लोगों ने उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी ।मालूम हो कि स्व. सिंह बेनी खुर्द ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच थे और जनसेवा में उनकी गहरी आस्था थी। इस अवसर पर उनके सुपुत्र पंचम सिंह सहित पूरे परिवार ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और भावुक माहौल में उन्हें याद किया। स्वर्गीय युगेश्वर प्रसाद सिंह एक ईमानदार जनसेवक और नेकदिल इंसान के रूप में क्षेत्र में विख्यात रहे। उनकी ईमानदारी और सादगी के किस्से आज भी क्षेत्र में लोगों की जुबान पर हैं। उनका जीवन गांव और समाज के लिए समर्पित रहा हैं। इस अवसर पर पंचम सिंह, मनोज सिंह, बबलू सिंह, राकेश सिंह, अखिलेश सिंह, अंकित सिंह सहित आसपास के काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

ग्राम जल स्वच्छता समितियों के व्यय का होगा अंकेक्षण

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। ग्राम जल स्वच्छता समितियों के व्यय का अंकेक्षण किया जाएगा। पलामू उपायुक्त की अध्यक्षता में गुरुवार को आयोजित स्वच्छ भारत मिशन एवं जल जीवन मिशन के कार्यों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए गए हैं। इस बैठक से शामिल हैदरनगर व मोहम्मदगंज के ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर हरसु कुमार दयानिधि और प्रेमतोष पांडेय भी ने जुड़े थे। उन्होंने बताया कि बैठक में व्यक्तिगत शौचालय प्रगति, ओडीएफ प्लस मॉडल गांव, मॉडल वेरिफिकेशन, माहवारी स्वच्छता प्रबंधन और गोबर्धन योजना के संचालन और प्रगति को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत संवेदक के द्वारा पूर्ण पेय जल स्कीम को ग्राम जल स्वच्छता समिति को सौंपने एवं जलकर लेने की हिदायत दी गई। ताकि जल योजना के संचालन के कार्य में होने वाले व्यय के लिए ग्राम जल व स्वच्छता समिति आत्मनिर्भर हो सके। इसके साथ ही अन्य कई दिशा-निर्देश निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि इस दौरान कार्यपालक अभियंता सह सदस्य सचिव ने ग्राम जल स्वच्छता समिति के वर्ष 2014-15 से लेकर 2024-25 तक के विभिन्न मदों में जेनरल बजटरी सपोर्ट फंड व रिसोर्स फंड के व्यय के अंकेक्षण कराने के आदेश से संबंधित सभी मुखिया सह अध्यक्ष, ग्राम जल स्वच्छता समिति एवं जल सहिया को पत्र निर्गत करने की जानकारी दी। इसे लेकर उन्होंने 6 को हैदरनगर 4 अक्टूबर को मोहम्मदगंज प्रखंड सभागार में चार्टेड एकाउंटेंट की उपस्थिति में अंकेक्षण किए जाने को लेकर इससे संबंधित जलसहिया व मुखिया को संबंधित प्रपत्र के साथ भाग लेने को लेकर जिला के अधिकारिक आदेश पत्र के संबंध में सूचित किए जाने की हिदायत दी है। उन्होंने बताया कि बैठक में स्टेट आइसी कॉडिनेटर जितेंद्र सिंह ने समीक्षा के पूर्व स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम की रूप रेखा पर विस्तृत चर्चा की।

बेतला में पहली बार मनाया गया राष्ट्रीय वन शहीद दिवस

- **बेतला मुख्य द्वार पर शहीदों के याद में स्मारक का किया गया अनुवारण**
- **वहीं गार्ड ऑफ ऑनर देकर वन शहीदों के याद में श्रध्दांजलि सभा का किया आयोजन**

नवीन मेल संवाददाता

बेतला/लातेहार/पलामू। व्याघ्र परियोजना क्षेत्र बेतला में राष्ट्रीय वन शहीद दिवस 11 सितंबर को मनाया गया ।जिसमें पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ के परितोष उपाध्यक्ष पीटीआर क्षेत्र के डायरेक्टर एस आर नटेश सीएफ प्रवेश अग्रवाल पलामू कुमार आशीष डीएफओ पीटीआर साउथ सत्यम कुमार डीएफओ पलामू प्रजेशकांत जैना डीएफओ,इबीन बोमी डीएफओ गढवा अनसुमन राजहंस डीएफओ गढवा एसी एफ के साथ-साथ बेतला रेंजर उमेश दुबे छिपादोहर बरवाडीह के रेंजर अजय टोपों बेतला प्रभारी वनपाल रामकुमार संतोष कुमार इन अधिकारियों ने शहीद के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित किया। वहीं वाइल्डलाइफ के पीसीसीएफ परितोष उपाध्यक्ष ने लोगों के बीच सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय वन शहीद दिवस हर राज्य में 11 सितंबर को मनाया जाता है इसके लेकर पहली बार झारखंड में बेतला में आज मनाया गया इस राष्ट्रीय शहीद दिवस के अवसर पर यह दिन उन बहादुर लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए समर्पित है जिन्होंने वनों और वन्यजीवों की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी राष्ट्रीय वन शहीद दिवस की शुरुआत 11 सितम्बर 1730 की दुखद घटना की याद में मनाया जाता है जब राजस्थान के जोधपुर में खेजड़ी आंदोलन के दौरान 360 से अधिक बिश्नोई समाज के लोग पेड़ों के बचाने को लेकर शहीद हो गए थे महिला का साहस परिचय देते अमृता देवी और उनके तीन बेटीयां सहित कई अन्य लोग ने खेजड़ी के पेड़ों काटने को लेकर विरोध किया था जिसके लिए उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी इस घटना के बाद पुरे देश में वन संरक्षण के प्रति जागरूकता बढा और 2013,में भारत सरकार के पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय 11 सितम्बर को राष्ट्रीय वन शहीद दिवस के रूप में घोषित किया था जिसका उद्देश्य वन रक्षकों और रेंजरों को बलिदान को सम्मान देना वन को सुरक्षित रखना वन कटाई पर समाज में जागरूकता फैलाना अवैध रूप से जंगल कटाई को रोकना व जानवरों को शिकार होने से बचाने लेकर अभियान चलाना शिकार और अतिक्रमण के विरोध संघर्ष का उजगार करना ।
वन केवल पेड़ों का समुह नहीं है बल्कि एक जीवंत परिस्थितिकी तंत्र है ये जीव विविधता की संरक्षित करते हैं जलवायु को संतुलन बनाए रखते हैं लोगों को आजिविका भी प्रदान करता है वनो के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व भी है वर्तमान समय में अवैध कटाई और भुमी अतिक्रमण तेजी से बढ़ रही है साथ ही वन्यजीव की तस्करी और शिकार अब भी जारी है कई वन कर्मचारी प्राकृतिक आपदाओं संघर्षो और दुर्घटनाओ में अपने प्राण गंवा चुके हैं । राष्ट्रीय वन शहीद दिवस सिर्फ एक दिन का समारोह नहीं है बल्कि यह एक संकल्प है की हम अपने वनों और वन्यजीवों को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है यह हमें याद दिलाता है की प्राकृतिक की रक्षा करना हम सभी का जिम्मेदारी है ।
वहीं पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 12 लोग जंगल और जानवर बचाने में हो गए हैं शहीद इन सभी लोगों वन माफीया लोगों ने क्रुरता के साथ कियाथा हत्या। इन लोगों ने हुआ शहिद गणेश राय वनरक्षि ,ललन राय वनरक्षि ,भगवती यादव तपेश्वर सिंह जीतन सिंह ललन गुप्ता रेंजर विश्राम राय अजीज कुरैशी सुखदेव परहीया दनदियाल खालको सीताराम यादव देव कुमार प्रजापति इन सभी लोगों ने जंगल और जानवर को सुरक्षा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाने का काम किया और शहीद हो गया । इन्हीं लोगों के याद में स्मारक बेतला गेट पर बनाकर पुष्पांजलि अर्पित कर दिया गया सम्मान। डिप्टी डायरेक्टर प्रजेशकांत जैना ने कहा की झारखंड राज्य में अन्य विभाग की तरह भी वन शहीद लोगों को भी उसी तरह छतिपुर्ती व मुवाआजा दे साथ शस्त्र भी उपलब्ध सरकार कराए जिसे जंगल और जानवर बचाने को लेकर तत्पर रहे । मौके पर वनरक्षि देवपाल भगत धीरज कुमार नवीन कुमार शंसाक पाण्डे मुकेश कुमार विवेक कुमार सिंह प्रवीण कुमार नन्दलाल कुमार फ़ैज़ अहमद प्रकाश कुमार संतोष कुमार मुकेश मिंज रंजीश कुमार सिंह विवेक कुमार नवीन कुमार के साथ साथ सभी वनरक्षि लोग रहे उपस्थित ।

नेपाल में सुशीला कार्की के हाथों में सत्ता की 'कमान', अंतरिम सरकार की तैयारी तेज

काठमांडू (आईएएनएस)

नेपाल में जेन-जी के आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से लेकर कई मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ युवाओं का देशव्यापी विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाने की तैयारी चल रही है। शुक्रवार दोपहर तक नियुक्ति की औपचारिकता हो सकती है, जिसे बढ़ते जन असंतोष के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम माना जा रहा है। नेपाल के राष्ट्रपति कार्यालय 'शीतल निवास' ने अपने कर्मचारियों को नए अंतरिम प्रधानमंत्री के स्वागत की तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों को भी इसी तरह के निर्देश जारी किए गए हैं, जिसमें उन्हें राजनीतिक सहमति बनने के बाद आधिकारिक परिवर्तन के लिए तैयार रहने को कहा गया है। जैसे ही देश की प्रमुख पार्टियां और राष्ट्रपति अंतरिम सरकार का नेतृत्व सुशीला कार्की के हाथों में सौंपने पर औपचारिक सहमति बना लेते हैं, वैसे ही मंत्रालय को संबंधित व्यवस्थाएं शुरू करने का निर्देश दिया गया है। सुशीला कार्की एक प्रतिष्ठित न्यायविद और नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश हैं। उनकी छवि एक निष्पक्ष व्यक्ति के रूप में है, जो इस अस्थिर दौर में विश्वसनीयता और स्थिरता बहाल करने में सक्षम हो सकती हैं। कई दिनों की राजनीतिक उथल-पुथल के बाद जनता के बड़े धड़े ने सुशीला कार्की के हाथ देश के अंतरिम नेतृत्व को सौंपने की मांग की है। इससे पहले, नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के पूर्व प्रमुख कुलमन घीसिंग को भी एक संभावित उम्मीदवार माना जा रहा था। घीसिंग को व्यापक सुधारों के माध्यम से बिजली की कमी को समाप्त करने के लिए सराहा जाता है।

यह राजनीतिक परिवर्तन सोमवार से पूरे देश में चल रहे व्यापक भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के बीच हो रहा है। नेपाल में फैली हालिया अशांति और जेन-जी का आंदोलन सोशल मीडिया पर बैन के सरकार के फैसले का परिणाम है। युवाओं ने इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया। काठमांडू में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन और सुरक्षा बलों से झड़प में अब तक 34 लोगों की जान चली गई है। देखते ही देखते जेन-जी का गुस्सा पोखरा, बुटवल और बीरगंज जैसे शहरों में फैल गया।

युवा आंदोलन का असर: जेन-जी के देशव्यापी भ्रष्टाचार-विरोधी प्रदर्शन से सरकार पर दबाव।

अन्य संभावित उम्मीदवार : एनईए के पूर्व प्रमुख कुलमन घीसिंग का भी नाम चर्चा में रहा।

नेपाल में सुशीला कार्की की छवि : नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश, निष्पक्ष और भरोसेमंद मानी जाती हैं।

जेन-जेड प्रोटेस्ट की आड़ में जेल से बाहर आए पूर्व गृहमंत्री रवि लामिछाने को लगा झटका

फिर जाना होगा जेल

नेपाल में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों की आड़ में देश भर में जेल ब्रेक की घटनाएं हुई हैं। इस दौरान 17 हजार से अधिक कैदियों के जेल से फरार होने की घटनाएं सामने आई हैं। जेल से फरार होने वालों में कई वीवीआईपी कैदी हैं तो कई का संबंध अंडरवर्ल्ड से हैं। हिंसक प्रदर्शन के दौरान जेल से फरार होने वालों में कई खूंखार आतंकवादी भी शामिल हैं।

नक्खू जेल में हुआ था पहला हमला

9 सितंबर को जिस समय काठमांडू में प्रदर्शनकारी सरकारी भवनों, नेता, मंत्रियों के घरों पर हमला करते हुए आगजनी कर रहे थे उसी समय सबसे पहला जेल ब्रेक ललितपुर के नक्खू जेल में हुआ था। सहकारी घोटाले में आरोपी बनाए गए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामिछाने भी इस जेल में बंद थे। इस दौरान प्रदर्शन की आड़ में समर्थकों ने जेल पर हमला किया और 2 बार गृहमंत्री रहे अपने नेता रवि लामिछाने को जेल से बाहर निकाल लिया। रवि लामिछाने के कारण नक्खू जेल में 900 से अधिक कैदी जेल मौके का फायदा उठाते हुए फरार हो गए।

संक्रमण के वर्षों बाद खसरे की दुर्लभ जटिलता से बच्चे की मौत

एसएसपीई क्या है और यह बच्चों को कैसे प्रभावित करता है

एजेंसी । नई दिल्ली

लॉस एंजिल्स काउंटी में एक बच्चे की एसएसपीई से दुखद मृत्यु हो गई, जो खसरे की एक दुर्लभ और जानलेवा जटिलता है। बच्चे को शिशु अवस्था में ही खसरा हो गया था, टीकाकरण की पात्रता से पहले। एसएसपीई खसरे के वर्षों बाद विकसित होता है, जिससे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुँचता है। स्वास्थ्य अधिकारी इस बात पर ज़ोर देते हैं कि टीकाकरण की घटती दर एसएसपीई के मामलों को और बढ़ा सकती है। एमएमआर टीका महत्वपूर्ण है, जो व्यक्तियों और समुदायों, विशेष रूप से कमज़ोर शिशुओं की रक्षा करता है। लॉस एंजिल्स काउंटी से एक हृदयविदारक कहानी सामने आई है: एक स्कूली बच्चे की खसरे की एक दुर्लभ जटिलता, जिसे सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस (एसएसपीई) कहा जाता है, से मृत्यु हो गई। बच्चे को शिशु अवस्था में ही खसरा हो गया था, इससे पहले कि वह एमएमआर (खसरा, कण्ठमाला, रूबेला) का टीका लगवाने लायक बड़ा होता। यह मामला एक गंभीर चेतावनी है कि खसरा केवल एक "हानिरहित बचपन की बीमारी" नहीं है। दुर्लभ मामलों में, वायरस शरीर में चुपचाप रह सकता है और वर्षों बाद घातक जटिलताएँ पैदा कर सकता है। माता-पिता को एसएसपीई, बच्चों में खसरे के जोखिम और टीकाकरण के महत्व के बारे में ये बातें जाननी चाहिए:

एसएसपीई क्या है?

सबएक्यूट स्क्लेरोज़िंग पैनएनसेफलाइटिस (एसएसपीई) एक प्रगतिशील मस्तिष्क विकार है जो खसरे के संक्रमण के कारण होता है जो कभी पूरी तरह से ठीक नहीं होता। बच्चे के खसरे से ठीक होने के बाद भी, वायरस मस्तिष्क में छिपा रह सकता है और वर्षों बाद फिर से उभर सकता है। ऐसा होने पर, यह धीरे-धीरे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को नष्ट कर देता है। एसएसपीई के अधिकांश मामले मूल खसरे के संक्रमण के 6-15 साल बाद विकसित होते हैं, लेकिन कभी-कभी यह पहले भी दिखाई दे सकता है। हालाँकि एसएसपीई अत्यंत दुर्लभ है, लेकिन जिन बच्चों को 1 वर्ष की आयु से पहले खसरा हुआ था, उनमें इसका जोखिम काफी अधिक होता है, यह वह अवस्था है जब वे टीकाकरण के लिए बहुत छोटे होते हैं। स्वास्थ्य अधिकारी इस बात पर ज़ोर देते हैं कि यही कारण है कि समुदाय में खसरे का टीकाकरण महत्वपूर्ण है। उच्च टीकाकरण कवरेज सबसे कमजोर लोगों की रक्षा करने में मदद करता है: वे शिशु जिन्हें अभी एमएमआर का टीका नहीं लग सकता है।

एसएसपीई बच्चों को कैसे प्रभावित करता है

एक बार एसएसपीई विकसित हो जाने पर, यह विनाशकारी और लगभग हमेशा घातक होता है। यह रोग विभिन्न चरणों से गुजरता है: प्रारंभिक चेतावनी संकेत: सूक्ष्म परिवर्तन जैसे चिड़चिड़ापन, मनोदशा में उतार-चढ़ाव, स्कूल में ध्यान केंद्रित करने में परेशानी, या हल्की स्मृति संबंधी समस्याएं।

- **तंत्रिका संबंधी गिरावट :** दौरे, झटकेदार गतिविधियां (जिन्हें मायोक्लोनिक झटके कहा जाता है), दृष्टि संबंधी समस्याएं और बोलने में कठिनाई। मोटर कौशल भी कम होने लगते हैं।

- **गंभीर प्रगति :** मांसपेशियों में अकड़न, निगलने में कठिनाई और दौरे का बिगड़ना। अंततः, वायरस मस्तिष्क के उन क्षेत्रों को नुकसान पहुँचाता है जो श्वास, रक्तचाप और हृदय क्रिया को नियंत्रित करते हैं। एसएसपीई से पीड़ित अधिकांश बच्चे लक्षण प्रकट होने के बाद केवल 1-3 वर्ष ही जीवित रहते हैं। दुर्लभ मामलों में, उपचार रोग को थोड़ा धीमा कर सकता है, लेकिन परिणाम लगभग हमेशा दुखद होता है।

यह मामला क्यों महत्वपूर्ण है

- लॉस एंजिल्स के बच्चे की मृत्यु अमेरिका में खसरे के संक्रमण के दीर्घकालिक खतरों को रेखांकित करती है। हालाँकि खसरे को अक्सर "केवल दाने और बुखार" मानकर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है, लेकिन यह निमोनिया, एन्सेफलाइटिस (मस्तिष्क की सूजन) और एसएसपीई जैसी जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकता है।
- टीकाकरण दरों में गिरावट के कारण अमेरिका के कुछ हिस्सों में खसरे के मामलों में फिर से वृद्धि के साथ, स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि आने वाले वर्षों में हमें एसएसपीई के और भी मामले देखने को मिल सकते हैं। खसरे का हर प्रकोप उन शिशुओं के लिए जोखिम बढ़ाता है जो टीकाकरण के लिए बहुत छोटे होते हैं और इसलिए पूरी तरह से सामुदायिक प्रतिरक्षा पर निर्भर होते हैं।

बच्चों की सुरक्षा: टीकाकरण की भूमिका

- खसरे और एसएसपीई सहित इसकी जटिलताओं से सबसे अच्छा बचाव एमएमआर टीका है। सीडीसी अनुशंसा करता है: टीकाकरण न केवल व्यक्तिगत बच्चों की रक्षा करता है, बल्कि सामुदायिक प्रसार को भी रोकता है, जिससे शिशुओं और प्रतिरक्षाविहीन लोगों की सुरक्षा होती है।
- एसएसपीई दुर्लभ है, लेकिन जब यह हमला करता है, तो घातक होता है। माता-पिता और देखभाल करने वालों को यह समझना चाहिए: खसरा कोई मामूली बीमारी नहीं है, यह एक गंभीर वायरस है जिसके आजीवन जोखिम होते हैं। एमएमआर टीका लगवाने से न केवल आपके बच्चे की, बल्कि पूरे समुदाय की सुरक्षा होती है।

तांबा, पीतल या मिट्टी, किस बर्तन का पानी पीना सही ?

ब्यूरो

नई दिल्ली। सभी को दिन में कई बार पानी पीने की जरूरत होती है। शरीर को डिटॉक्स करने, तरोताजा रखने , प्यास बुझाने , सेहतमंद बनाए रखने के लिए पानी बहुत ही जरूरी है,। ऐसे में पानी को किस बर्तन में रखा जाए कि उसकी तासीर नुक़सान दायक नहीं हो , इसके लिए आयुर्वेद , यूनानी , एलोपैथी में कई तरह के सुझाव दिये जाते हैं। का भी उस पर बड़ा असर होता है। वैसे तो प्रचलन व उपलब्धता की सुविधा के आधार पर लोग स्टील, कांच या प्लास्टिक के गिलास उपयोग करते हैं, लेकिन पहले लोग हर धातु या पदार्थ के बर्तन व सेहत के बीच के रिश्ते को समझते थे। आजकल तांबे की बोतल में पानी पीने का पैटर्न है। ऐसे में यह जानना ज़रूरी है कि तांबा, पीतल या मिट्टी , किस बर्तन में पानी पीना चाहिए और इसका स्वास्थ पर क्या असर होता है। आज की आधुनिक लाइफस्टाइल में तांबा, पीतल या मिट्टी के बर्तन में पानी पीने को ट्रेंड या फिर दिखावा माना जाता है, लेकिन असल में सही बर्तन से पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थों यानी टॉक्सिन को बाहर निकालने से लेकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तक कई फायदे मिल सकते हैं। इससे शरीर का संतुलन बना रहता है और सेहत भी प्राकृतिक रूप से बेहतर होती है।चलिए देखते हैं किस बर्तन में पानी पीने के क्या फायदे हैं-

तांबा : आयुर्वेद में तांबे को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। रात भर तांबे के बर्तन में रखे पानी को ताम्रजल के नाम से जाना जाता है। इसमें जीवाणुरोधी गुण होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से बैक्टीरिया को मारते हैं। इस पानी को पीने से शरीर से विषैले तत्व यानी टॉक्सिन बाहर निकल जाते हैं, क्योंकि यह बर्तन प्राकृतिक रूप से पानी का पीएच लेवल बढ़ाता है। इसके अलावा यह पानी नियमित रूप से पीने से पाचन में सुधार होता है, मोटापा कम करने में मदद मिलती है और त्वचा में भी निखार आता है। तांबे के बर्तन में पानी लंबे समय तक ठंडा रहता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी बढ़ाने में बहुत उपयोगी है। इस बर्तन में 24 घंटे पानी रखने से इसमें मौजूद ई-कोलाई जैसे हानिकारक बैक्टीरिया मर जाते हैं, लेकिन इस बर्तन को रोजा साफ करना बहुत जरूरी है, नहीं तो इसमें मौजूद बैक्टीरिया हानिकारक हो सकते हैं।

मिट्टी के घड़े-सुराही : गर्मियों में पानी को प्राकृतिक रूप से ठंडा रखने का सबसे आसान और सुरक्षित तरीका मिट्टी के घड़े व सुराही हैं। यह घड़ा व सुराही न केवल पानी को ठंडा करता है, बल्कि उसमें प्राकृतिक खनिज मिलाकर पानी के पोषण मूल्य को भी बढ़ाते हैं, जिससे पानी प्राकृतिक रूप से क्षारीय हो जाता है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म खनिज शरीर को आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट्स प्रदान करते हैं, जिससे निर्जलीकरण की समस्या कम होती है। इस पानी को पीने से शरीर को प्राकृतिक रूप से नमी मिलती है और यह गर्मी से बचाता है।

कांसे के बर्तन : पुरातन काल से ही कांसे को औषधीय गुणों वाली धातु माना जाता रहा है। कांसे के बर्तन का पानी पीने से पाचन क्रिया बेहतर होती है और शरीर से विषाक्त पदार्थ यानी टॉक्सिन कम होते हैं। साथ ही कांसे में मौजूद सूक्ष्म तत्व त्वचा को चमकदार बनाते हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, यह पानी शरीर को संतुलित रखने में मदद करता है।

पानी कैसे पीना चाहिए : सुबह उठकर खाली पेट पानी पीना स्वास्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

जब आप रात को सोते हैं, तो आपके आंतरिक अंगों की डिटॉक्स प्रक्रिया लगातार काम कर रही होती है। इसलिए सुबह पानी पीने से शरीर से विषैले तत्व बाहर निकल जाते हैं। इससे पाचन तंत्र हल्का होता है और शरीर हाइड्रेटेड भी रहता है। हो सके तो रात को सोते समय तांबे के बर्तन में पानी लेकर उसमें नमक डालकर (कौन सा नमक यह अपने स्वास्थ्य व बीमारी के अनुसार वैद्य से पूछकर) अलग रख दें। सुबह उठते ही इस पानी को पीने के कई फायदे हैं। इससे मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है और त्वचा सुंदर दिखती है। वैसे तो आप सुबह गर्म पानी में नींबू निचोड़कर भी पी सकते हैं। यह भी बहुत लाभदायक है।

कांगो में हुआ दर्दनाक हादसा, नाव पलटने से 86 लोगों की गई जान

मरने वालों में अधिकांश छात्र थे

एजेंसी । किन्शासा

कांगों में उस वक्त दर्दनाक हादसा हुआ जब एक नाव पलट गई। इस हादसे में 86 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में अधिकतर छात्र थे। कांगो के उत्तर पश्चिमी इक्वेटर प्रांत में दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां एक मोटरचालित नाव के पलटने से कम से कम 86 लोगों की मौत हो गई है।

सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। सरकारी समाचार एजेंसी ने खबर दी है कि यह हादसा बसानकुसू क्षेत्र में हुआ,जिन लोगों की मौत हुई है उनमें अधिकतर छात्र थे। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि दुर्घटना का कारण क्या था। हालांकि सरकारी मीडिया ने इसके लिए 'नाव में क्षमता से अधिक लोगों के सवार होने और रात में नौवहन' को जिम्मेदार ठहराया है।

हादसे का कारण स्पष्ट नहीं, पर आशंका...

- नाव में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे।
- रात में नौवहन को भी जिम्मेदार ठहराया गया।

अमेरिका से लौटे दक्षिण कोरियाई कामगार, परिवार से मिले

सोल (आईएएनएस)

पिछले सप्ताह अमेरिकी आव्रजन छापे में कई दिनों तक हिरासत में रहने के बाद शुक्रवार को अधिकांश कोरियाई कामगारों ने खुशी मनाई। कुछ अपने परिजनों से लंबे समय बाद मिल फूट-फूट कर रो पड़े। इंचियोन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद एक मजदूर ने चिल्लाकर कहा, "मैं वापस आ गया हूं! ये मेरे लिए आजादी के समान है! यह मजदूर उन 316 दक्षिण कोरियाई और 14 विदेशियों में शामिल था जो पिछले दिन नजरबंदी से रिहा होने के बाद जॉर्जिया से एक चार्टर्ड विमान से सोल पहुंचे थे। ब्रायन काउंटी में हुंडई मोटर ग्रुप और एलजी एनर्जी सॉल्यूशन द्वारा संयुक्त रूप से संचालित एक इलेक्ट्रिक कार बैटरी प्लांट निर्माण स्थल पर पिछले गुरुवार को हुई छापेमारी में मजदूरों को हिरासत में लिया गया था। साउथ कोरिया ने इनकी घर वापसी का प्रबंध किया। एक हफ्ते से चल रहे अभियान के बाद यह मजदूर वापस लौट पाए। मजदूरों के अराइवल हॉल में दाखिल होते ही तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल भावुक हो उठा।

दक्षिण सूडान में बाढ़ के कारण एक लाख से अधिक लोग विस्थापित: संयुक्त राष्ट्र

जुबा (आईएएनएस) । संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि दक्षिण सूडान में आई बाढ़ से निपटने के लिए मदद का दायरा बढ़ाया जाए। एजेंसी के मुताबिक बाढ़ के कारण एक लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अगर बाढ़ जारी रही, तो साल के अंत तक लगभग 4,00,000 लोग विस्थापित हो सकते हैं, जो 2024 में देखे गए स्तर से कहीं ज्यादा होगा। दक्षिण सूडान में यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि मैरी-हेलेन वर्ने ने एक बयान में कहा, "अतिरिक्त धन के बिना, बाढ़ से पहले से ही तबाह लोगों को आश्रय, सुरक्षा और स्वच्छ पानी प्रदान करना एक चुनौती से कम नहीं होगा। एजेंसी ने कहा कि दक्षिण सूडान भीषण बाढ़ के एक नए चक्र में फंस गया है।

प्रभुदेवा का नया चैलेंज!

सोनी लिव पर 'सेथुराजन आईपीएस' में पुलिस अफसर बनकर सुलझाएंगे मर्डर मिस्ट्री

प्रभुदेवा का डेब्यू : ओटीटी पर पहली बार गंभीर पुलिस अफसर की भूमिका।

कहानी फिल्म जगत की

प्रभुदेवा की छवि : अब तक डांस और हल्की-फुल्की भूमिकाओं के लिए मशहूर अब गंभीर रोल।

भारतीय ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव द्वारा हाल ही में सीरीज़ की पहली झलक जारी करने के बाद इस चर्चा की पुष्टि हुई, जिसमें शुवू बॉलीवुड सितारों प्रभु देवा और रवीना टंडन के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। दो मिनट तीस सेकंड के इस वीडियो ने पहले ही प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। प्रसिद्ध अभिनेता, कोरियोग्राफर और निर्देशक प्रभुदेवा सोनी लिव की आगामी तमिल मूल श्रृंखला 'सेथुराजन आईपीएस' में अपनी पहली भूमिका के साथ स्ट्रीमिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। 'रथसाची' जैसी हिट फिल्मों के लिए मशहूर रफीक इस्माइल द्वारा निर्देशित यह सीरीज़ एक मनोरंजक राजनीतिक अपराध थ्रिलर है। अपने गतिशील नृत्य और हल्की-फुल्की फ़िल्मी भूमिकाओं के लिए मशहूर प्रभुदेवा एक ज़्यादा गंभीर किरदार में ढलते हैं- एक पुलिस अधिकारी जो ग्रामीण तमिलनाडु में एक राजनीतिक रूप से आरोपित हत्या की जाँच के दलदल में डूबा हुआ है।प्रभुदेवा काधलन , लव बर्ड्स , मिनसारा कनवु और कथला कथला फिल्मों में अपने डांस और कुछ किरदारों के लिए मशहूर हैं।